{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 20 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 205
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

चीन के बाहर दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनी अल्ट्राटेक

मुंबई। आदित्य बिड़ला समूह की फ्लैगशिप कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने 205.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की उत्पादन क्षमता हासिल कर चीन के बाहर दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनने का दावा किया है। कंपनी ने हाल ही में यूपी, झारखंड और आंध्र प्रदेश में नई ग्राइंडिंग यूनिट्स शुरू की हैं, जिससे कुल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने इस उपलब्धि को कंपनी के विस्तार और बुनियादी ढांचा विकास के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि कंपनी 16,000 करोड़ रुपये के नए निवेश के साथ वित्त वर्ष 2028 तक उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 240 एमटीपीए करने का लक्ष्य रख रही है। अल्ट्राटेक ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विस्तार करते हुए बाजार में अपनी मजबूत स्थिति बनाई है, जिससे भारतीय सीमेंट उद्योग को नई दिशा मिली है।

पुलिस डिप्टी कमिश्नर के ठिकानों पर छापा

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने रविवार को कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास और एक अन्य व्यक्ति के ठिकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई चुनाव वाले राज्य में एक अपराधी और उससे जुड़े सिंडिकेट के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई है। बिस्वास के दो ठिकानों जिनमें बालीगंज इलाके में स्थित उनका घर भी शामिल है और सन एंटरप्राइज नाम की कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर जॉय कामदार के एक ठिकाने पर मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत छापे मारे गए हैं। यह कार्रवाई बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू नाम के एक स्थानीय अपराधी के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग के मामले से जुड़ी है। इस अपराधी पर हत्या की कोशिश और रंगदारी मांगने के आरोपों में कई मामले दर्ज हैं।

एयरपोर्ट से दो अमेरिकी नागरिक हिरासत में

श्रीनगर। श्रीनगर एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। उनके सामान की जांच में एक गार्मिन सैटेलाइट फोन मिला। पहले एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने उनसे पूछताछ की और फिर उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया। जिसके बैग से फोन मिला उसका नाम जेफरी स्कॉट है और वो अमेरिका के मोंटाना राज्य का रहने वाला है। एयरपोर्ट पर रूटीन सिक्योरिटी चेक के दौरान जब इन दोनों अमेरिकी नागरिकों का सामान स्कैन किया गया तो एक बैग में गार्मिन कंपनी का सैटेलाइट फोन मिला।

कुछ ना कहना

महिला आरक्षण पर देशभर में जमकर सियासत, भाजपा ने चुनावी राज्यों में बनाया बड़ा मुद्दा

नारी शक्ति का प्रण, बंगाल-तमिलनाडु में रण

पार्टी को उम्मीद मिलेगा फायदा।।। चुनावी सभाओं में पीएम मोदी-शाह ने विपक्ष पर बोला हमला, ममता-अखिलेश का पलटवार

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक से जुड़ा संशोधन पास नहीं हो पाया। इसके बाद देश में राजनीति माहौल गरमा गया है। जहां देशभर में भाजपा और विपक्ष एक-दूसरे पर हमलावर हैं, वहीं प.बंगाल और तमिलनाडु के चुनावी मैदान में महिला आरक्षण का मुद्दा छाया हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पूरी भाजपा विपक्ष को महिला विरोधी बताते हुए महिलाओं को आकर्षित करने में जुटी हुई है। दरअसल, पूर्व के चुनावों में भाजपा ने जिस तरह नैरेटिव बनाकर जीत हासिल किया है, उसी तर्ज पर प.बंगाल और तमिलनाडु में महिला आरक्षण को भुनाने की कोशिश की जा रही है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल में अपनी हर सभा में ममता बनर्जी और विपक्ष पर हमला किया। वहीं तमिलनाडु में गृह मंत्री अमित शाह ने डीएमके पर जोरदार हमला किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा विपक्ष पर हमलावर है। पीएम मोदी ने संशोधन के ना पास होने के लिए मुख्य तौर पर कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रविवार को बंगाल के बांकुरा में बड़ी जनसभा थी और उसमें उन्होंने टीएमसी पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपने देखा संसद में क्या हुआ? उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकार वाले विधेयक को विपक्ष ने गिरा दिया।

पीएम ने ममता सरकार को बताया निर्मम

पीएम मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े संशोधन को गिराना टीएमसी और कांग्रेस की सोची समझी चाल है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं के साथ टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्वासघात किया है। पीएम मोदी ने बंगाल की ममता सरकार को निर्मम बताया और कहा कि यहां पर जो जनसमर्थन दिख रहा है, वह सरकार के खिलाफ गुस्से का संकेत है। महिला आरक्षण का जिक्र कर पीएम मोदी ने कहा महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की लंबे समय से मांग थी, जिसे सरकार ने पूरा किया लेकिन टीएमसी और कांग्रेस नहीं चाहती कि महिलाएं अधिक संख्या में विधायक और सांसद बने क्योंकि यहां पर महिलाएं उनके जंगलराज को चुनौती दे रही हैं। पीएम मोदी ने बंगाल में महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अगर यहां पर भाजपा की सरकार बनी तो महिलाओं को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा और अगर परिवार में किसी को किडनी की बीमारी है तो उन्हें मुफ्त डायलिसिस मिलेगा और एक भी रुपये का खर्च नहीं आएगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि बंगाल की बहनों को हर साल 36 हजार रुपये मिलेंगे और गर्भवती महिलाओं को 21 हजार और बेटियों की पढ़ाई के लिए 5 हजार रुपये मिलेंगे।

ममता ने पीएम मोदी पर किया पलटवार

हालांकि पीएम मोदी के बयान के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार किया और पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने देश को ईमानदारी से संबोधित करने के बजाय गुमराह करना चुना। मैं यह बात रिकॉर्ड पर रखना चाहती हूं। तृणमूल कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के लिए ज्यादा राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत की है। संसद और राज्य विधानसभा, दोनों में हमारे चुने हुए महिला प्रतिनिधियों का अनुपात सबसे ज्यादा है। लोकसभा में हमारे चुने हुए सदस्यों में से 37।9 प्रतिशत महिलाएं हैं। राज्यसभा में हमने 46 प्रतिशत महिला सदस्यों को नामित किया है। महिला आरक्षण का विरोध करने का सवाल ही नहीं उठता और न कभी उठा है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम जिस बात का मूल रूप से विरोध करते हैं, वह है परिसीमन की प्रक्रिया, जिसे मोदी सरकार अपने निहित राजनीतिक एजेंडे के लिए महिलाओं को ढाल बनाकर थोपने की साजिश रच रही थी।

अखिलेश यादव ने लगाया तुष्टीकरण का आरोप

महिला आरक्षण विधेयक पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति का यह काला दस्तावेज था जिसे विपक्ष ने विफल कर दिया। अखिलेश ने कहा कि महिला आरक्षण पर बीजेपी की हार हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं की एकता में दरार डालकर जनता को ठगना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह बिल लगभग 95 फीसदी पीडीए महिलाओं के खिलाफ लाया गया था। अखिलेश यादव ने जोर दिया कि पहले जनगणना कराई जाए और फिर परिसीमन होना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि मोदी सरकार महिला सशक्तिकरण नहीं बल्कि महिला तुष्टीकरण करना चाहती है।

महिलाओं को न्याय दिलाएगी सरकार- शाह

तमिलनाडु के इरोड में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस और डीएमके पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन पार्टियों ने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल का विरोध करके देश की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों की वजह से संसद और विधानसभा में महिलाओं को उनका हक मिलने में देरी हो रही है। अमित शाह ने भरोसा दिलाया कि नरेंद्र मोदी की सरकार इस साजिश को सफल नहीं होने देगी और महिलाओं को न्याय जरूर दिलाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को राजनीति में ज्यादा भागीदारी दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, 16 लोगों की मौत

-राहत-बचाव कार्य जारी, मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका

चैन्नई,। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिला में स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में भीषण विस्फोट होने की घटना सामने आई है। इस दुर्घटना में अब तक 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर घायल होने के साथ ही कई अन्य के घायल होने की खबर है। फैक्ट्री में 30 लोगों के मौजूद होने की बात कही जा रही है, इससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जाहिर की गई है। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है और राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विस्फोट इतना जोरदार था कि फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। फिलहाल 16 लोगों के मृत होने की बात कही जा रही है, जबकि 6 गंभीर घायल बताए गए हैं। फैक्ट्री में दुर्घटना के समय 30 लोगों के होने की बात सामने आ रही है। विस्फोट के बाद सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबा हटाने और घायलों को बाहर निकालने में जुट गईं। अधिकारियों का कहना है कि मलबे में और लोगों के दबे होने की आशंका है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

सीएम स्टालिन ने जताया दुख

इस घटना पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि कट्टानापट्टी क्षेत्र में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट की खबर से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी के निर्देश

मुख्यमंत्री स्टालिन ने संबंधित मंत्रियों के.के.एस.एस.आर. रामचंद्रन और थंगम थेन्नारासु को तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिला प्रशासन को सभी आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

डिजिटल जनगणना में बड़ी चूक... अधिकारियों ने मैपिंग सिस्टम पर उठाए सवाल

पोर्टल पर अरुणाचल की जगह चीन का नाम

नई दिल्ली। देश में पहली बार डिजिटल जनगणना की तैयारी के बीच एक बड़ी तकनीकी गलती ने विवाद खड़ा कर दिया है। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट शहर को जनगणना के सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर चीन के शहर मेडोग के नाम से दिखाया गया। इस घटना के सामने आने के बाद लोगों में नाराजगी फैल गई और इसे देश की संप्रभुता से जोड़कर देखा जाने लगा। यह मामला तब सामने आया जब रिटायर्ड वायुसेना अधिकारी मोहोंतो पांगिंग पाओ ने इस गलती को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर पासीघाट की लोकेशन गलत दिख रही थी, जिससे वह अपनी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए। उनके पोस्ट के बाद यह मुद्दा तेजी से वायरल हो गया और कई लोगों ने सरकार से तुरंत कार्रवाई की मांग की।

पोर्टल पर अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट को मेडोग दिखाया गया, जो चीन के नियंत्रण वाले क्षेत्र में आता है। यह वही इलाका है जिसे लेकर चीन बार-बार दावा करता रहा है। ऐसे में इस गलती को सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि संवेदनशील मुद्दा माना गया और लोगों ने इसे वर्चुअल तरीके से जमीन छोड़ने जैसा बताया। मामला सामने आने के कुछ ही घंटों में जनगणना अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त कार्यालय ने बताया कि यह समस्या मैप सेवा देने वाली कंपनी के साथ समन्वय करके उसी दिन ठीक कर दी गई। सरकार ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक तकनीकी मैपिंग एरर थी।

चीन के दावे से जुड़ा है यह मामला

चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर दावा करता रहा है और कई जगहों के नाम बदलने की कोशिश भी करता है। भारत सरकार ने हमेशा इन दावों को खारिज किया है और साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे में इस तरह की गलती ने संवेदनशीलता और बढ़ा दी।

अगरकर का कार्यकाल बढ़ा

2027 वनडे वर्ल्डकप तक टीम चुनेंगे

मुंबई। बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। अब वे 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक इस पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगरकर का कार्यकाल रिन्यू किया गया है, एक्सटेंड नहीं। वे अपनी परफॉर्मेंस के आधार पर चौथे साल के लिए पद पर बने रहेंगे। बीसीसीआई के नियमों के मुताबिक, सिलेक्टर अधिकतम चार साल तक पद पर रह सकता है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि अगरकर ने खुद बीसीसीआई से अपना कार्यकाल 2027 वनडे वर्ल्ड कप बढ़ाने की मांग की थी। बोर्ड ने 2023 में दो साल के लिए अगरकर को चीफ सिलेक्टर बनाया था। 2025 में उन्हें पहले ही एक साल का एक्सटेंशन मिल चुका था। अब उनका कार्यकाल 2027 तक के लिए रिन्यू किया जा रहा है। इस तरह अगरकर कुल चार साल चीफ सिलेक्टर रहेंगे। अजित अगरकर का अब तक का कार्यकाल बेहद सफल रहा। अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच उनके द्वारा चुनी गई भारतीय टीमों ने चार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में जगह बनाई। इनमें से भारत ने तीन खिताब अपने नाम किए। 2024 और 2026 में दो टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी। इसके अलावा, टीम इंडिया 2023 के वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश सरकार ने पेट्रोल - डीजल की खुदरा कीमतों में 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का ऐलान किया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और सात हफ्तों से चल रहे ईरान युद्ध का असर अब दक्षिण एशियाई देशों की जेब पर पड़ने लगा है। बांग्लादेश सरकार ने शनिवार देर रात पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई दरों के अनुसार, पेट्रोल 135 टका, डीजल 115 टका और केरोसिन 130 टका प्रति लीटर बिकेगा। पेट्रोलियम, ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय ने बढ़ते आयात खर्च, फ्रेट/बीमा लागत और पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान को कारण बताया है।

टाटा ट्रस्ट का बड़ा फैसला, कानूनी बदलाव की तैयारी

गैर-पारसियों के ट्रस्टी बनने पर लगी रोक हटेगी

नई दिल्ली। टाटा साम्राज्य की परोपकारी संस्था टाटा ट्रस्ट ने रविवार को एक दूरगामी फैसला लिया है। ट्रस्ट ने बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन (बाई हीराबाई ट्रस्ट) के ट्रस्टी बनने की पात्रता शर्तों में मौजूद भेदभावपूर्ण नियमों को बदलने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने का एलान किया है। इसमें सबसे प्रमुख मुद्दा गैर-पारसी व्यक्तियों के ट्रस्टी बनने पर लगी पाबंदी को हटाना है।

दरअसल, कुछ दिनों पहले टाटा ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के पास एक शिकायत दर्ज कराई थी। मिस्त्री ने दिग्गज उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह की बाई हीराबाई ट्रस्ट के बोर्ड में नियुक्ति को अवैध बताया था। उनका तर्क था कि ट्रस्ट की मूल अनुबंध के अनुसार, ट्रस्टी का पारसी जोरास्ट्रियन होना और मुंबई का निवासी होना अनिवार्य है, जबकि ये दोनों इन शर्तों को पूरा नहीं करते।

बोर्ड मीटिंग में लिया गया बड़ा फैसला

विवाद बढ़ता देख 17 अप्रैल 2026 को टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक हुई। बैठक में ट्रस्टियों ने कहा कि टाटा समूह की नींव समावेशी और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर टिकी है। ट्रस्ट ने बयान जारी कर कहा, ट्रस्ट डीड की विसंगतियों को दूर करने और इसे टाटा ट्रस्ट्स के आदर्शों के अनुरूप बनाने के लिए, ट्रस्टियों ने उचित प्राधिकारी के समक्ष प्रतिबंधात्मक धाराओं में बदलाव की कार्यवाही अपनाने का निर्णय लिया है।

1923 की डीड बनाम 1916 की वसीयत

टाटा ट्रस्ट का कहना है कि बाई हीराबाई ट्रस्ट का निर्माण 1916 में सर रतन टाटा की वसीयत के तहत हुआ था, जिसमें धर्म या जाति के आधार पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं थी। हालांकि, 1923 में तत्कालीन ट्रस्टियों की ओर से बनाई गई डीड में ये प्रतिबंध जोड़ दिए गए थे। ट्रस्ट का तर्क है कि वे केवल मूल संस्थापक की इच्छा को बहाल कर रहे हैं।

इस्तीफे और आंतरिक हलचल

इस विवाद के बीच वेणु श्रीनिवासन पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। चर्चा है कि उन्होंने ट्रस्ट के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा के कहने पर पद छोड़ा, जिससे विवाद को विराम दिया जा सके। हालांकि, बोर्ड ने सीईओ सिद्धार्थ शर्मा के काम पर पूरा भरोसा जताया है। दूसरी ओर, मेहली मिस्त्री के करीबियों का कहना है कि ट्रस्ट की ओर से नियमों में बदलाव की कोशिश ही इस बात का सबूत है कि अब तक जो नियुक्तियां हुईं, वे नियमों के खिलाफ थीं। अब गेंद चैरिटी कमिश्नर के पाले में है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की तैयारी में विपक्ष

दोबारा नोटिस देने की तैयार, अब 200 सांसदों का समर्थन जुटाएंगे

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष एक बार फिर कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी दलों के नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। करीब पांच सीनियर लीडर एक नए नोटिस का मसौदा तैयार करने पर काम कर रहे हैं, ताकि हटाने की कार्यवाही शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें टाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते।

नए नोटिस में विपक्ष कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहा है। इसकी बड़ी वजह हाल ही में लोकसभा में गिरा महिला आरक्षण संशोधन बिल है। लोकसभा में शुक्रवार को संविधान में 131वां संशोधन बिल वोटिंग के बाद गिर गया। बिल के खिलाफ 230 सांसदों ने वोट डाला था। लोकसभा में चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

कानून के अनुसार प्रस्ताव मंजूर होने पर ही जांच समिति

मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी तरीके से हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। अन्य चुनाव आयुक्तों को हटाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश जरूरी होती है। जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट 1968 के अनुसार, अगर दोनों सदनों में एक ही दिन नोटिस दिया जाता है, तो जांच समिति तभी बनेगी जब दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा। इसके बाद लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा चेयरमैन मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाएंगे।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

मंदिरों में हवन ,पूजन,सामुहिक आरती, सहित विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन : भव्य शोभायात्रा रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी अक्षय तृतीया पर्व पर भगवान परशुराम जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।जिसके तहत जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इसी क ड़ी में सर्व ब्राह्मण समाज बालाघाट द्वारा नगर के जय स्तंभ चौक स्थित माता त्रिपुरा मंदिर में भगवान परशुराम जी की सामूहिक तौर पर जयंती मनाई गई।जहां भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव पर हवन, पूजन, महा आरती, प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया। तो वहीं सामाजिक बंधुओ ने भगवान परशुराम की शान में गगन चुंबी नारे लगाते हुए उनका जयजयकार किया।उधर पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा द्वारा भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर गोंदिया रोड स्थित नये श्रीराम मंदिर में रविवार सुबह करीब 9 बजे से भगवान परशुराम जी की विशेष पूजा, अर्चना ,हवन, पूजन कर प्रसाद का वितरण किया। वहीं सामुहिक आरती ,प्रसाद वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए। इसके उपरांत शाम करीब 07 बजे नये श्रीराम मंदिर से ही भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो विभिन्न मॉर्गों का गस्त करते हुए वापस मंदिर पहुंची।जहां शोभा यात्रा का समापन कर प्रसाद वितरण भंडारा सहित विभिन्न कार्यक्रम संपन्न कराए गए जो देर रात तक चलते रहे।

शोभायात्रा रही मुख्य आकर्षण का केंद्र

भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा द्वारा दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जहा सुबह राम मंदिर में हवन पूजन कीर्तन कर महा आरती की गई, तो वहीं प्रसाद वितरण सहित विभिन्न आयोजन संपन्न कराए गए ।इसके अलावा भव्य शोभायात्रा का आयोजन भी किया गया।जहां पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा द्वारा रविवार देर शाम नगर के श्री राम मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई।वह शोभायात्रा नए श्री राम मंदिर से शहर के हनुमान चौक, महावीर चौक, राजघाट चौक, मेन रोड होते हुये कालीपुतली चौक से आम्बेडकर चौक होते हुये वापस मंदिर पहुची।जहां इस शोभायात्रा का समापन कर महाप्रसाद का वितरण किया गया।आपको बताएं कि नगर में निकाली गई भगवान परशुराम की शोभायात्रा में भगवान परशुराम का स्वरूप, भगवान राम ,लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी की झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी रही तो वही इस शोभायात्रा के दौरान भगवान परशुराम के जयकारों से नगर गूंज उठा।

भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का हुआ था जन्म

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन त्रेतायुग का आरंभ हुआ था. इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी जी की विशेष पूजा की जाती है।अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का जन्म हुआ था. इसलिए इस दिन को परशुराम जंयती के रूप में भी मनाया जाता है.

जयंती विशेष पर की गई परशुराम और राम दरबार की विशेष पूजा-अर्चना

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भागवान परशुराम की जयंती आज 19अप्रैल को धार्मिक माहौल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिला सर्वब्राम्हण समाज के अध्यक्ष राजेश पाठक की अगुवाही में सर्व ब्राम्हण समाज के बंधुओं ने नगर के त्रिपुर सुंदरी मंदिर स्थित भगवान परशुराम और राम दरबार की विधिवत पूजा अर्चना की। इस दौरान भगवान परशुराम और जयश्रीराम का उद्घोष किया गया। वीर शिरोमणि, परम पराक्रमी, भगवान परशुराम के प्रकट उत्सव पर माँ त्रिपुर सुंदरी मंदिर में प्रतिष्ठित भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थल पर मंत्र पूजन, हवन, महाआरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।जो देर शाम तक चलता रहा।

सामूहिक विवाह समाज में समानता, सादगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का अनुकरणीय माध्यम - मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह समाज में समानता, सादगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का एक अनुकरणीय माध्यम है। 'आज अक्षय तृतीया का पावन अवसर है। इस मौके पर किए गए किसी भी शुभ कार्य का फल अक्षय होता है। आज का यह दिन सभी नव-विवाहित जोड़ों के लिए अत्यंत शुभ और मंगलकारी सिद्ध हो।'

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विवाह संस्कार हमारी संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण संस्कारों में से एक है। सामूहिक विवाह से न केवल धन की बचत होती है, बल्कि सभी को एक साथ अपनी खुशियों को साझा करने का अवसर भी मिलता है। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और सद्भाव का संदेश देते हैं।उन्होंने आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारी का उल्लेख करते हुए कहा कि उज्जैन शहर में कई विकास कार्य चल रहे हैं, जिनसे शहर की नई छवि उभरेगी और यह समृद्धि का प्रतीक बनेगा। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि यहां के हर घर में सुख, शांति और वैभव बना रहे।

रविवार को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हामूखेड़ी देवास रोड में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 23 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच पर पहुंचकर सभी नव-दंपतियों को व्यक्तिगत रूप से आशीर्वाद दिया, उनके सिर पर पुष्प वर्षा की तथा उन्हें सुखद, समृद्ध और मंगलमय वैवाहिक जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नव-विवाहित कन्याओं को दोपहिया वाहन (टू-व्हीलर) भी भेंट किए गए।

राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, सतीश मालवीय, महंत रामेश्वर दास, महंत रामदास जी महाराज, महंत बालकनाथ जी महाराज, बालकृष्ण दास जी महाराज, रवि सोलंकी, नरेश शर्मा, ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर के गादीपति महावीर नाथ जी महाराज, नारायण यादव, कल्याण यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों ने नव-दंपतियों को माला और स्मृति चिन्ह भेंट किए। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजनकर्ता प्रकाश यादव ने सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया तथा स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र व्यास ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन परेश कुलकर्णी द्वारा किया गया। प्रमुख आचार्य पंडित सोहन भट्ट के सानिध्य में सामूहिक विवाह संपन्न कराये गये।

मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी का किया गया पुनर्गठन

सर्वसम्मति से नए अध्यक्ष आदिल खान के हाथों में सौपी गई समिति की कमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंजुमन इस्लामिया कमेटी सदर हाजी फारूक शेख की सरपरस्ती में बीती रात मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया।नगर के वार्ड नंबर 10 रजा नगर स्थित जामिया नूरिया मदरसे में आयोजित इस बैठक में समाज संगठन के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर अध्यक्ष और सचिव द्वारा पिछले वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यों का बखान किया गया।जहा पिछले वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत कर उन्होंने नई कार्यकारिणी गठन के लिए स्वेच्छिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपकर कार्यकारिणी को भंग किया।वहीं सर्व सहमति से संगठन के पुन: चुनाव करने का प्रस्ताव रखा गया। जिसके तुरंत बाद सोसायटी के सरपरस्तों ने बायलॉज के मुताबिक अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव सहित अन्य पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए, जहां सर्व सहमति से सभी ने एक राय होकर कोसमी निवासी आदिल खान को अध्यक्ष बनाए जाने पर जोर दिया। जिसके चलते आदिल खान को सोसायटी का नया अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियो व सदस्यों का मनोनयन विभिन्न पदों पर कर, नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जहां कार्यकारिणी गठन कर सभी पदाधिकारी को उनकी जिम्मेदारी सौंपी गई, तो वही इज्तेमाई शादी, छात्र-छात्राओं बुजुर्गों और समाज के प्रतिष्ठित लोगों का सम्मान समारोह करने का फैसला कर इन आयोजनों की तारीख का ऐलान किया गया।

नवीन कार्यकारणी में इन्हें मिला स्थान

मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई,जिसमें आदिल खान को सोसायटी के नया अध्यक्ष बनाया गया है तो वही आसिफ शेख, के हाथों में एक बार फिर से सचिव पद की कमान सौपी गई।इसके अलावा पूर्व अध्यक्ष मो सोहेल एजाज को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।वही रहीम खान और मो इमरान कुरैशी को जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसी तरह डॉ शकील खान, रियाज गनी,समी अहमद,अहमद भाई, फिरोज खान, फिरोज, इकबाल कुरैशी, रईश अहमद, मो खालिद हफीज, अब्दुल कलाम कुरैशी, उवैश अली, सज्जू, अकील, परवेज खान,कासिम भाई शादाब भाई, इमरान खान, फिरोज मोहम्मद, शेख पीर मोहम्मद, मो शमीम, मो दानिश मदार,नफीस भाई वारासिवनी, साजिद खान, फिरोज खान, इख्तेयार अहमद खान, इकबाल कुरैशी, पप्पू भाई सहित करीब 2 दर्जन से अधिक लोगो को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनियन कर नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

16 अगस्त को सम्मान समारोह,तो 15 नवंबर को इज्तेमाई शादी का होंगा आयोजन

मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी की नई कार्यकारिणी गठन के तुरंत बाद आगामी समय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। जिसमें सर्व सहमति से आगामी 16 अगस्त को मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किए जाने का फैसला लिया गया। जिसमें कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं के 75 अंक से अधिक लाने वाले विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर, नगद राशि, प्रमाण पत्र, और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया। तो वहीं इसी आयोजन में समाज के बुजुर्गों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया है।इसी तरह मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी की जानिब से ईद मिलादुन्नबी के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इन्तेमाई शादी की तारीख का भी ऐलान किया गया। जहां सर्व सहमति से इन्तेमाई शादी का आयोजन 15 नवंबर को किए जाने का फैसला लिया गया। इसके अलावा इस बैठक में जिले भर में इज्तेमाई में शादी एवं सम्मान समारोह का संदेश पहुचाने पर आम सहमति बनी।

समाज की इमदाद से होते हैं कार्यक्रम -आदिल

आयोजित इस बैठक को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी के नवनियुक्त अध्यक्ष आदिल खान ने बताया कि आज समिति की अहम बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें कार्यकारिणी का पुनर्गठन कर सभी पदाधिकारी व सदस्यों को उनकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा 15अगस्त को मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना है, तो वही 15 नवंबर को इज्तेमाई शादी का आयोजन करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से इन आयोजनो को भारी सफलता मिल रही हैं। यह सफलता समाज की इमदाद और भरपूर सहयोग से प्राप्त हुई है। उन्होंने पूर्व आयोजनों की तरह आगामी समय में होने वाले इन आयोजनों में भी सामाजिक बंधुओ से बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने, भरपूर इमदाद कर सहयोग प्रदान करने और आगामी समय में होने वाले आयोजनों को भव्यता प्रदान करने की गुजारिश करते हुए सभी को साथ लेकर सभी के सहयोग से आगामी सभी कार्य को सफल बनाने की बात कही है।

कार्यालय वक्फ अंजुमन इस्लामिया
लालबर्रा जिला बालाघाट
नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वक्फ अंजुमन इस्लामिया लालबर्रा की कृषि भूमि कृषि कार्य हेतु वर्ष 2026-27 के लिएदिनांक 24/04/2026 दिन शुक्रवार को दोपहर 11 बजे से वक्फ अंजुमन कार्यालय में रखी गई है। किन्ही कारण से 24/04/2026 को नीलामी नहीं होने की दशा में दिनांक 25/04/2026 को नीलामी की जावेगी, यदि 25/04/2026 को भी नीलामी नहीं होने पर अंतिम 26/04/2026 को की जावेगी। अत: जिस कृषक को नीलामी में शामिल होना है वह नियत समय पर उपस्थित होकर बोली लगा सकता है।

विवरण -
01. मौजा पांढरवानी खसरा नं. 456 रकबा 1 एकड़ 14 डिसमिल।
02. मौजा पांढरवानी खसरा नं. 443/2 रकबा 9 एकड़ 2 डिसमिल।
03. मौजा निलजी खसरा नं. 29, 32/2, 38/2, 41/2, 42/2, रकबा 6 एकड़ 7 डिसमिल।

नोट:- बोली दिनांक से पूर्व नीलामी से संबंधित नियम व शर्तो की जानकारी कार्यालय वक्फ अंजुमन इस्लामिया लालबर्रा से ली जा सकती है।

सदर
वक्फ अंजुमन इस्लामिया
प्रबंध कमेटी लालबर्रा

एम्स में रोबोटिक सर्जरी की तैयारी

ग्रामीण इलाकों तक पहुंचेगी हेल्थ फैसिलिटी

भोपाल। स्वास्थ्य सेवाओं की तरफ देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। रोबोटिक सर्जरी में भी तेजी से प्रगति हो रही है। माना जा रहा है कि रोबोटिक सर्जरी भारत के स्वास्थ्य तंत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है। खासकर रिमोट टेक्नोलॉजी और विशेष प्रशिक्षण की मदद से अब सर्जिकल सेवाओं को बड़े शहरों तक सीमित रखने की बजाय छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाया जा सकता है। एक एक्सपर्ट ने कहा कि, रोबोटिक सर्जरी में तरक्की से रिमोट टेक्नोलॉजी और खास ट्रेनिंग के जरिए सर्जिकल केयर को डीसेंट्रलाइज करके भारत की मेट्रो सिटी और ग्रामीण इलाकों के बीच हेल्थकेयर के अंतर को कम करने में मदद मिलेगी। भोपाल के एम्स में भी रोबोटिक मशीन लगाई जाएगी।

हेल्थ केयर की दिशा में 3 बड़े बदलाव

बेरियाट्रिक सर्जन डॉ.मोहित भंडारी ने बताया कि, जहां हाई-एंड प्रोसीजर शहरी सेंटर्स में ज्यादा हैं, वहीं तीन पैरेलल शिफ्ट अब एडवांस्ड सर्जिकल केयर के डीसेंट्रलाइजेशन को आगे बढ़ा रही हैं। अब तक जटिल और हाई-एंड सर्जरी मुख्य रूप से मेट्रो शहरों में ही होती थीं, लेकिन यह स्थिति बदलने वाली है। तीन बड़े बदलाव इस दिशा में काम कर रहे हैं। बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, कम लेटेंसी (यानी डेटा ट्रांसमिशन में देरी का कम होना) और रोबोटिक तकनीक में सुधार। उन्होंने कहा कि, कनेक्टिविटी में तरक्की और लेटेंसी में कमी के साथ एक्सपर्ट और सर्जन ज्यादा से ज्यादा दूरियों पर काम करेंगे। जिससे जिला अस्पतालों को मरीजों को दूसरी जगह भेजे बिना सुपर-स्पेशलिस्ट केयर मिल सकेगी। डॉ. भंडारी ने स्ट्रासबर्ग (फ्रांस) से इंदौर तक दुनिया की पहली ट्रांसकॉन्टिनेंटल बेरिएट्रिक सर्जरी की है। उन्होंने कहा कि, रोबोटिक प्लेटफॉर्म बदलाव को कम करते हैं, जिससे मुश्किल प्रोसीजर नए सेंटर्स में भी सुरक्षित हो जाते हैं, जब उन्हें स्ट्रक्चर्ड ट्रेनिंग का सपोर्ट मिलता है। मध्य प्रदेश में ट्रेनिंग इकोसिस्टम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि, इसका एक खास फायदा यह है कि इससे हाई-वॉल्यूम ट्रेनिंग हब बनाए जा सकते हैं, जहां सर्जनों को रोबोटिक्स और मिनिमली इनवेसिव टेक्नीक में तेजी से अपस्किल किया जा सकता है। डॉ. भंडारी ने कहा कि, लॉन्ग-टर्म विजन जरूरी नहीं कि तुरंत जिलों में पूरे रोबोटिक सिस्टम लगाए जाएं, बल्कि हब-एंड-स्पोक मॉडल के रूप में होना चाहिए, जहां जिला सेंटर मेंटरशिप, प्रॉक्टरिंग और आखिर में टेलीसर्जरी के लिए हाई-वॉल्यूम रोबोटिक हब से डिजिटली जुड़े हों।

रोबोटिक सर्जरी में केंद्र की गाइड लाइन का पालन

मध्य प्रदेश के पब्लिक हेल्थ और मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर और डिप्टी चीफ मिनिस्टर राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि राज्य रोबोटिक सर्जरी के संबंध में भारत सरकार की गाइडलाइंस का पालन करता है और उसी के अनुसार इक्विपमेंट और मशीनें खरीदी हैं। केंद्र से जो भी आखिरी निर्देश मिलेंगे उन्हें एडवाइजरी और बजट के अनुसार लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि, इंस्टीट्यूशन की रिक्वेस्ट पर भोपाल के ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में एक रोबोटिक मशीन लगाई जाएगी और नेशनल कोलफील्ड्स लिमिटेड की इस्क पहल के जरिए रोबोटिक सर्जरी के लिए 30 करोड़ रुपये दिए गए हैं। बेरियाट्रिक सर्जन डॉ. मोहित भंडारी ने बताया कि,अभी मध्य प्रदेश में रोबोटिक सर्जरी की सुविधाएं सीमित हैं और ज्यादातर इंदौर जैसे बड़े शहरों में और कुछ चुनिंदा भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में हैं। कुल मिलाकर संभावित मांग की तुलना में पहुंच कम है। हालांकि मध्य प्रदेश के भौगोलिक फैलाव को देखते हुए, यह उन राज्यों में से एक है जिसे रोबोटिक्स-इनेबल्ड आउटरीच और टेलीसर्जिकल मॉडल से सबसे ज्यादा फायदा होगा।

मध्य प्रदेश में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में डकैती कर लौट रहा था बिहार, रेल पुलिस ने किया गिरफ्तार

- सिंगरौली-पटना एक्सप्रेस में डकैती का आरोपी गिरफ्तार, लाखों रुपये नकद व सोना बरामद

पटना। पटना रेल जिला पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सिंगरौलीङ्गपटना एक्सप्रेस में कार्रवाई करते हुए डेहरी-ऑन-सोन स्टेशन पर घेराबंदी कर एक युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान नालंदा निवासी कमलेश कुमार के रूप में हुई। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन कड़ाई से पूछताछ और विधिसम्मत तलाशी के दौरान उसके बैग से 15 लाख 22 हजार रुपये नकद और 61.770 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी अपने साथियों के साथ मध्य प्रदेश स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में डकैती की घटना को अंजाम देकर लूट की रकम और जेवरात लेकर पटना आ रहा था। पुलिस ने संबंधित थाना में मामला दर्ज कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है तथा बरामद सामान को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। रेल पुलिस अब आरोपी के अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है और पूरे नेटवर्क को खंगालने का प्रयास किया जा रहा है।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर
दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता संपन्न, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खेल और युवा कल्याण विभाग के जिला कराते प्रशिक्षण केंद्र में एक दिवसीय जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन जिला इंडियन कराते संघ के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश पाठक रहे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य युवराज राहंगडाले, भोपाल अकादमी के संचालक एवं संरक्षक देवेन्द्र चंदेल तथा जिला कराते संघ के अध्यक्ष तपेश असाटी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में खेल और युवा कल्याण विभाग के कराते सेंटर के लगभग 25 खिलाडियों सहित कटंगी, मलाजखंड, किरनापुर और बेहर विकासखंडों से करीब 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान सब-जूनियर एवं कैडेट वर्ग में मुलना स्टेडियम कराते सेंटर के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक स्वर्ण एवं रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका जिला कराते प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन के साथ दिनेश कोरे,रूपेन्द्र बनकर, सुश्री रूपल गौतम, खुशी मुनेश्वर, परेश कुथे, तनु वामनकर और जयश्री सोनवाने ने निभाई।

शिवाय वासनिक, सीरत भगत, मानस अविनाशी, सत्यम बर्वे, आराध्य तिवारी, वंश लिल्हारे, अविका बघेल, त्विषा सोमनकर, आराध्या भागडकर, श्रुतकीर्ति छारी, सईद आहिल अली, केनिशा खजरे, कृति पटले, सांझ मोतीचूर, प्रियांश तिलासे, आदविक बोपचे, आदित्य राणा, करन चौधरी, मेघ बिसेन, विहान ऐलकर, समीर मोतीचूर, आरव साठे, आदर्श गुप्ता, तेजस्वी शर्मा और इसराख शेख सहित कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी श्री राहुल बरेसा, जिला एथलेटिक संघ अध्यक्ष नरेश धुवारे, आकाशवाणी बालाघाट के धीरज, खेल प्रवक्ता अजय ठाकुर, वरिष्ठ पीटीआई कमल तिलासे सहित खेल विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रतियोगिता को आत्मरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बताया।

वारासिवनी में रफ्तार का तांडव आबकारी विभाग की बोलेरो ने कार को मारी जोरदार टक्कर चालक की मौत

भीषण भिंड़त के बाद 70 मीटर दूर जाकर पलटी बोलेरो,नेक्सॉन सवार गौतम परिवार सुरक्षित दो घायल जिला अस्पताल रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सोमवार की सुबह में ही वारासिवनी में एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। सांदीपनि विद्यालय के समीप तेज रफ्तार का कहर इस कदर बरपा कि आबकारी विभाग की एक अनियंत्रित बोलेरो ने आगे चल रही टाटा नेक्सॉन कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में बोलेरो चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गनीमत रही कि कार में सवार परिवार बाल बाल बच गया। हादसे के बाद सड़क पर काफी देर तक अफ रा.तफरी का माहौल रहा। सुबह.सुबह हुई इस बड़ी दुर्घटना ने तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और सुरक्षा मानकों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्पीड ब्रेकर पर थमी रफ्तार और पीछे से आई मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार मलाजखंड के सायलगांव निवासी धरमवीर गौतम अपनी पत्नी मेघा गौतम और 3 वर्षीय मासूम बेटे रुद्रांश गौतम के साथ टाटा नेक्सॉन क्रमांक एम पी 09 डब्लू एम 2452 से बालाघाट से नागपुर वर्धा की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 5.15 बजे जैसे ही सांदीपनि विद्यालय के पास स्पीड ब्रेकर पर धरमवीर ने अपनी कार धीमी की पीछे से आ रही आबकारी विभाग की तेज रफ्तार बोलेरो क्रमांक एम पी 50 जेड बी 3654 ने उन्हें भीषण टक्कर मार दी।

70 मीटर तक घिसटती चली गई बोलेरो

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टाटा नेक्सॉन को टक्कर मारने के बाद बोलेरो उसे काफी दूर तक घसीटते हुए ले गई और करीब 70 मीटर दूर जाकर पलट गई। इस हादसे में बोलेरो चालक जितेंद्र बावाने 24 वर्ष निवासी सिहोरा थाना हट्टा स्टेरिंग और सीट के बीच बुरी तरह फंस गए जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बोलेरो में सवार अन्य दो युवक ओम पटले और प्रफुल्ल भी इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

गौतम परिवार के लिए चमत्कार साबित हुई सुरक्षा

हादसे की भयावहता को देखते हुए टाटा नेक्सॉन में सवार गौतम परिवार का सुरक्षित बच जाना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। भीषण टक्कर के बावजूद धरमवीर और उनकी पत्नी मेघा को मामूली चोटें आई हैं। हालांकि उनकी 3 वर्षीय मासूम बेटी रुद्रांश को कमर में चोट लगी है। तीनों का प्राथमिक उपचार वारासिवनी सिविल अस्पताल में किया गया है।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही

घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और वारासिवनी थाना प्रभारी पवन सिंह यादव पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे मृतक जितेंद्र के शव को बाहर निकाला और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जहाँ घायलों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफ र कर दिया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। फि लहाल मामले में मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

मृतक जितेन्द्र बावने आबकारी विभाग की गाड़ी चलाता था-मयूर मसराम

मयूर मसराम ने बताया कि यह वाहन आबकारी विभाग का है जिसमें जितेंद्र बावने गाड़ी चलाता था। वह वारासिवनी में किराए से रहता था हट्टा का रहने वाला है। कैसे क्या हादसा हुआ इसकी पूरी जानकारी तो मुझे नहीं है परंतु मोबाइल पर मुझे सूचना मिली और तत्काल मेरे द्वारा यहां आकर जानकारी लेने का प्रयास किया गया। आबकारी विभाग में गाड़ी लगी हुई है जिसे यह चलता था।

पीछे से तेज रफ्तार गाड़ी ने मेरी गाड़ी के राइट साइड में जोरदार टक्कर मारी-धर्मवीर गौतम

धर्मवीर गौतम ने बताया कि मैं सायलगांव मलाजखंड का रहने वाला हूं अपनी गाड़ी से मैं पत्नी और बेटे के साथ जा रहे थे। हम लोग पुणे में नौकरी करते हैं वर्धा में आज रुकते। यहां मौके पर मैंने ब्रेकर देखकर गाड़ी को रोक तभी पीछे से तेज रफ्तार गाड़ी आई और उसने मेरी गाड़ी के राइट साइड में जोरदार टक्कर मारी। मुझे कुछ समझ नहीं आया गाड़ी अनियंत्रित हो गई हमें तो चोट नहीं आई है परंतु मेरे बेटे को कमर में चोट आई है।

बोलेरो में सवार दो गंभीर रूप से घायल है चालक जितेंद्र बावने की मौत हो गई-पवन यादव

थाना प्रभारी पवन यादव ने दूरभाष पर चर्चा में बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर घायल व्यक्तियों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। इसमें बोलेरो में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल है चालक जितेंद्र बावने की मौत हो गयी। वहीं दूसरे वाहन में सवार लोगों को मामूली चोट आई थी। घटना बहुत भीषण थी मामले में पंचनामा कार्यवाही कर शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। मार्ग जांच की जा रही है वहीं बोलेरो वाहन पर भारतीय न्याय सौंहिता की धारा 106,1, 125 मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 के तहत अपराध दर्ज कर

अश्विनी एवं शिवानी दोनो बहनों ने दसवीं कक्षा मे दर्ज की उल्लेखनीय सफलता

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनगांव

निवासी राहुल बाहे की सुपुत्रियों अश्विनी बाहे एवं शिवानी बाहें दोनो बहनों ने माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश बोर्ड परीक्षा कक्षा दसवीं मे उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर विद्यालय एवं माता पिता को गौरांवित किया है। शासकीय पी एम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरनापुर मे अध्ययनरत दोनों बहनों की सफलता पर ग्राम मे हर्ष की लहर व्याप्त है। बताए कि राहुल बाहे की मोटर साईकिल पंचर दुकान चलाते हैं। तथा ग्राम मे विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों मे बढ़ चढ़कर भाग लेते रहते हैं। राहुल बाहे की पुत्री अश्विनी बाहे ने 500 मे से 477 अंकों के साथ 95.4 प्रतिशत अंक हासिल किए। तथा शिवानी बाहें ने 500 मे से 417 अंकों के साथ 83.4 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने माता पिता एवं विद्यालय परिवार को गौरांवित किया है। दोनो बहनों की सफलता पर विद्यालय प्राचार्य इंद्रश्याम ठाकरे एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ एवं ग्राम बम्हनगांव के नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की बैठक सम्पन्न, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की मासिक बैठक रविवार 19 अप्रैल को स्थानीय मोती उद्यान परिसर में आयोजित हुई। इसमें पेंशनरों के विभिन्न मुद्दों व समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। इस संबंध में पेंशनर संघ के अध्यक्ष बी.एल चौधरी ने बताया कि पेंशनरों की लंबित मांगों पर प्रदेश सरकार अमल नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पेंशनरों के लिए चतुर्थ वेतनमान लागू कर दिया गया है। लेकिन जिले की गतिविधियां शून्य पर है। पेंशनरों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी व जनजातीय विभाग के सहायक संचालक इस कार्य को पूर्ण कर शीघ्र पेंशनरों को लाभ प्रदान किया जाए। बैठक में जिले के पेंशनर कर्मचारी उपस्थित रहे।

22 अप्रैल की प्रस्तावित बस हड़ताल स्थगित, एसपी से मुलाकात से भी बात

चालक पर लगाए गए मुकदमे वापस लिए जाने के आश्वासन पर स्थगित की गई हड़ताल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर क्षेत्र में पद के दुरुपयोग और बस चालक के कथित उत्पीड़न वाले मामले के खिलाफ चालक परिचालक और भारतीय मजदूर संघ के आव्हान पर 22 अप्रैल से शुरू की जाने वाली अनिश्चकालीन हड़ताल स्थगित कर दी गई है।चालक परिचालक और भारतीय मजदूर संघ ने हड़ताल स्थगित का यह फैसला एसपी आदित्य मिश्रा से की गई मुलाकात के बाद लिया है।जिन्होंने बस चालक पर लगाए गए मुकदमे वापस लिए जाने आश्वासन पर 22 अप्रैल से शुरू होने वाली उनकी अनिश्चकालीन हड़ताल स्थगित किए जाने का एलान किया।जिसकी तमाम जानकारी संघ द्वारा रविवार को नगर के बस स्टेंड स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में आयोजित एक पत्रकारवार्ता के दौरान दी। आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख राजकुमार मोहारे, महामंत्री मनोज सुहागपुरे, मप्र.चालक परिचालक संघ जिला अध्यक्ष दिलीप सोनी, वाय के शुक्ला, फारुख खान,और ताज खान, सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

क्या है पूरा मामला

सँघ से जुड़े पदाधिकारियो के अनुसार पिछले दिनों 12 अप्रैल की रात लगभग 10:30 बजे तन्नौर नदी के पास एक यात्री बस और एसडीओपी का वाहन आमने-सामने से गुजरे थे। सड़क संकरी और मोड़ होने के कारण, दोनों वाहनों की तेज लाइट के चलते बस चालक एसडीओपी के वाहन को पहचान नहीं सका। हालांकि दोनों वाहन बिना किसी नुकसान के निकल गए, लेकिन आरोप है कि इसके बाद एसडीओपी ने अपने पद का रौब दिखाते हुए बस चालक के साथ अभद्रता की है।उसपर फर्जी धराओ के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।इसी मामले को लेकर संघ द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी बैहर) पर बस चालक कमलेश वाहने के साथ अभद्र व्यवहार और अन्यायपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की चेतावनी दी थी,वही पत्रकार वार्ता का आयोजन कर 7 दिनों के भीतर मामले का निराकरण नहीं करने, संबंधित ड्राइवर पर दर्ज किया गया अपराध, रद्द नहीं किए जाने पर भारतीय मजदूर संघ के आव्हान पर चालक परिचालक संघ के नेतृत्व में 22 अप्रैल से जिले के सभी बसों के पहिए थामकर, चालक व परिचालकों द्वारा न्याय नहीं मिलने तक अनिश्चितकालीन ह?ताल किए जाने की चेतावनी दी थी। जिसे एसपी से मुलाकात के बाद मिले ठोस आश्वासन पर स्थगित किया गया है।

मुकदमा वापस लेने का मिला है आश्वासन-दिलीप

चालक परिचालक संघ जिला अध्यक्ष दिलीप सोनी ने बताया कि 12 तारीख को एक बस चालक के ऊपर अपराध दर्ज किया गया था, इसके विरोध में हमने 22 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया था, जिसपर एसपी साहब ने हमारे साथ बैठक की उन्होंने बस चालक पर लगाए गए मुकदमे वापस लेने का आश्वासन दिया है इसीलिए 22 अप्रैल को प्रस्तावित अनिश्चकालीन हड़ताल संगठन द्वारा वापस ले ली गई है, 22 अप्रैल से बसों की हड़ताल नहीं होगी।

बसों की हड़ताल नही होगी-मोहारे

वहीं भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख राजकुमार मोहारे ने बताया कि 22 तारीख को एसडीओपी बैहर ने एक बस चालक पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया था।धारा 151 की कार्यवाही कर उसे जेल भेज दिया गया था। उसी के विरोध में 22 अप्रैल से संगठन द्वारा अनिश्चितकालीन कामबंद चक्काजाम हड़ताल शुरू करने का आह्वान किया गया था।इससे प्रशासन की नींद खुली और उन्होंने मामले का संज्ञान लिया। पुलिस अधीक्षक ने संगठन के पदाधिकारी को बुलाकर चर्चा की, वही भरोसा दिलाया है कि उस बस चालक के ऊपर जो मुकदमा दर्ज किया गया है उसे निरस्त किया जाएगा। लेकर दोनों पक्षों के बीच सामंजस्य बन गया है इसीलिए प्रस्तावित 22 अप्रैल की अनिश्चकालीन बस हड़ताल संगठन द्वारा स्थगित की गई है।

जिले भर में धार्मिक मान्यताओं के साथ मनाया गया अक्षय तृतीया पर्व

मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए धर्मावलंबियों ने घरों सहित मंदिरों में पूजे कलश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिन्दू धार्मिक मान्यता के अनुसार वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है। इसी अक्षय तृतीया पर भगवान परसुराम का जन्म हुआ था।अक्षय तृतीया का दिन अन्य दिनो से शुभ व विशेष मुर्हत वाला दिन माना गया है।शायद यही वजह हैं की शादी, ब्याह, ग्रह प्रवेश, सोना चाँदी, जमीन जायजाद खरीदी सहित अन्य ज्यादातर शुभ कार्यो की शुरूआत अक्षय तृतीया के दिन से की जाती है।इस शुभ अवसर पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में अक्षय तृतीया का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहां पर्व विशेष पर बाजार गुलजार नजर आए तो वही हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा मन्दिरो और घरो में अक्षय कलश की विशेष पूजा की गई जहां विशेष पूजा अर्चना कर हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा सामाजिक यश, सौभाग्य, सुख, समृद्धि, स्वस्थ्य जीवन आदि की मंगलकामनाएं की गई।

शुभ दिनों में शुमार है अक्षय तृतीया

हिंदू मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया का त्योहार सबसे शुभ दिनों में से एक माना जाता है।अक्षय तृतीया एक संस्कृत शब्द है. अक्षय का अर्थ है शाश्वत, सुख, सफलता और आनंद की कभी कम न होने वाली भावना और तृतीया का अर्थ है तीसरा। इस साल अक्षय तृतीया 19 अप्रैल दिन रविवार को मनाई गई. धार्मिक शास्त्रों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने से आने वाले भविष्य में सुख-समृद्धि और अधिक धन की प्राप्ति हो सकती है।इसलिए इस दिन ज्यादातर लोग सोने की खरीदारी करते हैं।ऐसा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति भी होती है।शायद यही वजह है कि अक्षय तृतीया पर्व के पावन अवसर पर बाजार गुलजार नजर आए और लोगों को सोने चांदी के आभूषण सहित विभिन्न सामग्रियों की खरीदी करते देखा गया। जहां सुबह से लेकर देर शाम तक बाजारों में भारी भीड़ नजर आई तो वही आभूषणों की दुकानों में सबसे अधिक भीड़भाड़ दिखाई दी।

अक्षय तृतीया पर नही पड़ती मूर्हत देखने की जरूरत

बताया जा रहा है कि वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कोई भी शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं होती। अक्षय तृतीया अपने आप में महामुहूर्त माना जाता है। हिंदू धर्म के तीन महामुहूर्तों में माघ शुक्ल पंचमी पर मनाई जाने वाली वसंत पंचमी, कार्तिक शुक्ल एकादशी को होने वाली तुलसी पूजा यानी देवउठनी एकादशी तथा वैशाख शुक्ल तृतीया यानी अक्षय तृतीया पर बिना पंडितों से पूछे कोई भी शुभ संस्कार संपन्न किया जा सकता है।

कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एजुकेशन संघ की कोषाध्यक्ष बनाई गई सरिता केवल सोनकर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार 19 अप्रैल को बालाघाट कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।जिसमे संघ के कोषाध्यक्ष पद पर वार्ड नंबर 12 की पार्षद सरिता केवल सोनकर की नियुक्ति की गई।संस्था अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सचिव संतोष पारधी, संरक्षक अनिल धुवारे द्वारा कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर श्रीमती सोनकर को शुभकामनाएं व बधाई दी गई।बताया गया कि आगामी 28 तथा 29 अप्रैल को जिले में प्रतियोगिता आयोजित होगी।आल स्टाइल नेशनल कराटे चैंपियनशिप सुतोकान ,स्पोर्ट्स कराते इंडिया एसोसिएशन तथा कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ बालाघाट के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन में कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी तथा इशांत महंत के नेतृत्व मे प्रतियोगिता का आयोजन बालाघाट जिले में प्रथम बार किया जा रहा है।जिसमे इच्छुक खिलाड़ी भाग ले सकेंगे।वही ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का प्रारंभ 20 अप्रैल से किया जा रहा है खेल एवं कल्याण विभाग जिला खेल अधिकारी राहुल बरेसा के मार्गदर्शन में विकासखंड कटंगी में युवा समन्वयक संतोष पारधी प्रशिक्षिका उर्वशी चौधरी द्वारा इच्छुक बच्चो,को प्रशिक्षित किया जाएगा।

आस-पास की खबरे

जिंदा रहो--- किताब का हुआ विमोचन

पद्मेश न्यूज ।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के आने वाले ग्राम बेहरई के प्रदीप विश्वास ने गत दिवस एक किताब,, जिंदा

रहो,, का विमोचन किया। चर्चा में लेखक प्रदीप विश्वास ने जानकारी देते हुए बताया कि यह किताब लिखकर बड़ी खुशी हो रही है कि यह किताब एक किताब ही नहीं बल्कि एक ऐसी सोच है जो हमें याद दिलाता है कि सिर्फ सांसो का चलना ही जीवन नहीं है। हर दिन कुछ नया करना ही जिंदगी का जुनून है। साथ ही यह भी बताया कि यह किताब तीन साधारण लोगों की असाधारण आत्मकथाओं का संग्रह है। स्टेशन की एक रात (आखरी) ओवर - पापा यहां बहुत शोर है। जिस पर प्रदीप विश्वास करते है - ये कहानियां सिर्फ बाते नही- ये हिम्मत है, टूटकर संभलने की ताकत है और खुद को बदलने का साहस है। उनका मानना है कि एक लेखक कभी पूरी कहानी स्वयं नही गढ़ पाता। हर भाव, हर संघर्ष, हर आंसू -ये सब उसे समाज से, लोगों की जिंदगियों से मिलते हैं। यह किताब उन साधारण लोगों को समर्पित है, जो असाधारण हिम्मत रखते हैं-जो हर दिन जीते हैं, हर दिन लड़ते हैं और फिर भी सपने देखना नहीं छोड़ते।

क्योंकि सच्चाई यही है कि दुनिया की सबसे बड़ी कहानियां किसी मंच या महल में नहीं, बल्कि आम लोगों की साधारण जिंदगी में जन्म लेती हैं।

तालाब में डूबने से 11 वर्षीय मासूम की मौत, इकलौते बेटे के जाने से परिवार में मातम

वारासिवनी से पढ़ाई छोड़ इसी साल लौटा था गांव, पहली बार गया था स्कूल

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत गणेशपुर में शनिवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। गणेशपुर निवासी दिलीप पंचेश्वर के 11 वर्षीय पुत्र आर्यन की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई। आर्यन अपने माता-पिता की इकलौता बेटा था। जिसकी असामयिक मौत के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो चुका है। सूचना मिलने पर लालबर्रा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया और रविवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस मामले की कर रही है जांच

प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यन के माता-पिता मजदूरी कार्य हेतु नागपुर (महाराष्ट्र) गये हुए थे और आर्यन पूर्व में अपनी मौसी के पास वारासिवनी में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहा था। किंतु इसी शैक्षणिक सत्र में वह अपने गृह ग्राम गणेशपुर में पढ़ाई करने के लिए वापस लौटा था और शनिवार को वह पहली बार स्कूल पढ़ाई करने गया था। लेकिन शाम 4 बजे तक वह स्कूल से घर नही लौटा तो परिजनों व ग्रामीणों ने उसकी आसपास पतासाजी किये परन्तु कही कुछ पता नही चला। जिसके बाद कुछ ग्रामीण ग्राम स्थित गणेश तालाब की ओर जाकर देखे तो तालाब की पार पर आर्यन का चप्पल दिखाई दिया। उसके बाद ग्रामीणजन तालाब की ओर जाकर देखे तो उसका शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया। जिसे तत्काल बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी। 11 वर्षीय ब'चें की तालाब में डूबने से मौत हो जाने की सनसनी खबर क्षेत्र में फैलते ही घटना स्थल में लोगों की भीड़ लग गई। वहीं पुलिस को गणेशपुर के तालाब में डुबने से 11 वर्षीय बच्चें की मौत होने की जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद झिझोते पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और आवश्यक कार्यवाही करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा अस्पताल लाया गया। लेकिन रात हो जाने के कारण शव को शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया एवं दुसरे दिन रविवार को चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। वहीं आर्यन तालाब की ओर किन परिस्थितियों में गया और यह हादसा कैसे हुआ, इस संबंध में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि मृत बालक आर्यन के माता-पिता नागपुर में मजदूरी कार्य करते है, जिसकी एक बड़ी बहन भी है।, घटना के समय उसके माता-पिता नागपुर में थे और आर्यन कक्षा 6 वीं में पढ़ता है। शनिवार को पहली बार आर्यन स्कूल गया था और स्कूल से आने के बाद घुमने चले गया था और शाम तक घर वापस नही आया। जिससे ऐसा लग रहा है कि आर्यन तालाब की ओर घुमने एवं शौच करने गया होगा। तभी पैर अनियंत्रित होने से तालाब में गिरने एवं गहरे पानी में डुबे रहने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह दुःखद घटना है - हेमंत

गणेशपुर सरपंच हेमंत कटरे ने बताया कि दिलीप पंचेश्वर का 11 वर्षीय बेटा 5 वीं तक वारासिवनी में अपनी मौसी के पास रहकर पढ़ाई किया है और इसी सत्र में गांव में पढ़ाई करने अपने ग्राम गत दिवस आया था। जिसके माता-पिता नागपुर कमाये गये हुए थे। शनिवार को आर्यन पहली बाहर स्कूल गया था और स्कूल से आने के बाद खेलने के लिए निकल गया किन्तु शाम तक घर नही आया तो परिजन उसकी पतासाजी किये किन्तु कही कुछ पता नही चला। श्री कटरे ने बताया कि शाम के समय एक व्यक्ति को तालाब की ओर चप्पल दिखाई दिया, जिसके बाद ग्रामीणजन तालाब की ओर जाकर देखे तो आर्यन तालाब में डुबा हुआ था, जिसे तत्काल बाहर निकाला गया किन्तु उसकी मौत हो चुकी थी। यह बहुत दुःखद घटना है और मृत बालक माँ-बाप का इकलौता बेटा था, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेधावी छात्र पीयूष टेम्भरे ने कक्षा 10 वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में प्राप्त किया सातवां स्थान

छात्र का स्कूल मे किया गया सम्मान, कड़ी मेहनत और अनुशासन से हासिल की उपलब्धि

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कहते हैं कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत में ईमानदारी हो, तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह नहीं रोक सकते। इसे सच कर दिखाया है लालबर्रा विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोपे से आसमान छू सकते हैं। पीयूष टेंभरे की शानदार सफलता पर परिवार के सदस्यों सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उ'जवल भविष्य की कामना की है। खुशी जताने वालों में मुख्य रूप से आशीष टेम्भरे, दवनलाल

निवासी पीयूष टेम्भरे ने। सांदीपनि स्कूल लेंडेझरी के छात्र पीयूष ने माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश की 10 वीं की परीक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में सातवां स्थान प्राप्त किया है। साथ ही कक्षा 12 वीं कृषि संकाय में भावना मर्सकोले ने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस गौरवशाली उपलब्धि से न केवल टेम्भरे परिवार, बल्कि पूरे ग्राम और विद्यालय का नाम रोशन किया है। वहीं गत दिवस स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने छात्र पीयूष टेंभरे का सम्मान कर उसके उ'जवल भविष्य की कामना की है। चर्चा में पीयूष के पिता और माता ने बताया कि पीयूष बचपन से ही पढ़ाई के प्रति बेहद गंभीर और अनुशासित रहा है। उसने बिना किसी बड़े कोचिंग संस्थान के, निरंतर स्वाध्याय और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया। पीयूष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरूजनों और मार्गदर्शकों को देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उसकी राह आसान बनाई। पीयूष की इस उपलब्धि को देख क्षेत्र के अन्य छात्र-छात्राओं में भी प्रेरणा का संचार हुआ है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि पीयूष की यह सफलता ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए एक मिसाल है, जो यह साबित करती हैं कि गांव के ब'चे भी कड़ी मेहनत टेम्भरे, दीपक टेम्भरे, अशोक टेम्भरे, हेमंत टेम्भरे सहित विशेष मार्गदर्शक श्रीमती सुनीता शैलेश घरडे (गुलशन मेडिकल कोपे), आकाश चौहान, संजू चौहान और राजेश ठाकरे शामिल हैं। वहीं छात्र की इस सफलता पर शुभकामनाएं एवं उसके उ'जवल भविष्य की कामना करने वालों में स्कूल प्राचार्य अवध नारायण त्रिपाठी, शिक्षक निलयकुमार एड़े, हिरेन्द्रकुमार सोनेकर, शिवप्रसाद पारधी, आशीषकुमार बिसेन, अंबरलाल टेंभरे, दुर्गेशकुमार रिनायत, लखनसिंह तेकाम, लोकेशकुमार राहंगडाले, कैलाश सिंगरे, श्रीमती विवेककुमार खोटेले, श्रीमती जायली दमाहे, श्रीमती सरिता धुर्वे, धर्मेन्द्रकुमार बोम्बर्डे, दिलीप पटले, कैलाश नागवंशी, विरेन्द्रकुमार चिखले, कैलाश घरडे, महेशकुमार कोकोड़े, श्रीमती आरती माहुले, नंदकिशोर उके, अमितकुमार पारधी, सुरेन्द्रकुमार टेंभरे, धनेन्द्रकुमार नेवारे, श्रीमती रानी बिसेन, श्रीमती टिमेश्वरी पारधी, श्रीमती माधुरी ठाकरे, श्रीमती निधि चौधरी, श्रीमती सोनश्वरी सेवईवार, घनेन्द्र बिसेन, अनुपकुमार टेंभरे, श्रीमती रजनी गौतम, श्रीमती स्वेता उइके, श्रीमती प्रमिला टेकाम, मनीष गौतम, भुवनलाल पटले, कुवरलाल पटले, श्रीमती प्रमिला मेरावी, प्रफुलकुमार तुमसरे, नेतलाल पटले, किस्मतलाल कोकोड़े शामिल हैं।

मप्र में जर्जर पुलों पर हो रहा परिवहन!

लोक निर्माण विभाग के सर्वे में चिह्नित किए गए 45 पुल

भोपाल। मप्र में एक तरफ सड़क, पुल-पुलियों का तेजी से निर्माण हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में जर्जर पुलों पर परिवहन हो रहा है। आए दिन किसी न किसी पुल के क्षतिग्रस्त होने के मामले सामने आ रहे हैं। इसको लेकर लोक निर्माण विभाग ने प्रदेशभर में सर्वे कराया है, जिसमें 45 ऐसे पुल चिन्हित हुए हैं जो जर्जर अवस्था में है। इनके लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए लेकिन पुलों के क्षतिग्रस्त होने की घटना लगातार सामने आ रही हैं। दरअसल, प्रदेश में एक के बाद एक पुलों के क्षतिग्रस्त होने के मामले सामने आने पर लोक निर्माण विभाग ने पूरे प्रदेश में सर्वे कराया और उन पुलों को चिह्नित कराया, जहां काम कराना अनिवार्य है। गौरतलब है कि प्रदेश में अधोसंरचना विकास के काम तेजी के साथ चल रहे हैं। सरकार पूंजीगत निवेश लगातार बढ़ा रही है, जिसकी सराहना भारत सरकार ने भी की है लेकिन गुणवत्ता को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। कम से कम पुलों के मामले में तो स्थिति ऐसी ही नजर आती है। ग्वालियर में निर्माणाधीन एलिवेडेट कारिडोर में गर्डर गिर गया तो जबलपुर में दूसरी बार के रेलवे ओवर ब्रिज क्षतिग्रस्त हुआ।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन में 200 जोड़ों ने लिया सात फेरों का संकल्प

विधायक अनुभा मुजारे और वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ भव्य आयोजन, सर्वधर्म, समभाव की दिखी अनूठी मिसाल

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय परिसर में 19 अप्रैल को जनपद पंचायत लालबर्रा के द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन, जिला पंचायत सभापति दुलेंद्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, जनपद उपाध्यक्ष किशोर के प्रमुख आतिथ्य, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी की अध्यक्षता एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों के द्वारा महापुरूषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्पांजली अर्पित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया और इस मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 200 जोड़ों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर नये जीवन की शुरूआत की। इस भव्य आयोजन में हिंदू, मुस्लिम, बौध्द और आदिवासी रीति-रिवाजों का संगम देखने को मिला, जो अनेकता में एकता का जीवंत उदाहरण बना।

जनपद कार्यालय से बैडबाजे के साथ निकली बारात, प्रशासन एवं वधु पक्ष ने किया स्वागत

आपको बता दें कि शासन के द्वारा गरीब परिवारों की सहायता करने एवं बेटियों का विवाह समारोह पूर्वक संपन्न करवाने के लिये महत्वकांक्षी योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना प्रारंभ की गई है। जिससे गरीब भी अपनी बेटियों की शादी बिना किसी कर्ज के समारोह पूर्वक कर सके। शासन के निर्देशानुसार 19 अप्रैल को जनपद पंचायत लालबर्रा में भी मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद पंचायत कार्यालय से हुआ, जहां से दोपहर

1 बजे सभी दूल्हों की सामूहिक बारात गाजे-बाजे और डीजे की धुन पर निकाली गई। इस दौरान नाचते-गाते बाराती जब महाविद्यालय परिसर पहुंचे, तो वहां का माहौल उत्सव जैसा हो गया। बारात का स्वागत जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियो व वधु पक्ष के द्वारा किया गया। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सर्वधर्म रीति-रिवाजों से विवाह विवाह संपन्न करवाये गये। जिसमें कुल 200 जोड़ों में से 161 जोड़ों का हिंदू रीति-रिवाज, 26 जोड़ों का आदिवासी परंपरा अनुसार एवं 11 जोड़ों ने बौध्द पध्दति से मंगल परिणय किया, तो वहीं 2 जोड़ों का निकाह मुस्लिम रस्मों के साथ मुकम्मल हुआ। वहीं कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए नवविवाहित जोड़ों के सुखद भविष्य की कामना की। वहीं कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुजारे ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना शासन की एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण पहल है। यह योजना उन गरीब परिवारों को कर्ज के बोझ से बचाती है जो धूमधाम से विवाह करने में असमर्थ होते हैं। एक ही मंडप के नीचे विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों का संगम हमारी सामाजिक एकता को मजबूत करता है। साथ ही यह भी कहा कि सरकार के द्वारा इस वर्ष मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत होने वाले विवाह का लक्ष्य कम कर दिया गया है। जिसके चलते बहुत से पात्र युवक-युवती इस योजना से विवाह करने से वंचित हो गये है। हम सभी जनप्रतिनिधि सरकार से मांग करेगें कि लक्ष्य बढ़ाये ताकि सभी का विवाह इस योजना के तहत हो और वे लाभांवित हो सके।

सरकार हर कदम पर प्रदेश की बेटियों के साथ खड़ी है - मौसम

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य मौसम बिसेन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों का विवाह अब परिवारों के लिए बोझ नहीं, बल्कि गौरव का विषय है, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी ने अपनी गरीब भांजियों की शादी धूमधाम से संपन्न कराने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना प्रारंभ की थी। जिनका मानना था कि प्रदेश में जन्म लेने वाली बेटियां बोझ नहीं हैं, चाहे वे किसी भी जाति या धर्म की क्यों न हो, सभी का विवाह मुख्यमंत्री कन्याविवाह योजना के तहत करवाये जायेगें। आगे कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन में सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजन में जहां एक ओर सनातन धर्म पध्दति से 161 जोड़ों ने विवाह किया, वहीं बौध्द समाज के अनुयायी, आदिवासी समाज (भगवान बिरसा मुंडा के उपासक) और मुस्लिम समाज के जोड़ों का भी निकाह/विवाह पूरे विधि-विधान से संपन्न हुआ है। साथ ही यह भी कहा कि यह आयोजन केवल विवाह बंधन नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन है। भाजपा सरकार की मंशा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को सार्थक करना है। साथ ही सभी नवदंपतियों को सुःखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार हर कदम पर प्रदेश की बेटियों के साथ खड़ी है।

एक ही मंडप में अलग-अलग समुदाय के युवक-युवतियों का हुआ विवाह - मुंजारे

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री हम सभी के मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने प्रदेश के करीब साढे आठ करोड़ जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई है। मुख्यमंत्री जी का आभार है कि उन्होंने इतनी अ'छी योजना प्रारंभ की है। जिसमें हर जाति, धर्म, समुदाय के लोगों का सम्मान होता है। इस विवाह समारोह में हमारी सनातन धर्म के जोड़े, बौध्द धर्म, आदिवासी समुदाय के जोड़े एवं मुस्लिम समुदाय के जोड़े भी शामिल हुए हैं। जिनका उनके रीति रिवाज परंपराओं के अनुसार विवाह संपन्न करवाया गया है। यानि की एक ही मंडप के नीचे अलग-अलग समुदाय के लोगों के रीति-रिवाज एवं परंपराओं से विवाह संपन्न हुआ है। जो एक एकता की मिसाल है, हमारी एकजुट का परिचय है और हम सभी एकजुट होकर सभी नवयुगल जोड़ों को आशीर्वाद देते हैं और इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए।

वारासिवनी के 11 मेधावी छात्रों का विज्ञान मंथन यात्रा के लिए चयन, इसरो केंद्रों का करेंगे भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

क्षेत्र के शैक्षणिक गौरव में एक नया अध्याय जुड़ गया है। सांदीपनि टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 11 प्रतिभावान छात्र.छात्राओं का चयन विज्ञान मंथन यात्रा के लिए हुआ है। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एमपीसीएसटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी देश के शीर्ष वैज्ञानिक संस्थानों का अनुभव लेंगे। जिसके लिए चयनित विद्यार्थी 19 अप्रैल को नगर के बस स्टैंड से भोपाल के लिए रवाना हुए। जिन्हें विदाई देने के लिए उनके पालक सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मिशन एक्सीलेंस के तहत सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ाई नगर की शान भोपाल के लिए दल रवाना

मिशन एक्सीलेंस वैज्ञानिक प्रतिभाओं को निखारने की पहल

यह चयन प्रदेश सरकार की मिशन एक्सीलेंस योजना के अंतर्गत किया गया है। इस योजना का लक्ष्य कक्षा 8वीं से 12वीं तक के उन छात्र छात्राओं को चुनना है जिनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की क्षमता है। इन चयनित विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विशेष क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि भविष्य में वे शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान दे सकें।

इसरो केंद्रों का भ्रमण और अनुसंधान का अवसर

निर्धारित कार्यक्रम के तहत यह विज्ञान यात्रा 20 अप्रैल से 27 अप्रैल तक संचालित होगी। यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा देश के प्रतिष्ठित अनुसंधान केंद्रों विशेषकर इसरो का भ्रमण होगा। यहाँ विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, उपग्रहों की कार्यप्रणाली और आधुनिक अनुसंधान की बारीकियों को करीब से देखने और समझने का अवसर मिलेगा।

कक्षावार चयनित विद्यार्थियों की सूची

विद्यालय से कुल 11 छात्र छात्राओं ने अपनी जगह बनाई है जिनका चयन इस यात्रा के लिए हुआ है। जिसमें कक्षा 10वीं से कुमारी रानी पंचेश्वर, कुमारी माही पटले, कुमारी गरिमा सिंह कोहरे,हर्ष नेमा, पियूष बाहेश्वर और उज्जवल बारमाटे। कक्षा 11वीं से कुमारी हेमा उईके, कुमारी रीना वाडिवा और कुमारी टीना मर्सकोले। कक्षा 12वीं से कुमारी अश्मि बिसेन और प्रियांशु चौधरी शामिल हैं।

भोपाल के लिए दल रवाना विद्यालय में हर्ष का माहौल

इन विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में उच्च माध्यमिक शिक्षक प्रवीण राणा की मुख्य भूमिका रही है। उन्हीं के नेतृत्व में 11 विद्यार्थियों का यह दल 19 अप्रैल को भोपाल स्थित विज्ञान भवन के लिए प्रस्थान कर चुका है। बच्चों की इस बड़ी उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य, बोर्ड परीक्षा प्रभारी, वरिष्ठ शिक्षकों और समस्त शाला परिवार ने दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके सफल सफर और उज्जवल भविष्य की कामना की है।

विज्ञान के प्रति जागरूक एवं रुचि रखने वालों के लिए यह यात्रा लाभप्रद है- प्रवीण राणा

शिक्षक प्रवीण राणा ने बताया कि विज्ञान मंथन यात्रा मध्य प्रदेश एक्सीलेंस मिशन के तहत आयोजित है। विद्यालय के बच्चों का पंजीयन कर विज्ञान के प्रति जागरूक एवं नवाचार करने वाले बच्चे या विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वालों के लिए लाभप्रद है। इसमें योग्यता कक्षा आठवीं से 12 वीं तक रखी गई थी जिसमें सिलेक्शन प्रतिशत के ऊपर हुआ है। हमारे यहां से 11 बच्चे चयनित हुए हैं जिन्हें भोपाल विज्ञान भवन में सुबह 8 बजे उपस्थित होना है, वहां से यह विद्यार्थी अलग अलग शैक्षणिक संस्थानों में जाएंगे। जहां 7 दिन किया है यात्रा विज्ञान को लेकर होगी मुख्य रूप से बच्चों को इसरो के केंद्र में जाना है। अब यह देहरादून अहमदाबाद या कहीं और जाते हैं यह राज्य स्तर से निश्चित होगा 27 अप्रैल को यह बच्चे वापस आएंगे।

पान ठेले में लगी आग 50 हजार का हुआ नुकसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर 1 कॉलेज चौक स्थित पान ठेले में आगजनी की घटना घटित हो गई। जिसमें पान ठेले में रखी सामग्री एवं ठेला पूरी तरह जलकर राख हो गया। जिसमें पान ठेला के संचालक को करीब 50000 रूपये का नुकसान हुआ है। गनीमत रही की समय रहते फायर ब्रिगेड से आग बुझा ली गई अन्यथा एक बड़ी आगजनी हो सकती थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कॉलेज चौक रामपायली मार्ग पर लाइन से दुकान लगी हुई है। जहां फुटपाथ पर विक्रय कर लोगों के द्वारा अपना जीवन व्यापन किया जाता है। ऐसे ही जीतू पराते के द्वारा पान ठेले का संचालन किया जाता हैं। जिसे उक्त व्यक्ति के द्वारा बंद कर आसपास का कचरा जलाकर वह चले गया था। इसी दौरान अचानक उस कचरे की आग ठेले तक पहुंच गई जिसे ठेला और उसमें रखे सामान दोनों को जलाकर रख कर दिया गया। हालांकि इससे जुड़ी हुई दुकान थी जहां आगजनी की घटना देख पड़ोसी दुकानदार के द्वारा तत्काल घटना की जानकारी ठेला संचालक और फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर उपस्थित जनों के द्वारा उपस्थित पानी के माध्यम से आग को बुझाने का प्रयास किया गया। परंतु आग की लपटे तेज होने लगी तभी फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। जीतू पराते ने बताया की दुकान बंद कर निकलने वाले कचरे को मेरे द्वारा जला दिया गया था और घर चले गया था। फिर सूचना लगी कि ठेले में आग लग गई है जाकर देखें तो आग जल रही थी। जिसे बगीचे व अन्य स्थान से पानी लाकर बुझाने का प्रयास किया परंतु आग नहीं बुझे और फायर ब्रिगेड के माध्यम से फिर आग बुझाई गई। ठेले के अंदर रखी सामग्री जलकर राख हो गई जिसमें करीब 50000 का नुकसान हुआ है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयंती

मोटरसाइकिल रैली से गूंजा शहर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में अक्षय तृतीया का पावन पर्व और भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर भक्ति शक्ति और एकता का अनूठा संगम देखने को मिला जहाँ बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जन्मोत्सव कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ नगर के कटंगी रोड़ स्थित परशुराम चौक से किया गया। यहाँ भगवान परशुराम चौक पर छायाचित्र के समक्ष समाज के वरिष्ठ जनों और पदाधिकारियों की उपस्थिति में विधि विधान से भव्य महाआरती संपन्न हुई। आरती के पश्चात उपस्थित जनसमूह के बीच प्रसादी का वितरण किया गया। आरती के उपरांत परशुराम चौक से एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रथ पर विराजित भगवान परशुराम की मनमोहक जीवंत झांकी रही। रैली के दौरान डीजे पर बज रहे भक्तिमय गीतों ने युवाओं में भारी उत्साह भर दिया जिस पर युवा जमकर थिरकते नजर आए। यह रैली परशुराम चौक से प्रारंभ होकर सब्जी बाजार,गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, जय स्तंभ चौक से होते हुए लालबर्रा रोड, बालाघाट रोड और रामपायली रोड सहित नगर के प्रमुख चौक चौराहों और गलियों से गुजरी। जगह जगह नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। रैली का समापन वार्ड नंबर एक स्थित परशुराम भवन में हुआ। इस धार्मिक आयोजन में विशेष रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भी सहभागिता की। उन्होंने परशुराम चौक पहुँचकर महाआरती में हिस्सा लिया और भगवान परशुराम के चरणों में मत्था टेक कर क्षेत्र की सुखए शांति और समृद्धि की कामना की। सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष शरद दुबे ने बताया कि भगवान परशुराम के आदर्शों को जन जन तक पहुँचाने के लिए यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इस रैली और महाआरती के माध्यम से समाज में एकता भाईचारे और बंधुत्व का संदेश प्रसारित करने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के समस्त पदाधिकारी सदस्य और मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे। जिन्होंने इस उत्सव को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कायदी स्कूल का शत प्रतिशत रहा कक्षा 10 वीं और 12 वीं का परीक्षा परिणाम

छात्राओं ने मारी बाजी प्राचार्य और स्कूली शिक्षको ने दी छात्र छात्राओं को बधाई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। माध्यमिक शिक्षा मंडल के 15 अप्रैल को घोषित किए गए परीक्षा परिणाम में शासकीय स्कूलों का दबदबा रहा है। शासकीय स्कूलो के अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान दर्ज कराया है। शासकीय स्कूलो के बेहतर परीक्षा परिणाम में वारासिवनी क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी का बोर्ड परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूल से मिली जानकारी के अनुसार कक्षा दसवीं में 45 और कक्षा 12 वीं में 38 विद्यार्थी अध्यनरत थे जो सभी पास हो गए है। कक्षा 10 वीं में सर्वाधिक शारदा सोनबिरसे ने 96.4 प्रतिशत, राजवी नेवारे ने 92.8, आयुषी पारखी ने 91.6, तनवी लिल्हारे ने 89.6, अलबीरा कुरैशी ने 89, नीमी बसेने ने 88.4, और चंद्रहर्ष दमाहे ने 87.6 प्रतिशत अंक के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की है। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं विज्ञान संकाय में कुमकुम डहरवाल ने 77 प्रतिशत, पल्लवी मर्सकोले ने 76.8, और सलोनी सेन्द्रे ने 75.6 प्रतिशत अंक हासिल कर अपना परिवार स्कूल और गांव का नाम रोशन किया हैं। स्कूल के शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम को लेकर प्राचार्य करणसिंह मेरावी ने इस सफलता का श्रेय जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय के लगातार शैक्षणिक मार्गदर्शन, शिक्षकों की पढ़ाई और छात्र छात्राओं की मेहनत को दिया है। स्कूली बच्चों की इस उपलब्धि पर शाला प्राचार्य करणसिंह मेरावी, शिक्षक गुरूनंद पवार, शिक्षिका संगीता डोंगरे, होमेश्वरी राहंगडाले, पदमा बिसेन, रीता भगत, छाया चौरगडे, कंचनबाला फूलबांधे, शक्ति पंद्रे, महिमा पारधी, श्वेता रानी सावनकर, रश्मि शर्मा, शिक्षक धर्मेंद्र कुमार क्षीरसागर, महेश कुमार पटले, शैलेश कुमार नंदागौली, आशीष कुमार गजभिए, राजेश कुमार दरवाडे, विजय कुमार मसखरे, राजहंस बंसोड, खुमेंद्र बघेले, हर्षित सोनवाने और नरेंद्र कुमार डोहरे, अनिल कोरे ने बधाई और शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मेहंदी व रंगोली के जरिए जल संरक्षण का संदेश, अम्बेडकर जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय अरण्य भारतीय महाविद्यालय, बैहर के सभागार में CMCLDP बैहर के छात्र-छात्राओं द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके जीवन एवं विचारों पर संगोष्ठी आयोजित कर विद्यार्थियों ने उनके संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

संगोष्ठी में डॉ. आंबेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, महिला अधिकार, श्रम कानून, शिक्षा का अधिकार एवं समाज में उनके योगदान जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षाविद आर.डी. देशभ्रतार (सेवानिवृत्त शिक्षक) रहे। वहीं समाजसेवी एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री राजीव गोपाल परते, आर्य समाज कल्याण संस्था बैहर के अध्यक्ष, परामर्शदाता शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, आकांक्षा टेकाम, संगीता उइके एवं भंवर सिंह मरावी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संगोष्ठी के उपरांत जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मेहंदी संदेश कार्यक्रम एवं रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने आकर्षक मेहंदी डिजाइनों और रंगोलियों के माध्यम से जल बचाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक महेश पटले का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आयोजन के अंत में सभी प्रतिभागियों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु प्रेरित किया गया।

अवैध खनन पर खनिज अमले की छापामार कार्रवाई, 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में आज दिनांक 19 अप्रैल 2026 को खनिज अमले द्वारा विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया है।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि खनिज विभाग की टीम ने कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से खनिज का उत्खनन एवं परिवहन करते हुए दो वाहनों को पकड़ा। पहली कार्रवाई में ट्रैक्टर क्रमांक MP-50-ZF-6449, ट्रॉली सहित खनिज गिट्टी के साथ जब्त किया गया है। वाहन चालक गणेश पिता फूलचंद बघेल, निवासी गोपालपुर तहसील किरनापुर को ग्राम मुण्डेसर्रा क्षेत्र में पकड़ा गया। दूसरी कार्रवाई में ट्रैक्टर क्रमांक MP-50-ZC-9973, ट्रॉली सहित अवैध रेत परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। वाहन चालक कैलाश पिता दिनेश सिंघनधुपे, निवासी मुण्डेसरा तहसील किरनापुर को उसी क्षेत्र से गिरफ्तार कर वाहन जब्त किया गया है। उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने बताया कि दोनों प्रकरणों में मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

सहानुभूति का स्क्रिप्टेड संग्राम

हिसार की सड़कों पर जो कुछ हुआ, वह एक साधारण टकराव भर नहीं था; वह हमारे समय की राजनीति की जटिलताओं का एक जीवंत दृश्य था, जिसमें भावनाएं, सत्ता, पुलिसिया रवैया और जनमानस—सब एक साथ उलझे हुए दिखाई देते हैं। पूर्व डिप्टी सीएम और एक पुलिस इंस्पेक्टर के बीच का विवाद अब केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रहा, बल्कि यह एक बड़े राजनीतिक विमर्श में बदल चुका है। इस पूरे घटनाक्रम को जिस तरह सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पेश किया जा रहा है, वह यह संकेत देता है कि आज की राजनीति में घटनाएं जितनी महत्वपूर्ण नहीं होतीं, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उनका प्रस्तुतिकरण होता है। सवाल यह नहीं रह जाता कि हुआ क्या, बल्कि यह बन जाता है कि दिखाया क्या जा रहा है और उससे कौन-सा भाव पैदा किया जा रहा है। आज के दौर में सहानुभूति सबसे बड़ा राजनीतिक पूंजी बन चुकी है। चुनावी गणित में आंकड़े जितने मायने रखते हैं, उससे कहीं अधिक असर भावनाओं का होता है। यही कारण है कि अक्सर छोटी-छोटी घटनाओं को इस तरह से उभारा जाता है कि वे एक बड़े अन्याय या संघर्ष का प्रतीक बन जाएं। हिसार की यह घटना भी कुछ इसी दिशा में जाती प्रतीत होती है, जहां एक टकराव को पीड़ित बनाम तंत्र के नैरेटिव में ढालने की कोशिश नजर आती है। वीडियो क्लिप्स के आधार पर लोग अपने-अपने निष्कर्ष निकाल रहे हैं—कहीं इंस्पेक्टर का व्यवहार आक्रामक दिखता है, तो कहीं राजनीतिक पक्ष की प्रतिक्रिया उत्तेजित नजर आती है। लेकिन इन टुकड़ों में बंटी तस्वीर के आधार पर पूरी सच्चाई का आकलन करना न केवल मुश्किल है, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि अधूरी जानकारी अक्सर गलत धारणा को जन्म देती है। यह समझना जरूरी है कि राजनीति में हर घटना का एक पोस्ट-इवेंट लाइफ होता है—यानी घटना के बाद उसे किस तरह से भुनाया जाता है। कई बार घटनाएं स्वत: घटित होती हैं, लेकिन उनके बाद जो नैरेटिव गढ़ा जाता है, वह पूरी तरह से रणनीतिक होता है। हिसार की घटना में भी यही सवाल उठता है कि क्या यह केवल एक आकस्मिक टकराव था, या फिर इसे एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर हम पिछले राजनीतिक घटनाक्रमों को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि सत्ता से दूरी बनने के बाद नेताओं द्वारा पीड़ित की छवि गढ़ना एक सामान्य रणनीति बन चुकी है। कल तक जो सत्ता के साथ खड़ा था, आज वही सत्ता के खिलाफ खड़ा होकर जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करता है। यह राजनीति का नया नहीं, बल्कि परखा हुआ फार्मूला है। हालांकि, इस पूरी बहस में पुलिस की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर वीडियो में दिख रहा व्यवहार सही है, तो यह निश्चित रूप से पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस का काम कानून लागू करना है, न कि अपनी व्यक्तिगत या संस्थागत शक्ति का प्रदर्शन करना। जब पुलिस का रवैया आक्रामक या पक्षपाती नजर आता है, तो जनता के बीच पहले से मौजूद अविश्वास और गहरा हो जाता है। लेकिन इसी के साथ यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी जनप्रतिनिधि या राजनीतिक कार्यकर्ता को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। अगर किसी नेता या उसके समर्थकों द्वारा भी अनुचित व्यवहार किया गया है, तो उसे भी उतनी ही गंभीरता से देखा जाना चाहिए। यही वह बिंदु है जहां यह पूरा मामला नेता बनाम इंस्पेक्टर की सीमाओं से बाहर निकलकर सिस्टम बनाम सच्चाई की लड़ाई में बदल जाता है। इस लड़ाई में सबसे बड़ा खतरा यह है कि सच्चाई कहीं बीच में दबकर रह जाती है और उसके स्थान पर भावनाएं हावी हो जाती हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में हर व्यक्ति खुद को विश्लेषक मान बैठा है, और हर वीडियो क्लिप एक सबूत बन जाती है।

राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा, तो राष्ट्र सुरक्षित होगा

वैश्विक स्तरपर सबसे युवा देश जिसकी 65 फ़ीसदी आबादी उसकी सबसे मूल्यवान संपत्ति है वह है भारत !जहां दुनियाँ की युवा आबादी का पांचवा हिस्सा है जो एक जनसांख्यिकीय लाभांश पैदा करने की ताकत रखता है, इतिहास गवाह है कि आज तक दुनियाँ में जितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, चाहे वे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक रहे हों, उनके मुख्य आधार युवा ही रहे हैं। भारत में भी युवाओं का एक समृद्ध इतिहास है। प्राचीनकाल में आदिगुरु शंकराचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी ने अपनी युवावस्था में ही धर्म और समाज सुधार का बीड़ा उठाया था।पुनर्जागरण काल में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ विवेकानंद जैसे युवा विचारक ने धर्म और समाज सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया। इतिहास ने युवाओं की शक्ति का प्रभाव देखा है। उदाहरण के तौर पर भारत की आजादी में अनेक युवाओं ने अपना योगदान दिया और कई युवाओं ने बलिदान तक दिया। इसके परिणामस्वरूप हमारा देश ब्रिटिश सरकार को भागने में कामयाब हुआ। युवाओं ने इस प्रकार अनेक ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। इसलिए आज का युवा भी विजन 2047, विज़न 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की देश की अर्थव्यवस्था के महत्वकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जो कार्यबल के साथ साथ बाजार की उपलब्धि करा सकता है।नवाचार, नवोन्मेष, स्टार्टअप, उद्यमशीलता, विविधता की संस्कृति को चला रहे हैं ऐसी मुल्यवान ताकत युवाओं में हमें राष्ट्र हित से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं जिज्ञासाओं को समझकर उनको उत्साहवर्धन करने की तात्कालिक खास जरूरत है जो सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है, क्योंकि यदि राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा तो हमारा राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, अन्तर्राष्ट्रीय बाधाओं सहित अनेक मुद्दों और विषयों में सुरक्षित होगा।

साथियों बात अगर हम युवाओं को उत्साहवर्धन की करें तो आज अभिभावकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक नेताओं से लेकर हर उस जानकार व्यक्तित्व का कर्तव्य है कि युवाओं में राष्ट्रहित की भावना को तेजी से विकसित करें युवाओं में यह भाव पैदा करना होगा कि घर से महत्वपूर्ण समाज, उस से महत्वपूर्ण गांव, शहर, राष्ट्र है। इसलिए राष्ट्र हित की भावना सबसे पहले युवाओं में जागृत कराना जरूरी हैं। क्योंकि, युवा राष्ट्र का संरचनात्मक और कार्यात्मक ढांचा है। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। इसलिए युवा राष्ट्र निर्माण में सर्वोच्च भूमिका निभाते हैं, इसके साथ ही देश का प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट और सर्वोच्च विकास के लिए प्रयासरत रहे। वास्तव में यही राष्ट्रहित है। जाति, धर्म और क्षेत्रीयता की संकीर्ण मानसिकता से उपर उठकर देश के प्रति गर्व की एक गहरी भावना महसूस करना ही राष्ट्रवाद है।

साथियो बात अगर हम भारत के सबसे कम उम्र वाली आबादी होने की करें तो, भारत के 1.35 बिलियन लोग इसे दुनियाँ का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश बनाते हैं, लेकिन औसतन 29 वर्ष की आयु के साथ, यह विश्वस्तर पर सबसे कम उम्र की आबादी में से एक है। जैसे ही युवा नागरिकों का यह विशाल संसाधन कार्यबल में प्रवेश करता है, यह एक जनसांख्यिकीय लाभांश बना सकता है।संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष द्वारा जनसांख्यिकीय लाभांश को जनसंख्या की आयु संरचना में बदलाव के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है, मुख्यत: जब कामकाजी उम्र की आबादी आश्रितों की संख्या से बड़ी होती है।

साथियों बात अगर हम युवाओं में राष्ट्रहित, राष्ट्रीयता भावना जगाने की करें तो, पहला कार्य व्यक्ति निर्माण का है और राष्ट्रीय संस्कार व्यक्ति में बनेंगे तो निश्चित तौर से यह निज हित से ऊपर राष्ट्र हित को प्राथमिकता देगा। देश के हर वर्ग के युवा राष्ट्रहित को सर्वोपरि समझे तभी हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे। युवाओं को हमरे पूर्वजों से प्रेरणा लेनी चाहिए संस्कृति को समझना होगा। युवा संगठन से ऑनलाइन जुड़कर भी देश को मजबूती दे सकते हैं।राष्ट्र से बड़ा कोई संगठन नहीं है और राष्ट्रीय भाव से बड़ी विचारधारा नहीं हो सकती। इसलिए आज नौजवानों में राष्ट्रीयता की भावना को जगाने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम बच्चों, युवाओं में राष्ट्रहित राष्ट्रवाद को गहराई से समझाने की करें तो, प्रत्येक नागरिक के लिए अपने राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शन करना अनिवार्य है क्योंकि हमारा देश अर्थात हमारी जन्मभूमि हमारी मां ही तो होती है। जिस प्रकार माता बच्चों को जन्म देती है तथा अनेक कष्टों को सहते हुए भी अपने बच्चों की खुशी के लिए अपने सुखों का परित्याग करने में भी पीछे नहीं हटती है उसी प्रकार अपने सीने पर हल चलवाकर हमारे राष्ट्र की भूमि हमारे लिए अनाज उत्पन्न करती है, उस अनाज से हमारा पोषण होता है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, पीएम ने कहा, एक बात जिसने हमारे लोकतंत्र व्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाया वह है राष्ट्रहित से ज्यादा प्राथमिकता अपनी विचारधारा को देना।अगर कोई विचारधारा यह कहती है कि देशहित के मामलों में भी मैं इसी दायरे में काम करूंगा तो यह रास्ता सही नहीं है। दोस्तों यह गलत है। आज हर कोई अपनी विचारधारा पर गर्व करता है। यह स्वाभाविक भी है, लेकिन फिर भी हमारी विचारधारा राष्ट्रहित के विषयों में राष्ट्र के साथ नजर आनी चाहिए। राष्ट्र के खिलाफ कतई नहीं। आप देश के इतिहास में देखिए जब -जब देश के सामने कोई कठिन समस्या आई है हर विचारधारा के लोग राष्ट्रहित में एक साथ आए हैं। आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी के नेतृत्व में हर विचारधारा के लोग एक साथ आए थे। उन्होंने देश के लिए एक साथ संघर्ष किया था। उन्होंने कहा, आपातकाल के खिलाफ आंदोलन में कई राजनीतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता और संगठन के लोग भी थे। समाजवादी लोग भी थे, कम्युनिस्ट भी थे, जेएनयू से जुड़े कितने ही लोग थे जिन्होंने एक साथ आकर इमरजेंसी के खिलाफ संघर्ष किया था। इस लड़ाई में किसी को अपनी विचारधारा से समझौता नहीं करना पड़ा था। पर सब सबसे ऊपर राष्ट्रहित का उद्देश्य था। इसलिए जब राष्ट्र की एकता, अखंडता का प्रश्न हो तो एक साथ आना चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राष्ट्रहित से ज्यादा प्राथमिकता अपनी विचारधारा को देना, हमारे देश व लोकतांत्रिक व्यवस्था का बहुत बड़ा नुकसान राष्ट्रहित सर्वोपरि होगा, तो राष्ट्र सुरक्षित होगा।युवाओं में राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों की समझ विकसित करने, उनकी चिंताओं, जिज्ञासाओं को समझकर उनका उत्साहवर्धन करना सर्वोपरि राष्ट्र सेवा है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मिलावट का महाजाल

- कांतिलाल मांडोत

थाली से लेकर शरीर तक फैलता धीमा जहर,सूरत का खुलासा एक चेतावनी, देशभर में मिलावट की भयावह सच्चाई

सूरत के सचिन जीआईडीसी में नकली घी फैक्ट्री का भंडाफोड़ केवल एक स्थानीय अपराध नहीं, बल्कि पूरे देश में फैले मिलावट के संगठित नेटवर्क की गंभीर तस्वीर पेश करता है। 1 किलो शुद्ध घी से 15 किलो नकली घी तैयार करने की तकनीक न सिर्फ कानून का मजाक उड़ाती है, बल्कि आम जनता की सेहत के साथ खुला खिलवाड़ भी है। 'विदुर' जैसे नामों के पीछे छिपा यह जहर देश के कई राज्यों तक पहुंच रहा था, जिससे यह साफ हो जाता है कि मिलावट का कारोबार अब छोटे स्तर की धोखाधड़ी नहीं, बल्कि एक बड़ा और संगठित उद्योग बन चुका है।

भारत में खाद्य मिलावट की समस्या नई नहीं है, लेकिन हाल के

वर्षों में इसकी गंभीरता और विस्तार दोनों तेजी से बढ़े हैं। विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, देश में जांच किए गए खाद्य पदार्थों के नमूनों में से एक बड़ा हिस्सा किसी न किसी रूप में मिलावटी पाया जाता है। कई राज्यों में यह आंकड़ा 20 से 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है, जो बेहद चिंताजनक है। दूध, घी, तेल, मसाले, मिठाइयां, यहां तक कि फल और सब्जियां भी इस जाल से अछूती नहीं हैं। मिलावट अब केवल गुणवत्ता की कमी नहीं रही, बल्कि यह सीधे-सीधे स्वास्थ्य के लिए खतरा बन चुकी है।

मुनाफे की अंधी दौड़ में मिलावटखोरों ने इंसानियत को ताक पर रख दिया है। सूरत के इस मामले में जिस तरह केमिकल, पामोलीन ऑयल और सिंथेटिक फ्लेवर का इस्तेमाल कर नकली घी तैयार किया जा रहा था, वह दिखाता है कि अपराधी कितनी वैज्ञानिक और योजनाबद्ध तरीके से इस काम को अंजाम दे रहे हैं। डॉक्टरों की तरह सिरिंज का इस्तेमाल कर केमिकल की सटीक मात्रा मिलाना इस बात का प्रमाण है कि यह काम केवल अवैध ही नहीं, बल्कि बेहद खतरनाक भी है। ऐसे उत्पाद दिखने और महकने में भले ही असली जैसे लगें, लेकिन इनके सेवन से शरीर के अंदर धीरे-धीरे जहर फैलता है।

मिलावटी खाद्य पदार्थों का सबसे बड़ा खतरा यह है कि इनके दुष्प्रभाव तुरंत दिखाई नहीं देते। यह धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करते हैं और गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। हृदय रोग, किडनी फेल होना, लिवर डैमेज, कैंसर जैसी घातक बीमारियां लंबे समय तक मिलावटी भोजन के सेवन से जुड़ी हुई हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर और भी अधिक खतरनाक होता है, क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। यही कारण है कि मिलावट केवल एक आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य पर सीधा हमला है।

आज स्थिति यह हो गई है कि आम उपभोक्ता के लिए असली और नकली के बीच अंतर करना बेहद मुश्किल हो गया है। आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडेड लेबल और सस्ते दामों के लालच में लोग अनजाने में ही मिलावटी उत्पाद खरीद लेते हैं। सूरत के मामले में भी 'विदुर' ब्रांड के नाम पर नकली घी को असली बताकर बेचा जा रहा था, जिससे उपभोक्ता आसानी से धोखा खा जाते थे। यह प्रवृत्ति केवल एक शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के हर कोने में इस तरह के मामले सामने आते रहते हैं।

मिलावट का यह जाल केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे कस्बों और गांवों तक भी फैल चुका है। थोक व्यापारियों और सप्लाई चेन के जरिए यह नकली सामान दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचाया जाता है। कई बार स्थानीय दुकानदार भी अनजाने में ऐसे उत्पाद बेचते हैं, जिससे यह समस्या और भी जटिल हो जाती है। इसके पीछे एक पूरा नेटवर्क काम करता है, जिसमें निर्माता, सप्लायर और वितरक सभी शामिल होते हैं।

इस समस्या की जड़ में कमजोर निगरानी व्यवस्था और कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन न होना भी शामिल है। हालांकि देश में खाद्य सुरक्षा के लिए कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन सख्ती से नहीं हो पाता। जांच की प्रक्रिया धीमी होती है और दोषियों को सजा मिलने में लंबा समय लग जाता है, जिससे उनके हौसले बुलंद रहते हैं। कई मामलों में जुर्माना भी इतना कम होता है कि वह उनके मुनाफे के सामने नगण्य साबित होता है।

ऐसे में जरूरी है कि मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कानूनों को और सख्त बनाया जाए, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिले और दूसरों के लिए यह एक उदाहरण बन सके। साथ ही, खाद्य पदार्थों की नियमित और व्यापक जांच होनी चाहिए, जिससे बाजार में बिकने वाले उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। तकनीक का उपयोग कर ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग सिस्टम को मजबूत बनाना भी समय की जरूरत है।

सरकार के साथ-साथ उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। लोगों को जागरूक होना होगा और सस्ते के लालच से बचना होगा। विश्वसनीय ब्रांड और प्रमाणित उत्पादों को ही प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही, यदि किसी उत्पाद की गुणवत्ता पर संदेह हो तो उसकी शिकायत संबंधित विभाग में करनी चाहिए। जागरूक उपभोक्ता ही इस समस्या से लड़ने में सबसे बड़ा हथियार बन सकता है।

सूरत का यह कांड एक चेतावनी है कि अगर समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाई गई, तो इसके परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं। यह केवल एक शहर या एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश की चुनौती है। मिलावट का यह जहर हमारी थाली में घुलकर हमारी सेहत को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है। अब समय आ गया है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और मिलकर इसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ जीवन मिल सके।

आधुनिकता की दौड़ में खोता चैन-ओ-सुकून और पुरातन संस्कृति,परंपराओं, जीवनशैली की ओर लौटता मानव

मानव सभ्यता ने पिछले कुछ दशकों में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी शायद इतिहास के किसी अन्य कालखंड में नहीं हुई। आज मनुष्य सुविधा-संपन्न जीवन जी रहा है। आज पक्के घर-मकान हैं, बिजली, पानी, वातानुकूलन, आधुनिक फर्नीचर, यातायात के लिए ट्रेन, बस, कार, स्कूटर, मोटरसाइकिल और विमान जैसी अनेक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कहना गलत नहीं होगा कि संचार क्रांति ने आज पूरी दुनिया को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है। इंटरनेट, मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) जैसी तकनीकों ने जीवन को तेज, आसान और बहुत ज्यादा सुविधाजनक बना दिया है। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इन सब उपलब्धियों के बीच मनुष्य के जीवन से शांति, संतोष और आत्मीयता कहीं न कहीं कम होती चली गई है।

सच तो यह है कि आज का मनुष्य जितना साधनों, मशीनों से समृद्ध हुआ है, उतना ही मानसिक रूप से वह व्यस्त, तनावग्रस्त और अकेला भी हुआ है।आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन यह भी एक कटु सत्य है इन सबने कहीं न कहीं मानव का चैन-ओ-सुकून छीन लिया है। आज का जीवन भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, चिंता, तनाव और अवसाद का पर्याय बनता जा रहा है। हर व्यक्ति दौड़ रहा है, हर व्यक्ति को आज पदार्थ की चाहत है, पर यह स्पष्ट नहीं कि वह किस मंजिल की ओर जा रहा है।

पहले के समय में मनुष्य का जीवन प्रकृति के अधिक निकट था। लोग पैदल चलते थे, खेत-खलिहानों से जुड़े रहते थे, दिन-भर अथाह परिश्रम करते थे और शारीरिक रूप से अधिक स्वस्थ रहते थे। गाँवों में लोग कई-कई किलोमीटर/कोसों पैदल चलकर विद्यालय जाते थे। बाजार जाना हो, खेत जाना हो या किसी रिश्तेदार से मिलने जाना हो, पैदल चलना सामान्य बात थी। इस कारण मनुष्य का शरीर सक्रिय रहता था, बीमारियाँ कम होती थीं और जीवन में अनुशासन भी बना रहता था। आज छोटी से छोटी दूरी के लिए भी स्कूटर, मोटरसाइकिल या कार का उपयोग होने लगा है। इससे सुविधा तो बढ़ी है, पर मानव शरीर निष्क्रिय हो गया है। परिणामस्वरूप मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप और हृदय रोग जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ी हैं।

इतना ही नहीं, पहले संयुक्त परिवारों की परंपरा थी। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची, भाई-बहन और बच्चे साथ रहते थे। घर का मुखिया प्राय: परिवार का बुजुर्ग होता था, जिसकी बात को सम्मानपूर्वक माना जाता था। बुजुर्ग केवल उम्र में बड़े नहीं होते थे, वे अनुभव, ज्ञान और संस्कारों के केंद्र होते थे। परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती थी। बच्चे उनके सानिध्य में संस्कार सीखते थे, कहानियाँ सुनते थे और जीवन के मूल्य समझते थे।

आज परिस्थितियाँ बहुत हद तक बदल चुकी हैं। नौकरी, व्यवसाय, स्थानांतरण, व्यस्तता और कई बार आपसी मतभेदों के कारण संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवारों में बदल गए हैं। पति-पत्नी और बच्चे तक सीमित परिवारों में आर्थिक स्वतंत्रता तो है, पर भावनात्मक सहारा कम हो गया है। बुजुर्ग अनेक बार अकेलेपन का जीवन जीने को विवश हैं। आज परिवारों में, पड़ोसियों में पहले की तुलना में संवाद, आपसी बातचीत काफी कम हुआ है और पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ी है।

पहले मनुष्य के हृदय में संवेदना अधिक थी। पड़ोसी परिवार जैसा होता था। रास्ता पूछने पर लोग स्वयं छोड़ने तक चले जाते थे। किसी घर में दु:ख-सुख हो तो पूरा मोहल्ला साथ खड़ा हो जाता था। आज शहरी जीवन में पड़ोसी का नाम तक कई लोगों को ज्ञात नहीं होता। यदि किसी से रास्ता या पता पूछ लिया जाए तो अनेक लोग रुककर उत्तर देना भी आवश्यक नहीं समझते। आधुनिकता ने व्यक्तिवाद को बढ़ाया है, पर सामाजिक आत्मीयता को कम किया है।

और तो और आज के समय में खान-पान के क्षेत्र में भी बड़ा परिवर्तन आया है। पहले घरों में शुद्ध भोजन बनता था। अनाज, दालें, मसाले, घी, दूध और सब्जियाँ प्राकृतिक रूप में उपलब्ध होती थीं। मिट्टी के चूल्हों पर पकता भोजन स्वादिष्ट भी होता था और स्वास्थ्यवर्धक भी। लोग मौसम के अनुसार भोजन करते थे। गर्मियों में छाछ, सत्तू, बेल का शरबत, आम पना और सादा भोजन लिया जाता था। सर्दियों में गुड़, तिल, बाजरा, मूंगफली, लड्डू और पौष्टिक आहार का महत्व था।

आज बाजारवाद के प्रभाव से खान-पान की आदतें बदल गई हैं। मिलावट आज के समय में एक गंभीर व बड़ी समस्या बन चुकी है। दूध, घी, तेल, मसाले, मिठाई, पेय पदार्थ और कई खाद्य सामग्री की शुद्धता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। रेडीमेड, डिब्बाबंद और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का उपयोग बढ़ गया है। रेस्टोरेंट, होटल, फास्ट फूड सेंटर, ठेले और ऑनलाइन फूड डिलीवरी ने घर के भोजन की जगह लेनी शुरू कर दी है। पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, कोल्ड ड्रिंक और जंक फूड नई पीढ़ी की पसंद बन गए, जिनका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

घरेलू उपयोग की वस्तुओं में भी परिवर्तन आया है। पहले मिट्टी के घड़े का पानी पीया जाता था, जो स्वाभाविक रूप से ठंडा और स्वास्थ्यकर होता था। मिट्टी के बर्तन, पत्तल, दोने, कांसे-पीतल के पात्र और प्राकृतिक वस्तुएँ जीवन का हिस्सा थीं। आज उनकी जगह प्लास्टिक, डिस्पोजेबल सामान, एल्युमिनियम, चीनी मिट्टी और कृत्रिम सामग्री ने ले ली है। सुविधा के नाम पर हमने पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली वस्तुओं को अपनाया, जिसका दुष्परिणाम आज कचरे, प्रदूषण और स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में सामने है।

यहां तक कि आज मनोरंजन का स्वरूप भी बदल गया है। पहले मेलों, लोकगीतों, चौपालों, पारिवारिक बैठकों, कहानी-किस्सों और सामाजिक आयोजनों में आनंद मिलता था। आज टीवी, मोबाइल, ओटीटी प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और मल्टीप्लेक्स ने मनोरंजन को व्यक्तिगत बना दिया है। परिवार साथ बैठकर समय कम बिताता है, जबकि प्रत्येक सदस्य अपने-अपने स्क्रीन में व्यस्त है। परिणामस्वरूप संवाद घटा है और मानसिक दूरी बढ़ी है।

वस्त्रों के क्षेत्र में भी आधुनिकता का प्रभाव स्पष्ट है। पहले खादी, सूती और हाथ से बने कपड़ों का महत्व था। ये कपड़े मौसम के अनुकूल, सरल और स्वास्थ्यकर होते थे। आज तड़क-भड़क, फैशन, ब्रांडेड वस्त्र, सिंथेटिक कपड़े, जींस, चश्मे और दिखावे की संस्कृति का बोलबाला है। पहनावे में सुविधा से अधिक प्रदर्शन को महत्व मिलने लगा है।

परंतु आशा की किरण यह है कि अब समाज धीरे-धीरे अपनी जड़ों की ओर लौटने लगा है। लोगों को समझ में आने लगा है कि केवल आधुनिक साधन जीवन का समाधान नहीं हैं। इसलिए मिलेट्स यानी मोटे अनाजों की ओर फिर से ध्यान बढ़ा है। बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, सांवा जैसे अनाज फिर से थालियों में लौट रहे हैं। दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को महत्व दिया जा रहा है। आयुर्वेद, योग, प्राणायाम और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि बढ़ रही है।

सुबह-शाम टहलने, योग करने, व्यायाम करने और पार्कों में समय बिताने की प्रवृत्ति पुन: बढ़ी है। लोग जैविक खेती(आर्गेनिक खेती) की ओर आकर्षित हो रहे हैं।खेती के साथ आज पुन: पशुपालन को महत्व दिया जा रहा है। घरों में फिर से तुलसी, नीम, एलोवेरा, फूल-पौधे लगाए जा रहे हैं। पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए जा रहे हैं। मिट्टी के घड़े और पारंपरिक रसोई के साधनों का प्रयोग पुन: आरंभ हो रहा है।

भोजन में भी लोग पारंपरिक व्यंजनों की ओर लौट रहे हैं। दाल-बाटी-चूरमा, खीर, खिचड़ी, सत्तू, राबड़ी, दलिया, लस्सी, छाछ और घर के बने पकवानों का महत्व पुन: बढ़ा है। लोग समझ रहे हैं कि स्वाद और स्वास्थ्य का वास्तविक मेल घर के भोजन में ही है।

वास्तव में मनुष्य को जीवन में केवल धन-पैसा नहीं चाहिए। धन आवश्यक है, पर पर्याप्त नहीं। यदि घर में शांति न हो, मन में संतोष न हो, संबंधों में प्रेम न हो और समाज में मानवीयता न हो, तो वैभव भी अधूरा है। आदमी को सुकून चाहिए, अपनापन चाहिए, चैन की नींद चाहिए, स्वस्थ शरीर चाहिए और ऐसा समाज चाहिए जहाँ संवेदना जीवित हो।

भविष्य का आदर्श जीवन वही होगा जिसमें आधुनिकता और परंपरा का संतुलित समन्वय हो। विज्ञान का उपयोग हो, पर प्रकृति का सम्मान भी हो। तकनीक हो, पर रिश्तों में आत्मीयता भी हो। पक्के घर हों, पर दिल भी पक्के नहीं बल्कि कोमल हों। साधन हों, पर संस्कार भी हों। प्रगति हो, पर प्रदूषण नहीं। सुविधा हो, पर शांति भी हो।

एक समय ऐसा अवश्य आएगा जब मनुष्य समझेगा कि उसकी वास्तविक शक्ति उसकी संस्कृति, परंपराओं, प्रकृति और मानवीय मूल्यों में ही निहित है। तब वह फिर उसी दिशा में लौटेगा जहाँ जीवन केवल जीने का नाम नहीं, बल्कि आनंद और संतोष का अनुभव होगा। यही सच्ची प्रगति है, यही सच्चा विकास है।

- सुनील कुमार महला

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध विराम की की खबरों के बीच खाद्य तेलों में बाजार मंदी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चने में सुस्ती बनी। वहीं, तुअर में बाजार घटाकर बोले गये। किराना जिंसों में बादाम सहित अन्य सूखे मेवों में बाजार नरमी के रहे।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। लग्नसरा की चमक-दमक के बीच दिसावरी ग्राहकी ठंडी-ठंडी देखी गयी। शक्कर में हल्के मालों में बिकवाली रही। बाजार घटाकर बोले गये, अच्छे मालों में मजबूती रही। बीते सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार 4080-4170 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। खोपरे गोले में पूछपरख अच्छी रहने से बाजार 390-430 रू. क्विंटल के बीच मजबूत रहे। हल्दी-धनिये में सप्ताह के दौरान माँग कमजोर रही। जिसके चलते भावों में टिकाव देखा गया। सूखे मेवों में लिवाली वाली बात नहीं है। बादाम मगज क्वालिटी 880-950 रू. प्रति किलो पर बने रहे। काजू व तरबूज मगज में बाजार पूर्वस्तर से आंशिक कमजोर पड़े। नारियलों में व्यापार अच्छा है। आवकें माँग के मुकाबले कमजोर पड़ने से भावों में निचले स्तर पर टिकाव बना हुआ है।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध बंदी को लेकर सकरात्मक बातचीत आने के चलते बाजार में मंदी की धारणा रही। समीक्षा सप्ताह के दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1680-1700 रू. प्रति 10 किलो पर कमजोर देखा गया। सोया व कपास्या तेलों में 30-40 रू. प्रति 10 किलो तक टूट गये। सोया तेल रिफाइंड मालों में 1485-1490 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। खाद्य तेलों में बनी नरमी का असर तिलहनों पर भी देखने को मिला। तिलहनों में सोयाबीन 5500 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। सरसो व रायडा में बाजार मजबूत रहे।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार सामान्य से अधिक नहीं रहा। चने में बाजार 5500-5600 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर नज़र आये। वहीं, तुअर में बाजार 6000-7000 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर ही रहे। नये मूंग में आवकें सुधरने से तेजी वाली बात नहीं है। मूंग में बाजार 8200-8400 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। उड़द में अच्छे माल 8600-8700 रू. क्विंटल पर मजबूत नज़र आये।

सट्टेबाजी से प्रभावित तेल-तिलहन बाजार, अधिकांश कीमतें गिरीं

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सटोरियों की बढ़ती सक्रियता और कमजोर कारोबारी धारणा के चलते अधिकांश तेल-तिलहनों के भावों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, महाराष्ट्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक पर बेची गई सोयाबीन तिलहन में सुधार आया। बाजार सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर सोयाबीन डीगम तेल के दाम 1,360-65 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,310-15 डॉलर प्रति टन रह जाने से सोयाबीन तेल भी सस्ता हुआ। सटोरिए व्यक्तिगत स्तर पर सरसों की आवक का मनमाना और बढ़ा-चढ़ाकर अनुमान जता रहे हैं, जिससे कारोबारी धारणा प्रभावित हो रही है और कीमतें गिरी हैं। यह सस्ते में खरीद करने की रणनीति का हिस्सा है। इस स्थिति से निपटने के लिए बाजार सूत्रों ने सरकार को सलाह दी है कि वह अभी सस्ते में उपलब्ध सरसों की खरीद कर रणनीतिक स्टॉक बनाए। यह स्टॉक सटोरियों की मनमानी और भविष्य की उठा-पटक से बाजार को बचाने में सहायक होगा, जिससे सरकार बाजार हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाल सकेगी। ऊंचे दाम पर कामकाज कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में भी गिरावट दर्ज हुई। इसके अलावा कारोबारी धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन और बिनौला तेल में भी नरमी बनी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,825-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 350 रुपये की गिरावट के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45-45 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,370-2,470 रुपये और 2,370-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,825-5,875 रुपये और 5,475-5,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 675 रुपये की गिरावट के साथ 15,725 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 525 रुपये की गिरावट के साथ 15,425 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 800 रुपये की गिरावट के साथ 12,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 16,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,610-2,910 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 400 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 300 रुपये टूटकर 15,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 200 रुपये के नुकसान के साथ 14,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी रविवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। पुरानी कीमतें ही बरकरार हैं। इस महीने की शुरुआत यानी 1 अप्रैल को एलपीजी सिलेंडर की कीमत 205 रुपये तक बढ़ा दी गई थी। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार इजाफा 7 मार्च को कंपनियों ने किया था। उसके बाद से दाम स्थिर हैं। बता दें, बीते महीने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। एलपीजी सिलेंडर की कीमत महानगरों में इस प्रकार हैं- दिल्ली - 913 रुपये, कोलकाता - 939 रुपये, मुंबई - 912.50 रुपये, चेन्नई - 928.50 रुपये, गुरुग्राम - 921.50 रुपये, नोएडा - 910.50 रुपये, बेंगलुरु - 915.50 रुपये, भुवनेश्वर - 939 रुपये, चंडीगढ़ - 922.50 रुपये, हैदराबाद - 965 रुपये, जयपुर - 916.50 रुपये, लखनऊ - 950.50 रुपये और पटना - 922 रुपये। वहीं कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली - 2078.50 रुपये, कोलकाता - 220 रुपये, मुंबई - 2031 रुपये, चेन्नई 2246.50 रुपये, गुरुग्राम - 2096.50 रुपये, नोएडा - 2078.50 रुपये, बेंगलुरु - 2161 रुपये, भुवनेश्वर - 2245 रुपये, चंडीगढ़ - 2099.50 रुपये।

वैश्विक कारकों के साथ कंपनियों के तिमाही परिणामों से मिलेगी शेयर बाजार को दिशा

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह दर्ज की गई तेजी के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए चुनौतियों और अवसरों से भरा रहने वाला है। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और कंपनियों के चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों पर बाजार की गहरी नजर रहेगी, जो अगले कुछ दिनों में बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भू-राजनीतिक मोर्चे पर, पश्चिम एशिया में चल रही शांति वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली प्रगति पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। इस क्षेत्र में कोई भी सकारात्मक घटनाक्रम वैश्विक बाजारों के लिए शुभ संकेत हो सकता है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता या गिरावट इक्विटी बाजार को मजबूती प्रदान कर सकती है और व्यापक आर्थिक परिदृश्य को भी सहारा दे सकती है। घरेलू मोर्चे पर मार्च महीने के लिए आठ प्रमुख उद्योग क्षेत्रों के प्रदर्शन के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी किए जाएंगे, जो

अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का महत्वपूर्ण सूचक होंगे। हालांकि, निवेशकों का सबसे अधिक ध्यान कंपनियों के चौथी तिमाही के परिणामों पर केंद्रित रहेगा। यह अर्निंग सीजन बाजार में शेयरों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आगामी सप्ताह में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, हेवेल्स, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस जैसी दिग्गज कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे घोषित करने वाली हैं। सोमवार को बाजार के भागीदार पिछले सप्ताह जारी हुए एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे बड़े बैंकिंग दिग्गजों के परिणामों पर भी अपनी प्रतिक्रिया देंगे। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि चौथी तिमाही का आय सीजन प्रमुख आकर्षण होगा, जो सभी क्षेत्रों में शेयरों की चाल तय करेगा। कंपनियों के प्रबंधन की टिप्पणियां और कमाई में अप्रत्याशित नतीजे खासकर बड़ी कंपनियों की तरफ से इंडेक्स की दिशा निर्धारित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। कुल मिलाकर बाजार का माहौल बेहतर हुआ है।

पश्चिम एशिया संकट का असर, मार्च में भारत की एलपीजी खपत 13 फीसदी गिरी

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़ी आपूर्ति दिक्कतों के कारण भारत में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की खपत में मार्च में 13 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह खपत 23.79 लाख टन रही, जिससे घरों की रसोई और वाणिज्यिक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्धता पर सीधा असर पड़ा। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक, यह आंकड़ा मार्च 2023 के 27.29 लाख टन से 12.8 प्रतिशत कम है। भारत अपनी 60 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भर है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है। ईरान-इजराइल तनाव के कारण जलडमरूमध्य के बंद होने और खाड़ी देशों से आपूर्ति बाधित होने से यह संकट गहराया, जिसके चलते सरकार ने घरेलू उपलब्धता बनाए रखने हेतु होटल और उद्योगों की एलपीजी आपूर्ति में कटौती की। मार्च में घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति 8.1 प्रतिशत घटी, जबकि गैर-घरेलू उपयोगकर्ताओं को 48 प्रतिशत और थोक बिक्री में 75.5 प्रतिशत की भारी कमी आई। इस कमी को दूर करने के लिए, सरकार ने रिफाइनरियों को पेट्रोरसायन उत्पादन से हटकर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया, जिससे मार्च में घरेलू एलपीजी उत्पादन 11 लाख टन से बढ़कर 14 लाख टन हो गया।

सरकारी तेल कंपनियों ने नहीं बढ़ाए पेट्रोल और डीजल के भाव

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया है। आखिरी बार भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने 2022 में रेट बढ़ाया था। बता दें, 1 अप्रैल को प्राइवेट तेल कंपनी शेल इंडिया ने पेट्रोल पर 7.4 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 25 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। जिसके बाद शेल इंडिया के पंप पर पेट्रोल का रेट 119.85 रुपये और डीजल का रेट 123 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। वहीं, पावर पेट्रोल का रेट शेल इंडिया के पंप पर 129.85 रुपये प्रति लीटर और प्रीमियम डीजल का रेट 133 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मार्च के महीने में नायरा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया था। नायरा ने तब पेट्रोल का रेट 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया था। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव की वजह से कंपनी ने यह फैसला तब किया था। हालांकि, उसके बाद से कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं देखने को मिला है। 1 अप्रैल को इंडियन ऑयल एक्सपी100 पेट्रोल का रेट 11 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया था। जिसके बाद इसका रेट 149 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 160 रुपये प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, प्रीमियम डीजल का रेट बढ़ोतरी के बाद 91.49 रुपये से बढ़कर 92.99 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। र ?विवार को महानगरों में पेट्रोल की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली - 94.77 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता - 104.21 रुपये, हैदराबाद - 94.49 रुपये, चेन्नई - 100.75 रुपये, अहमदाबाद - 94.49 रुपये, बेंगलुरु - 10292 रुपये, लखनऊ- 94.69 रुपये, पुणे - 104.04 रुपये, चंडीगढ़ - 94.30 रुपये, इंदौर - 106.48 रुपये, पटना - 105.58 रुपये, सूरत - 95 रुपये, नाशिक - 95.50 रुपये। वहीं डीजल की कीमत दिल्ली में - 87.67 रुपये, अहमदाबाद - 90.17 रुपये, जयपुर - 90.21 रुपये, कोलकाता - 90.76 रुपये, चेन्नई - 92.34 रुपये, हैदराबाद - 95.70 रुपये, पुणे - 90.57 रुपये, चंडीगढ़ - 82.45 रुपये इंदौर - 91.88 रुपये, पटना - 93.80 रुपये, सूरत - 89 रुपये, नाशिक - 89.59 रुपये।

मेष- आज किस्मत आपके पक्ष में खड़ी है। कुछ कामों को समय पर छोड़ देना ही आपकी जीत बन सकता है। नई इनकम के रास्ते खुलेंगे और आप पूरे जोश के साथ मेहनत करेंगे। बस जल्दबाजी से बचें। यही आपकी सफलता की कुंजी है। सरकारी काम थोड़ा लटक सकता है, लेकिन शाम तक दोस्तों के साथ पार्टी मूड में रहेंगे।

वृषभ- आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। इस पॉजिटिव एनर्जी को सही दिशा देंगे तो बड़ा फायदा मिलेगा। मां के साथ बातचीत से नए विचार जन्म लेंगे। घर में खुशखबरी। नए मेहमान के आने के संकेत हैं। साल का अंत आर्थिक रूप से शानदार रहेगा। डूबा हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है।संतान पक्ष की ओर से आर्थिक लाभ हो सकता है. इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा. आप घर वालों को पर्याप्त समय जरूर दें. वैवाहिक तौर पर आपका दिन अच्छा नहीं बीतेगा।

मिथुन- आज थोड़ा संभलकर चलने का दिन है। बिजनेस में गड़बड़ी से तनाव बढ़ सकता है, लेकिन संतान की सफलता आपका मन खुश कर देगी। आसपास के लोगों पर आंख बंद करके भरोसा ना करें। जीवनसाथी से चल रही तकरार बातचीत से खत्म होगी और रिश्तों में फिर से मिठास लौटेगी। किसी बीमारी की वजह से परेशानी हो सकती है. सेहत का ख्याल रखें और खानपान के मामले में सावधान रहें. आप उधार चुका सकेंगे. कार्यक्षेत्र में सफलता के लिए मेहनत करें।

कर्क- आज खुशियों की लहर आपके जीवन में आएगी। संतान की उलझनें दूर होंगी और परिवार के साथ हंसी-मजाक का माहौल बनेगा। पार्टी या सेलिब्रेशन का प्लान बन सकता है। दूर बैठे किसी अपने की याद आएगी। ऑफिस में सरप्राइज गिफ्ट या सम्मान मिल सकता है। दिन आपके नाम रहेगा। कोई पैसे उधार मांग सकता है. उधार देने से पहले विश्वास जरूर जांच लें. वरना आपको पैसा वापस मिलने में परेशानी होगी. करीबियों के साथ समय बिता सकते हैं।

सिंह- आज बदलाव आपके लिए सफलता का दरवाजा खोल सकता है। नौकरी में नया अवसर और बिजनेस में बढ़ोतरी के संकेत हैं। लेकिन उधार लेने से फिलहाल बचें। विरोधियों की बातों में आकर गलती न करें। परिवार में छोटी परेशानियां आ सकती हैं और मां से बहस भी संभव है। शांत रहना ही बेहतर रहेगा।

कन्या- आज चुनौतियां आपका इम्तिहान लेंगी। पैतृक संपत्ति से लाभ हो सकता है, लेकिन नए शत्रु भी सामने आ सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताकर रिश्तों में मिठास आएगी। किसी पर निर्भर रहना नुकसान दे सकता है। खुद पर भरोसा रखें और आगे बढ़ें।

तुला- आज सावधानी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। बिजनेस में छिपे हुए विरोधी परेशानी दे सकते हैं और काम का दबाव भी बढ़ेगा। जोखिम भरे फैसलों से बचें। शॉपिंग करते समय सतर्क रहें। धोखा हो सकता है। यात्रा के दौरान कोई अहम जानकारी मिल सकती है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ें।

वृश्चिक- आज नौकरी वालों के लिए खुशखबरी है। प्रमोशन या सराहना मिल सकती है। लेन-देन सोच-समझकर करें। टीमवर्क से सफलता मिलेगी, लेकिन दूसरों के मामलों में दखल देना भारी पड़ सकता है। संतान से किया वादा निभाएं और सेहत को नजरअंदाज ना करें।

धनु- आज मेहनत का फल मिलने वाला है। बैंकिंग या फाइनेंस से जुड़े लोगों के लिए खास दिन है। रुके हुए काम पूरे होंगे और पुराने कर्ज चुकाने का मौका मिलेगा। जोखिम लेने से बचें और नए काम में सोच-समझकर कदम रखें। साल का अंत सुकून भरा रहेगा।

मकर- आज का दिन प्यार और संतुलन का है। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पल बिताएंगे। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, नहीं तो प्रॉपर्टी डील बिगड़ सकती है। बजट बनाकर चलेंगे तो फायदा होगा। बिजनेस में पार्टनरशिप का मौका मिल सकता है। सोच-समझकर फैसला लें।

कुंभ- आज मिलाजुला दिन है। पुरानी समस्याओं का हल ढूंढने में सफल रहेंगे। बिजनेस में बदलाव करने से बचें, नहीं तो पछताना पड़ सकता है। इनकम बढ़ाने के नए रास्तों पर ध्यान दें। जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाएं और किसी को उधार देने से बचें। पिताजी की ओर से सरप्राइज मिल सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार का पूरा साथ मिलेगा और भाई-बहनों के साथ तालमेल बनाकर चलेंगे। यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है। लापरवाही से नुकसान हो सकता है, इसलिए सतर्क रहें। अजनबियों पर भरोसा न करें। विद्यार्थियों की पढ़ाई से जुड़ी परेशानियां दूर होंगी और मां से किया वादा पूरा करना जरूरी रहेगा।

शब्दजाल - 8234

अ	गो	र	कु	छ	तो	है	म	ला	नी	क्या
न	ल	क	ज	इं	डे	ने	ह	क	जी	कु
बं	मा	आ	व	म	न	इ	व	न	ना	ल
थै	ल	ल	मा	ज	ल	स	र	प	सि	है
ओं	मु	झे	कु	छ	क	ह	ना	है	फ	ह
गा	जे	कि	र	य	द	का	म	ल	मे	म
य	मा	दे	श	व	ह	स	त	पी	रे	दी
व	दे	क	र्त	न	प	दि	खा	की	लि	श
ली	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	ए	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	क्या	दि	ल	ने	क	हा	र	म

शब्दजाल में तुषार कपूर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

गोलमाल, क्या कूल है हम, कुछ तो है, जीना सिर्फ मेरे लिए, खाकी, मुझे कुछ कहना है, यह दिल, शर्त, आवब, क्या दिल ने कहा.

शब्दजाल - 8233 का हल

दैनिक पंचांग

20 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 110 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत 2083 शक संवत 1948
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया 07.28 बजे तदनन्तर चतुर्थी 04.15 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 02.09 बजे रात्र को समाप्त। योग सौभाग्य 16.11 बजे को समाप्त। करण गर 07.28 बजे, वणिज 17.50 बजे तदनन्तर विष्टि 04.15 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 2.5 घण्टे
रवि क्रांति उत्तर 11° 27'
सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872685
जूलियन दिन 2461150.5
कलियुग संवत 5128
कल्पारंभ संवत 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत 1955885128
वीरनिर्वाण संवत 2552
हिजरी सन 1447
महीना जिल्काद तारीख 02
विशेष रोहिणी व्रत, विनायक चतुर्थी, मातङ्गी जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.17 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	07.01 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	08.59 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.13 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.29 बजे से
शुक्र	वृष में	कन्या	15.41 बजे से
शनि	मीन में	तुला	17.52 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.06 बजे से
केतु	सिंह में	धनु	22.22 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मकर	00.27 बजे से
		कुंभ	02.14 बजे से
		मीन	03.47 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7178

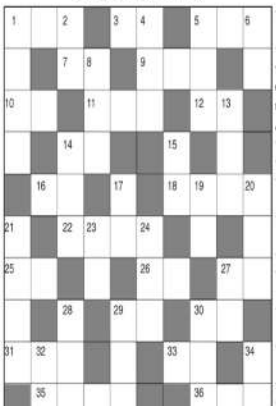

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'हुंड खी थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जात' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ राजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हल्ला हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-३
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ स्वामी की 'पाताल' की नायिका?-३
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अमिताभ स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारुख, पूनम की फिल्म-३
१९. 'एहसान' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है?-२
२९. जीतेंद्र, रणधीर, रुक्सेना, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7177

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः दो घड़ी धर्म की

एक नगर में एक धनवान सेठ रहता था। अपने व्यापार के सिलसिले में उसका बाहर आना-जाना लगा रहता था। एक बार वह परदेस से लौट रहा था। साथ में धन था, इसलिए तीन-चार पहरेदार भी साथ ले लिए। लेकिन जब वह अपने नगर के नजदीक पहुंचा, तो सोचा कि अब क्या डर। इन पहरेदारों को यदि घर ले जाऊंगा तो भोजन कराना पड़ेगा। अच्छा होगा, यहीं से विदा कर दूं। उसने पहरेदारों को वापस भेज दिया। दुर्भाग्य देखिए कि वह कुछ ही कदम आगे बढ़ा कि अचानक डाकुओं ने उसे घेर लिया। डाकुओं को देखकर सेठ का कलेजा हाथ में आ गया। सोचने लगा, ऐसा अंदेशा होता तो पहरेदारों को क्यों छोड़ता? आज तो बिना मौत मरना पड़ेगा। डाकू सेठ से उसका माल-असबाब छीनने लगे। तभी उन डाकुओं में से दो को सेठ ने पहचान लिया। वे दोनों कभी सेठ की दुकान पर काम कर चुके थे। उनका नाम लेकर सेठ बोला, अरे! तुम फलां-फलां हो क्या? अपना नाम सुन कर उन दोनों ने भी सेठ को ध्यानपूर्वक देखा। उन्होंने भी सेठ को पहचान लिया। उन्हें लगा, इनके यहां पहले नौकरी की थी, इनका नमक खाया है। इनको लूटना ठीक नहीं है। उन्होंने अपने बाकी साथियों से कहा, भाई इन्हें मत लूटो, ये हमारे पुराने सेठ जी हैं। यह सुनकर डाकुओं ने सेठ को लूटना बंद कर दिया। दोनों डाकुओं ने कहा, सेठ जी, अब आप आराम से घर जाइए, आप पर कोई हाथ नहीं डालेगा। सेठ सुरक्षित घर पहुंच गया। लेकिन मन ही मन सोचने लगा, दो लोगों की पहचान से साठ डाकुओं का खतरा टल गया। धन भी बच गया, जान भी बच गई। इस रात और दिन में भी साठ घड़ी होती हैं, अगर दो घड़ी भी अच्छे काम किए जाएं, तो अठावन घड़ियों का दुष्प्रभाव दूर हो सकता है। इसलिए अठावन घड़ी कर्म की और दो घड़ी धर्म की। इस कहावत को ध्यान में रखते हुए अब मैं हर रोज दो घड़ी भले का काम अवश्य करूंगा।

सूडोकु नवताल- 7487

★★★★☆ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7486 का हल

शब्द पहेली - 8702

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि पैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8701 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी पुलिस ने अवैध खनन व परिवहन के मामले में दो ट्रैक्टर किया जप्त , आरोपियों को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के रेत घाटों में अवैध रूप से रेत का परिवहन पूर्णतः बंद होने के बावजूद रेत माफिया हो या तस्कर बाज नही आ रहे है। लगातार हो रही कार्यवाही के बाद भी रेत तस्करो के द्वारा दिन हो या रात अपनी मनमानी करते हुये बेखौफ होकर रेत का अवैध रूप से परिवहन एवं खनन जारी है। इन्ही रेत तस्करों पर लांजी पुलिस ने 19 अप्रैल को कार्यवाही करते हुये रेत से भरे दो ट्रैक्टर जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इस संपूर्ण मामले को लेकर लांजी पुलिस के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा द्वारा जिले में चल रही अवैध गतिविधियो, अपराधो की रोकथाम तथा अवैध रेत परिवहन की रोकथाम पर प्रभावी कार्यवाही हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा है। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय बैहर आदर्शकांत शुक्ला एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लांजी ओम प्रकाश (भापुसे) द्वारा भी लगातार मार्गदर्शन दिये जा रहे है। आदेश के पालन मे दिनाँक 18 एवं 19 अप्रैल की दरम्यानी रात्रि मे अवैध रेत परिवहन संबंधी सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति अपने-अपने नीले रंग के पावरट्रेक ट्रेक्टर ट्राली में अवैध रेत का परिवहन कर रहे है जो ग्राम टेमनी के रेत घाट से निकलने वाले है। जिसकी तस्दीक करने ग्राम टेमनी में बोलेगांव तरफ से 02 नीले रंग के ट्रेक्टर-ट्राली आते

दिखायी दिये जो ट्रेक्टरो के चालक पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगे जिसको हमराह स्टाफ की मदद से हिकमत अमली से दोनो ट्रेक्टर चालको को ट्रैक्टर-ट्राली सहित रोका जो दोनो ट्रैक्टर की ट्राली मे रेत खनिज भरा होना पाया गया ट्रेक्टर चालको से उक्त रेत खनिज के परिवहन के संबंध में रायल्टी के संबंध में पूछा तो कोई रायल्टी या दस्तावेज नही होना बताये। वाहन चालको से अपना नाम पता पूछने पर उन्होने अपना-अपना नाम तोमेन्द्र उर्फ साहिल सिंह सोलंकी पिता लोटन सिंह सोलंकी जाति राजपूत उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम टेमनी थाना लांजी का होना एवं दूसरे ने अपना नाम नवीन सिंह चंदेल पिता नत्थूसिंह चंदेल जाति राजपूत उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम टेमनी थाना लांजी बताया जो अपने-अपने टेक्टर का नंबर एमपी 50 जेड बी 3042 एवं एमपी 50 एए-2404 की ट्रालियो मे अवैध रेत (खनिज) को बिना रायल्टी के रेत खनिज का परिवहन करना पाये जाने एवं चालको का कृत्य धारा 303 (2) बीएनएस एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम के तहत दोनो ही आरोपी तोमेन्द्र उर्फ साहिल सिंह सोलंकी पिता लोटन सिंह सोलंकी उम्र 21 वर्ष निवासी टेमनी, नवीन सिंह चंदेल पिता नत्थूसिंह चंदेल उम्र 23 वर्ष निवासी टेमनी इन दोनो ही आरोपियों को मय दो ट्रैक्टर ट्रॉली सहित हिरासत में लेकर आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 119/26 धारा 303(2), बीएनएस 4/21 खान एवं खनिज विकास का विनियमन अधिनियम 1957 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

विशेष भूमिका- उक्त कार्यवाही मे थाना लांजी से थाना प्रभारी उनि दीप सिंह परमार, सउनि परमानंद भगत, प्रआर नरेन्द्र सोनवे, आर सुजीत पाल, चेतन सोनी, आशुतोष राजपूत एवं संजय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कन्सुली में महापुरुषों की मूर्तियों का भव्य अनावरण, विकास को मिली नई गति — विधायक राजकुमार कर्राहे

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी तहसील के वनांचल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कन्सुली में 17 अप्रैल को सामाजिक समरसता और प्रेरणा के प्रतीक के रूप में महापुरुषों की मूर्तियों का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फूले, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सावित्रीबाई फूले एवं भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमाओं का विधिवत अनावरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे रहे। उनकी उपस्थिति में यह आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत पारंपरिक पूजन-अर्चन एवं माल्यार्पण से हुई। इसके बाद मंचीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रबुद्धजनों ने महापुरुषों के जीवन, उनके सामाजिक संघर्ष तथा समाज सुधार में दिए गए अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि इन महान विभूतियों के विचार आज भी समाज को सही दिशा दिखा रहे हैं और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। इस मौके पर मरार माली समाज लांजी-किरनापुर के अध्यक्ष मानिकलाल पाचे, जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे, ग्राम पंचायत कन्सुली के सरपंच लीलाराम मानकर, सामाजिक कार्यकर्ता विजय सोनवाने, डॉ. देवेश एडे, पी.डी. भालाधरे, शेषराम पंचाले, धीरज वाहने, आनंद रामटेके, जनपद सदस्य महेश चौधरी, ग्राम अध्यक्ष दिनेश दादरे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विधायक राजकुमार कर्राहे ने अपने संबोधन में ग्राम कन्सुली के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने ग्राम पंचायत के लिए 56 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र में सड़कों, पुल-पुलियों और अन्य आधारभूत संरचनाओं के निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा काफी बेहतर हुई है। विधायक ने आगे कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर

प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए घोटी क्षेत्र में नया सब-स्टेशन स्थापित किया जा रहा है, जिससे आसपास के गांवों में बिजली की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। उन्होंने प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का भी संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का सफल संचालन ग्राम सचिव भैयालाल दादरे द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और युवा उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और सामाजिक एकता तथा विकास के संकल्प के साथ समारोह का समापन हुआ।

लांजी में 3 मई को विशाल राज्य स्तरीय बौद्ध महासम्मेलन का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। दि. बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) की मध्य प्रदेश राज्य शाखा के तत्वावधान में जिले के विभिन्न तहसील मुख्यालयों में दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के समापन अवसर पर 3 मई 2026 को लांजी तहसील मुख्यालय में विशाल राज्य स्तरीय बौद्ध महासम्मेलन आयोजित होगा।

संस्था ने आदर्श बौद्ध समाज के निर्माण के उद्देश्य से यह कार्यक्रम शुरू किया है। 24 अप्रैल से 3 मई 2026 तक जिले के दस तहसील/सर्कल मुख्यालयों में निम्न शिविर आयोजित किए जाएंगे जिसमें दस दिवसीय श्रामणेर-बौद्धाचार्य धम्म प्रशिक्षण शिविर, उपासिका धम्म प्रशिक्षण शिविर, समता सैनिक दल का सैनिक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन मध्य प्रदेश राज्य शाखा की अनुशंसा और केंद्रीय शाखा मुंबई के निर्देशानुसार किया जा रहा है।

इस महासम्मेलन में बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के पौत्र डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर साहेब मुख्य अतिथि होंगे तथा अध्यक्षता प्रमोद कुमार भीमटे तहसील अध्यक्ष लांजी, स्वागत अध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में कैप्टन प्रवीण निखाड़े (अंतरराष्ट्रीय सचिव, मुंबई), एड. एस. के. भंडारे (ट्रस्टी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), एड. जगदीश गवई, बी. एच. गायकवाड गुरुजी (मुंबई), डॉ. चरनदास डेंगरे (अध्यक्ष, मप्र राज्य शाखा, बालाघाट), गौतम पाटिल (राज्य संगठक, भोपाल), सी. एल. बौद्ध (राष्ट्रीय संगठक, दतिया), आर. सी. दिवाकर (अध्यक्ष, मप्र उत्तर, शिवपुरी), अनिल भाऊ मेश्राम (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा, भिलाई) इसके अलावा मध्य प्रदेश राज्य शाखा, विभिन्न जिला शाखाओं, बालाघाट जिला तथा

सभी तहसील शाखाओं के प्रमुख पदाधिकारी और बौद्ध आंबेडकरी अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। अशोक कुमार मेश्राम (जिलाध्यक्ष, बालाघाट) और प्रमोद कुमार भीमटे (तहसील अध्यक्ष, लांजी) ने सभी बौद्ध अनुयायियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया है कि वे इस महासम्मेलन में उपस्थिति देकर धम्म लाभ लें तथा श्रामणेर शिविर में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें।

ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदीयों ने किया नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कालीमाटी में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण, नारी अधिकार केंद्र परिवार परामर्श केंद्र आदि के विषय में जानकारी दी गई। समूह की दीदियों द्वारा, सीसीएल और सी आई एफ से प्राप्त ऋण राशियों का उपयोग कर 100 प्रतिशत दीदियों को लखपति बनाने के लिए चर्चा की गई। 20,000 से अधिक आय प्राप्त करने वाली दीदियों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए। उन्होंने बताया कि कैसे एक ग्रहणी अपना परिवार संभालते हुए भी परिवार का आर्थिक सहयोग कर सकती है।। ग्रामीण आजीविका मिशन जनपद पंचायत लांजी से सहायक

विकासखंड प्रबंधक सुनीता चत्रे द्वारा ग्राम संगठन की अध्यक्ष कुशा घोरमारे व अधिक आय अर्जन करने वाली अन्य दीदियों को ग्राम संगठन से,कलम (पेन) देकर सम्मानित किया गया। लोक अधिकार केंद्र लांजी से नलिनी ठाकरे द्वारा महिला अधिकार एवं उत्पीडन् से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

धार्मिक मान्यता व परम्परानुसार कलश भरकर मनाया गया अक्षय तृतीया पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। अक्षय तृतीया का पावन पर्व रविवार, 19 अप्रैल 2026 को पूरे क्षेत्र व नगर में धार्मिक उत्साह और परंपरागत श्रद्धा के साथ मनाया गया। हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पड़ने वाला यह त्योहार वर्ष भर के साढ़े तीन प्रमुख शुभ मुहूर्तों में से एक है, जिसका विशेष महत्व है।

अक्षय शब्द का अर्थ है जो कभी क्षय न हो। इसलिए मान्यता है कि इस तिथि पर किए गए कोई भी शुभ कार्य, दान, पूजा या मांगलिक अनुष्ठान का फल कभी समाप्त नहीं होता। यह दिन सौभाग्य, समृद्धि और अक्षय पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है।

पितरों की याद में कलश पूजन की परंपरा

नगर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अक्षय तृतीया को हिंदू संस्कृति की प्राचीन परंपरा के अनुरूप मनाया गया। इस दिन पूर्वजों (पितरों) को याद कर कलश भरकर पूजन करने की विशेष परंपरा है। लोग सुबह से ही अपने माता-पिता तथा पूर्वजों की स्मृति में शुद्ध जल से कलश भरते दिखे। इन कलशों में तिल, फूल, फल या अन्य शुभ सामग्री भी रखी जाती है।

कलश भरने के बाद परिवार के सदस्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की, भोग लगाया और पितरों को तृप्त किया। ग्रामीण अंचलों में इस अवसर पर पारंपरिक पकवान बनाए गए और इष्ट देवताओं तथा पूर्वजों के नाम पर भोग अर्पित किए गए। धर्मशास्त्रों के अनुसार इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण, जल से भरे कलश

रखने से पितरों को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद परिवार पर सदैव बना रहता है।

बाजारों में चहल-पहल और मांगलिक कार्य

अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त के कारण नगर के बाजारों में सुबह से देर रात तक अच्छी चहल-पहल रही। सोना-चांदी, वस्त्र, आभूषण और घरेलू सामानों की खरीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इस दिन सोना खरीदने की परंपरा भी विशेष रूप से प्रचलित है, क्योंकि इसे अक्षय धन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

इस पर्व पर अनेक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ किया गया। वास्तु पूजन, नवीन निर्माण कार्य, गृह प्रवेश और अन्य शुभ अनुष्ठान शुभ मुहूर्त में संपन्न हुए। सबसे खास बात यह रही कि इस बार अक्षय तृतीया पर रिकॉर्ड संख्या में विवाह समारोह आयोजित किए गए हैं। विवाह मंडपों में रौनक छाई रही और सुबह से रात तक बाजारों में बारातियों तथा ग्राहकों की भारी भीड़ रही। 20 अप्रैल को भी अक्षय तृतीया होने के चलते आज भी भारी संख्या में विवाह समारोह सम्पन्न होंगे।

धार्मिक महत्व और शुभ फल

पुराणों के अनुसार अक्षय तृतीया वह तिथि है जब सत्य युग का अंत और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा, दान-पुण्य, हवन तथा तीर्थ स्नान का विशेष महत्व है। जो कार्य इस तिथि पर किए जाते हैं, वे जीवन भर फल देते रहते हैं और कभी क्षय नहीं होते।

ब्राह्मण समाज की महिला मंडल ने हर्षोल्लास पूर्वक मनाया परशुराम जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। रविवार, 19 अप्रैल 2026 को भगवान परशुराम जी के प्रकट उत्सव (परशुराम जयंती) के पावन अवसर पर लांजी नगर में ब्राह्मण समाज की महिला मंडल द्वारा भव्य उत्सव मनाया गया। यह उत्सव अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर आयोजित हुआ, जिसमें भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जन्म कथा, उनके धार्मिक महत्व और ब्राह्मण समाज की परंपराओं को याद किया गया।

उत्सव का आयोजन

ब्राह्मण समाज की महिला मंडल की ओर से लांजी नगर के गुजरी चौक स्थित नया राम मंदिर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर परिसर परशुराम जी की तस्वीर के समक्ष पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, साथ ही भगवान परशुराम जी, श्री राम जी और अन्य देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना हुई। महिलाओं ने सामूहिक रूप से परशुराम जी को फल, फूल, अगरबत्ती और नैवेद्य अर्पित किए। विशेष रूप से परशुराम जी की कथा का पाठ और उनकी पराक्रम गाथा सुनाई गई।

भजन-कीर्तन- मंदिर में भजन-कीर्तन का सिलसिला दोपहर से शाम तक चला। ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने मधुर स्वर में परशुराम जी, भगवान राम और कृष्ण भक्ति से ओत-प्रोत भजन गाए। कीर्तन के दौरान महिलाएं झूमकर नृत्य भी करती दिखीं, जिससे पूरे मंदिर परिसर में भक्ति की लहर दौड़ गई।

सामूहिक भागीदारी- ब्राह्मण समाज की लगभग सभी महिलाएं इस कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। युवतियों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कई महिलाओं ने घर से प्रसाद और फल-मिठाई लेकर आईं, जिसका सामूहिक वितरण भी किया गया।

भगवान परशुराम जी का महत्व

भगवान परशुराम जी को ब्राह्मणों के

कुलदेवता के रूप में पूजा जाता है। वे क्षत्रिय अभिमान का नाश करने वाले और धर्म की रक्षा करने वाले के रूप में जाने जाते हैं। इस अवसर पर महिलाओं ने परशुराम जी के संदेश को याद करते हुए कहा कि आज के युग में भी सत्य, अहिंसा और ब्राह्मण परंपराओं की रक्षा जरूरी है। कई महिलाओं ने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए कि परशुराम जी की कृपा से परिवार में शांति और समृद्धि बनी रहती है।

आयोजकों का कथन

ब्राह्मण महिला मंडल की सदस्यों ने बताया कि भगवान परशुराम जी के प्रकट दिवस पर हम हर वर्ष इस प्रकार का कार्यक्रम आयोजित करती हैं। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और भक्ति भाव को बढ़ावा देना है। आज का कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा और सभी महिलाओं ने इसमें पूर्ण सहयोग दिया। उत्सव शाम तक चला और अंत में सामूहिक आरती तथा प्रसाद वितरण के साथ समाप्त हुआ। इस आयोजन से लांजी नगर के ब्राह्मण समाज में भक्ति और एकता का नया संदेश फैला।

भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा कारंजा एवं ग्रामीण शाखा टेकेपार द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 135वीं जन्मजयंती भव्य रूप से मनाई गई

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा कारंजा एवं ग्रामीण शाखा टेकेपार के संयुक्त तत्वावधान में परम पूज्य बोधिसत्व डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 को डॉ. आंबेडकर चौक, टेकेपार में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमार कर्राहे क्षेत्रीय विधायक, लांजी उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में सौरभ भाऊ लोधी प्रदेश अध्यक्ष, ओबीसी महासभा, हेमंत साहु जनपद उपाध्यक्ष, बिरसा ब्लॉक, मनोज गजभिए, पी.डी. भालाधरे संविधान प्रचारक, पी.के. भिमटे अध्यक्ष तहसील शाखा लांजी, जयभिम गजभिए पूर्व सर्कल अध्यक्ष कारंजा तथा द्वारका बोम्बर्डे सरपंच ग्राम पंचायत मिरिया शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राहुल रामटेके सर्कल शाखा अध्यक्ष कारंजा ने की। समारोह की शुरुआत तथागत बुद्ध, बोधिसत्व डॉ. आंबेडकर एवं राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई। इसके बाद समस्त बौद्ध उपासक-उपासिकाओं, ग्रामीण नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों ने सामूहिक रूप से त्रिशरण एवं पंचशील ग्रहण किया। उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं बैंच लगाकर स्वागत किया गया।

संविधान की प्रस्तावना का वाचन पी.डी. भालाधरे द्वारा करवाया गया। मुख्य अतिथि राजकुमार कर्राहे ने डॉ. आंबेडकर के जीवन एवं उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबासाहेब पूरे राष्ट्र के युगपुरुष थे, जिन्होंने विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान भारत को दिया। उन्होंने बौद्ध समिति टेकेपार की मांग पर डॉ. आंबेडकर सभामंडप के निर्माण के लिए विधायक निधि देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि सौरभ भाऊ लोधी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर द्वारा किए गए अमूल्य कार्य सदियों तक ज्ञान के दीपक की तरह जगमगाते रहेंगे। उन्होंने विशेष रूप से ओबीसी समाज को संबोधित करते हुए अनुच्छेद 340 के माध्यम से दिए गए अधिकारों का उल्लेख किया और आह्वान किया कि सभी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें, राजनीतिक पाखंड एवं अफवाहों से बचें तथा अपने अधिकारों के लिए स्वयं संघर्ष करें। हेमंत साहु ने बाबासाहेब की उच्च शिक्षा पर जोर देते हुए कहा, शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पीएगा वह दहाड़ेगा। उन्होंने बाबासाहेब के मिशन को आगे बढ़ाते हुए समाज को शिक्षित, संगठित और संघर्षशील बनाने की अपील की। पी.के. भिमटे तथा पी.डी. भालाधरे ने डॉ. आंबेडकर द्वारा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध किए गए कानूनी संघर्ष और भारतीय संविधान की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। जयभिम गजभिए ने भी बाबासाहेब के जीवन की अनेक प्रेरणादायक घटनाएं सुनाईं। कार्यक्रम में भीमगीतों की प्रस्तुति ने माहौल को और भी भावुक बना दिया। अंत में सर्कल अध्यक्ष राहुल रामटेके ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन कोषाध्यक्ष एल.एच. जांभुलकर ने कुशलतापूर्वक किया। इस सर्कल स्तरीय जयंती उत्सव के सफल आयोजन में भारतीय बौद्ध महासभा के पदाधिकारियों, ग्रामीण शाखाओं के सदस्यों, बौद्ध उपासक-उपासिकाओं एवं टेकेपार के ग्रामीण नागरिकों के अपार स्नेह एवं परिश्रम की सराहना की गई।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बिना स्लॉट बुकिंग गोदाम में डंप हो रहा गेहूं

-मप्र में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू होते ही सामने आने लगे फर्जीवाड़े...

भोपाल। मप्र में इन दिनों समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी हो रही है। इसके साथ ही फर्जीवाड़े भी सामने आने लगे हैं। किसी खरीदी केंद्र पर खरीदी से अधिक गेहूं का स्टॉक मिला है, तो कहीं किसानों से अवैध वसूली की जा रही है। वहीं स्लॉट बुकिंग नहीं होने से किसान परेशान नजर आ रहे हैं। इस बीच समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की प्रक्रिया को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मप्र में पैसे लेकर खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। जहां यूपी का गेहूं बिक रहा है। वहीं गेहूं तुलाई के नाम पर वेयरहाउस संचालक व सहकारी सोसायटी मनमानी कर रहे हैं। वेयरहाउस संचालक जल्दी से जल्दी गोडाउन भरने के लिए सीधे धर्मकांटे से तुलवाकर गेहूं डंप करवा रहे हैं, जबकि शासन के स्पष्ट नियम हैं कि स्लॉट बुकिंग के बगैर गेहूं नहीं तौलना है व गोदाम के भीतर गेहूं डंप नहीं करना है। फिर भी भोपाल के आसपास के कई गोडाउन में हजारों क्विंटल गेहूं का ढेर लग चुका है।

प्रदेशभर से गेहूं खरीदी में किसानों के साथ ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। इसमें भोपाल भी पीछे नहीं है। निहाल, निषिता, कांति व श्री वेयर हाउस में जाकर हालात देखे तो यहां हजारों क्विंटल गेहूं के ढेर मिले। मामले में अधिकारियों का कहना है कि चेक करवाकर नोटिस देंगे। दरअसल, जो ट्रॉली धर्मकांटे से सीधे तुलकर आ रही है, उसमें से प्रति क्विंटल 500 ग्राम कम की रसीद किसान को दी जाती है। यानी एक ट्रॉली में 50 क्विंटल गेहूं होता है, तो 25 किलो कम बताकर रसीद दी जाती है। ऐसे पूरे दिन में 50 ट्रॉली अनाज डंप हो रहा है। 12.50 क्विंटल गेहूं गायब कर दिया जाता है। सवाल उठ रहे हैं कि जब अनुमति नहीं है तो फिर किसका गेहूं गोडाउन में डंप हो रहा है? किसान की हर ट्रॉली से गायब होने वाला गेहूं कहां जाता है? सोसायटी का काम निगरानी करने का है तो फिर इतनी डॉपिंग कैसे हो रही? नियमानुसार प्रत्येक किसान के गेहूं की बोरी की जियो टैगिंग होती है तो फिर एक साथ मिक्स करने पर कैसे पता चलेगा कि कौन सा गेहूं किस किसान का है? मौके पर सर्वेयर भी जांच करते नहीं मिले तो फिर गेहूं की गुणवत्ता जांचे बिना कैसे खरीदी हो रही है।

गोदामों में गेहूं के ढेर लगे

गेहूं खरीदी में चल रहे फर्जीवाड़े का आकलन इसी से किया जा सकता है कि कई गोदामों में गेहूं के ढेर लगे हुए हैं। निषिता वेयरहाउस, तामोट के गोदाम में गेहूं के ढेर लगे थे। कुछ जगह हम्माल बैठकर बोरी भर रहे थे। ऑनर प्रदीप सिंह सेंगर ने का कहना है कि नियमानुसार तुलाई की रही है। श्री वेयरहाउस, खिड्ढी खेड़ाके भीतर सिर्फ गेहूं के ढेर थे। एक-दो जगह हम्माल गेहूं बोरी में भर रहे थे। ऑनर श्रद्धा त्रिपाठी से जब पूछा कि सीधे धर्मकांटे से तुलवाकर क्या गेहूं एकत्रित कर सकते हैं, तो कहा- हां हम ऐसा कर सकते हैं।निहाल वेयर हाउस, औबेदुल्लागंज में धर्मकांटे पर गेहूं तुलवाकर खाली कराया जा रहा था। ऑनर पंकज कोठारी ने कहा- सब जगह ऐसा ही हो रहा है। कांति वेयरहाउस तामोट सोसायटी के अंतर्गत आने वाला यह वेयरहाउस श्याम सिंह चौहान का है। इसके पास खेत में हजारों क्विंटल गेहूं का ढेर लगा हुआ है। इस सोसायटी के प्रबंधक अनिल सेन से बात की तो बोले- किसान डाल गए। नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक राजू कातुलकर का कहना है कि गेहूं इस तरह से डंप नहीं करवा सकते हैं।

किसानों के आरोप

किसानों का आरोप है कि अफसरों को जांच कर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना चाहिए। ताकि आम किसानों को राहत मिल सके। वैसे ही खरीदी में देरी हुई और ऊपर इस तरह से अतिरिक्त गेहूं की डिमांड से किसानों को नुकसान हो रहा है। किसानों का आरोप है कि एक क्विंटल पर एक किलो ज्यादा गेहूं की मांग की जा रही है। ट्रॉली पर 50 से 60 किलो ज्यादा गेहूं लिया जा रहा है। प्रति ट्रॉली 25 किलो कटौती का आरोप- बैरसिया के ग्राम भोजपुरा के किसान लक्ष्मीनारायण गुर्जर ने सिद्धी विनायक वेयरहाउस के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर ट्रॉली पर 25 किलो गेहूं अतिरिक्त लिया जा रहा है। इस मामले की भी खाद्य विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं।

जल संचय की नई पहल, खंडवा में 1.05 लाख रिचार्ज पिट तैयार

-बरसात का जल इन संरचनाओं के जरिए समाएगा जमीन में

भोपाल। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में जल संकट से निपटने के लिए प्रशासन ने बड़ी पहल की है। 'जल संचय जनभागीदारी-2.0' अभियान के तहत जिलेभर में 575 सड़कों के किनारे करीब 1.05 लाख रोड साइड रिचार्ज पिट बनाए गए हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से इस बारिश के मौसम में लगभग 60 करोड़ लीटर पानी जमीन में समाने का अनुमान है।

जिला प्रशासन के अनुसार, एक बार में इन रिचार्ज पिट्स की कुल क्षमता करीब 20 करोड़ लीटर है, लेकिन पूरे मानसून सीजन में इनका उपयोग कई बार होने से कुल जल संचय क्षमता बढ़कर 60 करोड़ लीटर तक पहुंच सकती है। यह पहल गिरते भूजल स्तर को सुधारने और भविष्य के जल संकट को कम करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

इस संबंध में मीडिया को जानकारी दे रहे जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि रिचार्ज पिट एक छोटा लेकिन प्रभावी ढांचा होता है, जो बारिश के पानी को बहने से रोककर सीधे जमीन में पहुंचाता है। इससे पानी का संरक्षण होता है और भूजल स्तर में सुधार होता है।

इसके साथ ही जिले में कंटूर ट्रेंच और सोख्ता पिट जैसे अन्य जल संरक्षण कार्य भी किए गए हैं, ताकि वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। प्रशासन का लक्ष्य है कि स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़कर स्थायी समाधान तैयार किया जाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की पहल न केवल पानी की उपलब्धता बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी मदद करती है। खंडवा जिले का यह मॉडल अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक बन सकता है, जहां जल संकट एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

प्रदेश के सभी 10 संभागों में आज कांग्रेस जवाब देने उतरेगी

महिला आरक्षण को लेकर भाजपा सरकार पर साधेंगे निशाना

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस द्वारा भोपाल सहित प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालय पर सोमवार को महिला आरक्षण विधायक पर अपना जवाब रखा जाएगा। इसके माध्यम से केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा जाएगा।

महिला आरक्षण विधायक के लोकसभा में गिर जाने के बाद अब राजनीति तेज हो गई है। एक तरफ जहां भाजपा द्वारा आंदोलन प्रदर्शन किया जा रहा है तो दूसरी तरफ कांग्रेस भी मैदान में उतर रही है। कल सोमवार को कांग्रेस की ओर से प्रदेश के सभी 10 संभागीय मुख्यालयों पर महिला कांग्रेस नेताओं की पत्रकारवार्ता रखी गई है। इसके माध्यम से इन नेताओं द्वारा महिला आरक्षण विधेयक पर कांग्रेस की रीति-नीति को स्पष्ट किया जाएगा। पूरे प्रदेश में सोमवार सुबह 11 बजे एक साथ 10 स्थानों पर पत्रकारवार्ता होगी। इसमें प्रदेश की राजधानी भोपाल में अभा महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष शोभा ओझा चर्चा करेंगी तो इंदौर में मप्र महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया द्वारा चर्चा की जाएगी। ग्वालियर में रश्मि पवार तो जबलपुर में ज्योति पटेल कांग्रेस का पक्ष रखेंगी।

महिला नेताओं ने किया फेसबुक लाइव

कल शाम को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस द्वारा जारी किए गए निर्देश के परिणामस्वरूप देश के सभी प्रदेशों की महिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा फेसबुक लाइव पर जाकर महिला आरक्षण विधेयक पर अपनी बात रखी गई। मध्य प्रदेश से रीना बोरासी सेतिया ने फेसबुक लाइव पर जाकर महिला आरक्षण नहीं होने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया।

नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन के बदल रहे नियम, 12वीं के रिजल्ट के आधार पर होगा एडमिशन

कम नंबर्स के स्टूडेंट्स के लिए बढ़ेंगी मुश्किलें

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन की प्लानिंग करने वाले स्टूडेंट्स के लिए खुशी की खबर है। नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए जनरल नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट यानी जीएनएसटी की व्यवस्था खत्म करने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश में नर्सिंग के एडमिशन सिलेक्शन टेस्ट के आधार पर न कराकर 12वीं के अंकों के आधार पर मैरिट तैयार कर कराए जाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए राज्य शासन नए नियमों को लेकर समीक्षा कर रही है।

प्रदेश में नर्सिंग के एडमिशन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। हालांकि अब राज्य शासन नर्सिंग कॉलेजों की गुणवत्ता और इनमें शिक्षा के स्टेंडर्ड को बढ़ाने और कॉलेजों में पर्याप्त छात्र संख्या को बढ़ाने के लिए नियमों में बदलाव करने जा रही है। कॉलेजों में एडमिशन की व्यवस्था को इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियमों के अनुसार किए जाने की तैयारी की जा रही है। नियमों में बदलाव को लेकर एक दिन पहले अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने इसको लेकर समीक्षा बैठक बुलाई, इसमें आगामी शैक्षणिक सत्र से इंडियन नर्सिंग काउंसिग की तर्ज पर एक तरह के नियम लागू करने पर विचार किया गया। अभी मध्य प्रदेश में तीन साल के जीएनएम कोर्स में एडमिशन के लिए जीएनएसटी परीक्षा के जरिए ही कॉलेजों में एडमिशन किए जाते हैं। यह परीक्षा मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित कराई जाती है।

जनरल नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट यानी जीएनएसटी एग्जाम के लिए स्टूडेंट्स को 12 वीं परीक्षा के साथ-साथ इस परीक्षा के लिए भी तैयारी करनी पड़ती है। इसमें बेहतर नंबर आने के बाद ही सरकारी और दूसरे कॉलेजों में एडमिशन मिलता है। हालांकि यदि 12 वीं के अंकों के आधार पर एडमिशन की व्यवस्था लागू हुई तो स्टूडेंट्स को अलग से परीक्षा नहीं देनी होगी। बेहतर अंक लाने वाले स्टूडेंट्स की मैरिट बनेगी और इसके आधार पर ही कॉलेजों में एडमिशन होंगे। हालांकि इसकी व्यवस्था किस तरह की होगी, इस पर विचार किया जा रहा है। कई राज्यों में नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन नीट के अंकों के आधार पर ही होते हैं।

परफॉर्मेंस पर निगरानी, कई जिलों में होगी सर्जरी

-चार दिन की मैराथन बैठक के बाद कांग्रेस का बड़ा एक्शन प्लान

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में चार दिन तक चली लंबी और गहन बैठकों ने संगठन की तस्वीर बदलने की दिशा तय कर दी है। बैठक में जिले-दर-जिले रिपोर्ट, जमीनी फीडबैक और कार्यप्रणाली की गहराई से समीक्षा के बाद एक बड़ा एक्शन प्लान तैयार किया गया है, जिसका असर अब दिखाई देगा। इन बैठकों में हर जिले की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन की सक्रियता, स्थानीय स्तर पर कार्यक्रमों की स्थिति, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और नेतृत्व की प्रभावशीलता जैसे मुद्दों को केंद्र में रखा गया। खास तौर पर जिलाध्यक्षों के कामकाज का विस्तृत परफॉर्मेंस रिव्यू किया गया, जिसमें यह देखा गया कि किस जिले में संगठन मजबूत है और कहां पर अपेक्षित काम नहीं हो पाया। बैठकों से मिली रिपोर्ट के आधार पर यह साफ हुआ कि कई जिलों में संगठनात्मक गतिविधियां कमजोर पड़ी हैं। इसी के चलते पार्टी ने जिलाध्यक्षों में बदलाव की प्रक्रिया शुरू की है, और जहां प्रदर्शन लगातार कमजोर पाया गया है, वहां हटाने तक की तैयारी की जा रही है। यह कदम साफ संकेत देता है कि अब जिम्मेदारी सिर्फ पद नहीं, बल्कि प्रदर्शन से तय होगी। चार दिन तक चली इस मैराथन बैठक में हर जिले को अलग-अलग लेकर चर्चा की गई।

आगे का रोडमैप

- जिलेवार परफॉर्मेंस की नियमित समीक्षा
- कमजोर जिलों में तत्काल बदलाव
- ब्लॉक और बूथ स्तर तक संगठन को री-एक्टिव करना
- कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संवाद और फील्ड एक्टिविटी बढ़ाना
- स्थानीय मुद्दों पर संगठन की तेज प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना

पूर्व मुख्यमंत्री ने 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को दी बधाई

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि सफल विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन से यह सफलता प्राप्त की है, जो न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मैं सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जो विद्यार्थी इस बार अपने अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं कर सके हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूँ कि निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जीवन में सफलता का मार्ग केवल एक परीक्षा से तय नहीं होता। असफलता हमें सीखने और आगे बेहतर करने का अवसर देती है।

उन्होंने परीक्षा में बेहतर न कर पाने वाले छात्रों से आग्रह किया है कि हिम्मत बनाए रखें, अपनी कमियों को पहचानें और पहले से अधिक मेहनत एवं एकाग्रता के साथ आगे बढ़ें। निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से ही सफलता प्राप्त होती है।

नहरों पर अब टेक्नोलॉजी का पहरा

सीसीटीवी से होगी निगरानी, पानी बंटवारे में मनमानी पर रोक

भोपाल। हरदा जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग फसल की सिंचाई को लेकर बढ़ते विवादों के बीच जल संसाधन विभाग ने सख्त और तकनीकी कदम उठाए हैं। अब नहरों पर 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी, साथ ही संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती भी की जाएगी। इस निर्णय का उद्देश्य पानी का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित करना और किसानों के बीच तनाव कम करना है। दरअसल पिछले कुछ समय से नहरों से पानी लेने को लेकर कई जगहों पर विवाद की स्थिति बन रही थी। किसानों द्वारा मनमाने तरीके से पानी लेने और बारी व्यवस्था का उल्लंघन करने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए विभाग ने सख्ती बढ़ाते हुए तकनीक का सहारा लिया है। जानकारी के अनुसार हंडिया ब्रांच कैनाल और एलबीसी क्षेत्र की चुनिंदा माइनरों पर सोलर सिस्टम से संचालित सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्रत्येक कैमरे पर करीब 36 हजार रुपये खर्च किए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से नहरों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता होने पर तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी। इसके अलावा जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एचबीसी और एलबीसी क्षेत्र के लगभग 20 संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात करने की मंजूरी दी है। जल्द ही माइनरों के किनारों पर पुलिस जवानों की तैनाती शुरू की जाएगी, ताकि विवाद की स्थिति को मौके पर ही नियंत्रित किया जा सके।

देश की जनता अब जुमलों और भ्रम से आगे बढ़ चुकी है और वास्तविक मुद्दों पर जवाब चाहती है- जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतूपटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश की जनता अब जुमलों और भ्रम से आगे बढ़ चुकी है और वास्तविक मुद्दों पर जवाब चाहती है।

उन्होंने कहा कि देश का हर राजनीतिक दल महिला आरक्षण के मुद्दे पर एकमत है, लेकिन केंद्र सरकार इस महत्वपूर्ण विषय को राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग कर रही है। 2023 में वर्ष सर्वसम्मति से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आज तक लागू नहीं किया गया, जबकि हाल ही में जारी अधिसूचना के बाद इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए।

पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण के मुद्दे की आड़ में परिसीमन को जोड़कर अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है। उन्होंने कहा कि परिसीमन को इस तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे सरकार को मनमानी की छूट मिल सके और जातिगत जनगणना के आंकड़ों से बचा जा सके। यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी और पूरा विपक्ष महिलाओं को 33 आरक्षण देने के पक्ष में पूरी मजबूती से खड़ा है, लेकिन लोकतंत्र और संविधान के साथ किसी भी प्रकार के समझौते का समर्थन नहीं किया जा सकता।

पटवारी ने प्रधानमंत्री से सवाल करते हुए कहा कि देश आज गंभीर आर्थिक और नीतिगत चुनौतियों से जूझ रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट क्यों हो रही है?

महंगाई लगातार क्यों बढ़ रही है?

बेरोजगारी चरम पर क्यों है?

विदेश नीति क्यों कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है?

उन्होंने कहा कि इन ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय को बार-बार उठाया जा रहा है।

पटवारी ने कहा कि यदि सरकार की नीयत साफ है, तो 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून के तहत महिलाओं को 33 आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। आरक्षण की इस प्रक्रिया में ह्यक्त वर्ग की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए, उन्होंने यह भी कहा कि 543 लोकसभा सीटों के वर्तमान ढांचे में ही आरक्षण लागू किया जा सकता है, जिसे बाद में जनगणना और परिसीमन के पश्चात बढ़ाया जा सकता है। पटवारी ने कहा कि हाल ही में संसद में लाया गया संशोधन विधेयक, जिसमें महिला आरक्षण को परिसीमन और पुरानी जनगणना से जोड़ा गया था, वह गिर गया। यह देश के लोकतंत्र और उसकी अखंडता की जीत है।

नारी के अपमान को देश नहीं भूलेगा

महिला आरक्षण पर कल भाजपा की आक्रोश रैली, विस का एक दिवसीय सत्र होगा; सीएम मोहन बोले

भोपाल। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण विधेयक) पारित नहीं हो पाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस को घेरने की रणनीति बनाई है। पार्टी का कहना है कि महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय हुआ है और अब इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाया जाएगा। राज्य के सभी संभागों और जिलों में प्रदर्शन, रैलियां, पदयात्राएं और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएंगी। पंचायत और नगरीय निकाय स्तर पर भी प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। रविवार को भोपाल प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि इस विषय पर विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाने की तैयारी है, जिसमें महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस मुद्दे को जनता की अदालत में लेकर जाएंगे। जन-जन तक बात को पहुंचाएंगे। सोमवार को आक्रोश रैली निकाली जाएगी। हम बहनों को उनका अधिकार दिलाकर रहेंगे और जिन्होंने गलत किया है, उनका पर्दाफाश करेंगे। आने वाले दिनों में जिलों में प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की जाएंगी। हम रुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि संसद में जो घटनाक्रम हुआ, वह लोकतंत्र के लिए दुखद और निंदनीय है।

देश के लोकतंत्र में 18 तारीख एक ऐसा दिन है, जिसे देश की नारी शक्ति हमेशा याद रखेगी- बीडी शर्मा

भोपाल/पन्ना। विगत 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्रमें नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न होन को लेकर भाजपा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा ने इसके लिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी(सपा),तृणमूल कांग्रेस(टीएमसी) एवं द्रविण मुनेंद्र कषगम (डीएमके) जैसे राजनीतिक दलों को जिम्मेदार बताया है। शर्मा ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि देश के लोकतंत्र में 18 तारीख एक ऐसा दिन है, जिसे देश की नारी शक्ति हमेशा याद रखेगी

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोकसभा के अंदर नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया गया था। देश की लोकसभा ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का जो संकल्प लिया था, उसे व्यवहारिक रूप से जमीन पर उतारने का प्रयास हमारी सरकार कर रही थी। मातृशक्ति को अधिकार संपन्न बनाने का काम इस बिल के माध्यम से, लोकसभा के विशेष सत्र में करने का प्रयास किया गया। लेकिन दुर्भाग्य है कि कांग्रेस और अन्य परिवारवादी राजनीतिक पार्टियाँ—चाहे वह टीएमसी हो, डीएमके हो या समाजवादी पार्टी—जो हमेशा से महिला आरक्षण का विरोध करती आई हैं, उन्होंने अपने उसी चरित्र को लोकसभा के अंदर भी दिखाया। आँकड़ों के मायाजाल में उलझाकर उन्होंने इस बिल को पारित नहीं होने दिया। दुर्भाग्य इस बात का भी है कि जब यह बिल पारित नहीं हुआ, तो कांग्रेस के लोग खुशी मना रहे थे और तालियाँ बजा रहे थे। यह बिल महिलाओं को देश की निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देने के लिए था। देश के प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इसे प्रस्तुत करके यह प्रयास किया। लेकिन कांग्रेस और अन्य परिवारवादी दलों को इस बात की खुशी थी कि महिलाओं को आरक्षण नहीं मिला। यह देश की संपूर्ण नारी शक्ति का अपमान है। यह देश की विकास यात्रा में बाधा डालने का प्रयास है।

शर्मा ने कहाकि देश की 50 प्रतिशत आबादी—हमारी माताएँ और बहनें—अब तैयार हैं। वे अब घर बैठने वाली नहीं हैं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए मैदान में उतर चुकी हैं। लेकिन उनके अधिकारों और विकास की यात्रा को रोकने का जो प्रयास किया गया है, वह नारी शक्ति का अपमान है इस अपमान का जवाब देश की महिलाएँ जरूर देंगी। उन्होंने कहा कि आज जो आप देख रहे हैं—देश के हर कोने से आई हुई बहनें—वे इस दोहरे चरित्र को समझ चुकी हैं। कांग्रेस, राहुल गांधी और अन्य विपक्षी दलों के इस व्यवहार का जवाब देश की महिलाएँ गाँव-गाँव और घर-घर में देंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संकल्प मजबूत है, हमारा आत्मविश्वास बुलंद है।उन्होंने माताओं और बहनों से कहा कि यदि अभी उन्हें अधिकार नहीं मिल पाए, तो इसका कारण विपक्ष की देशविरोधी और महिला-विरोधी मानसिकता है।

सक्रिय कार्यकर्ताओं को मिलेगी 'जिम्मेदारी'

भोपाल । मप्र में भाजपा एक बार फिर से चुनावी मोड में आ गई है। पार्टी आगामी निकाय और पंचायत चुनावों की तैयारियों में जुट गई है। भाजपा ने संगठन को मजबूत करने के लिए 1500 से अधिक सक्रिय कार्यकर्ताओं को पद देने की योजना तैयार की है। यह कदम कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां देकर संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय रखने और ट्रिपल इंजन सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उठाया जा रहा है। प्रदेश कार्य समिति, जिला स्तर, निगम-मंडल, और विभिन्न प्रकोष्ठों में रिक्त पदों पर कार्यकर्ताओं का समायोजन किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार पार्टी का उद्देश्य निकाय और पंचायत चुनावों में जीत हासिल कर 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत जमीन तैयार करना है। कार्यकर्ताओं को बूथ जीतो-चुनाव जीतो का मंत्र दिया जा रहा है और बूथ प्रबंधन को मजबूत करने पर जोर है। संगठन में युवा, महिला, और अन्य वर्गों को नए चेहरों के रूप में अवसर दिए जाने की तैयारी है। माना जा रहा है कि नगर निगमों में होने वाली नियुक्तियां आगामी चुनावी समीकरणों को सीधे प्रभावित कर सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, एल्डरमैन की नियुक्ति केवल संगठन विस्तार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह स्थानीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व तैयार करने की रणनीति का हिस्सा भी है। मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति आमतौर पर प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की समझ के आधार पर की जाती है। हालांकि ये मनोनीत सदस्य परिषद की बैठकों में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें मतदान का अधिकार प्राप्त नहीं होता।

सत्ता-संगठन में हो चुकी है चर्चा

मप्र में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने राजनीतिक और संगठनात्मक नियुक्तियों की प्रक्रिया तेज कर दी है। पार्टी अब एल्डरमैन नियुक्तियों को प्राथमिकता देते हुए जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश में अगले कुछ दिनों के भीतर करीब 1500 से अधिक सक्रिय कार्यकर्ताओं को विभिन्न पदों पर नियुक्त करने की तैयारी है। इस रणनीति के तहत 200 से अधिक नगरीय निकायों में एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे, वहीं 500 से अधिक सरकारी कॉलेजों की जनभागीदारी समितियों में भी नियुक्तियां प्रस्तावित हैं। इन नियुक्तियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच अंतिम दौर की बैठक भी हो चुकी है, जिससे संकेत मिलते हैं कि प्रक्रिया जल्द ही जमीन पर दिखाई देगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में कुल 768 एल्डरमैन की नियुक्ति की जा चुकी है। इनमें 123 नगर परिषदों में चार-चार और 46 नगर पालिकाओं में छह-छह एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। हालांकि, अभी नगर निगमों में एल्डरमैन नियुक्ति लंबित है, जिसे राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच, संगठन ने नियुक्तियों को लेकर सख्त दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

आज होगा गुजरात और मुम्बई का मुकाबला

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। शुभमन गिल की कप्तानी में उतर रही गुजरात ने शुरुआती झटकों से वापसी करते हुए पिछले तीन मैचों में शानदार जीत हासिल की है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के पास बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्श और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज जबकि गेंदबाजी मे प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा राशिद खाना जैसे गेंदबाज हैं। दूसरी ओर हार्दिक पांड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। जिससे टीम दबाव में है और वह किसी भी हाल में इस मैच में जीत चाहेंगी। टीम की बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी है जिसे उसे दूर करना होगा। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा चोटिल होने के कारण ये मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के पास सूर्यकुमार याद जैसे बल्लेबाज और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उसका अब तक का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अपने पिछले पांच मैचों में से चार हारी है। वह घरेलू मैदान में गुजरात टाइटंस का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। यहां उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए चारों मैच जीते हैं, जिससे इस मुकाबले में गुजरात को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। अब तक दोनो के बीच 5 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 5 गुजरात जबकि 3 मुम्बई ने जीते हैं।

इस मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अच्छी है। ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यहां का औसत स्कोर 200 के करीब है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

गुजरात टाइटंस

शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा

मुंबई इंडियंस

हार्दिक पांड्या (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, शेरफेन रदरफोर्ड, नमन धीर, मिचेल सैंटनर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह

चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर का कार्यकाल बढ़ा सकती है बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाला बढ़ाया जाना तय नजर आता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए अगरकर का करार एक साल बढ़ा सकती है। अगरकर का कार्यकाल इसी साल जून में समाप्त होने वाला है। बोर्ड का मानना है कि विश्वकप से पहले चयन समिति में कोई बदलाव नहीं होना चाहिये। बीसीसीआई अगरकर की उपलब्धियों से भी संतुष्ट है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने आईसीसी टी20 विश्वकप के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। वहीं टीम 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी। बोर्ड के एक अधिकारी के अनुसार अगरकर के कार्यकाल में टीम में तेजी से बदलाव हुआ और कई कठिन फैसले बिना किसी दबाव के लिए गये। जिससे बोर्ड प्रभावित है। ऐसे में बोर्ड के अंदर सभी चाहते हैं कि विश्वकप से पहले चयन समिति में बदलाव ठीक नहीं रहेगा।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार का पद खतर में है। सूर्या ने टीम को जीत दिलायी है पर रन नहीं बनाये हैं, ऐसे में उनकी बल्लेबाजी को लेकर बोर्ड संतुष्ट नहीं है। ऐसे में जून-जुलाई में होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे में सूर्यकुमार को हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। यह दौरा तय करेगा कि उन्हें 2028 तक टीम की योजनाओं में शामिल रखा जाएगा या नहीं। खासकर उनकी बल्लेबाजी पर ज्यादा नजर रहेगी।

बेटे के पिता बने अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान

कोलकाता। आईपीएल में गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान एक बेटे के पिता बने है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बेटे अजलान के जन्म की घोषणा की। इसके बाद से ही उन्हें प्रशंसकों की और से बधाईयां मिलने लगीं। इस दौरान ने खेल के मैदान में भी अच्छी सफलता हासिल की।

केकेआर के खिलाफ मैच में उन्होंने कैमरन ग्रीन को विकेट लेकर केकेआर को 180 रन पर समेट दिया। ग्रीन ने 79 रन बनाये। वहीं शुभमन गिल ने सबसे अधिक 86 रन बनाये। जोस बटलर के फिनिशिंग शॉट्स की ब्दौलत गुजरात टाइटंस ने यह मैच 5 विकेट से अपने नाम किया।

हिंगे सहित सभी गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से हैदराबाद ने पलटी बाजी

हैदराबाद। प्रफुल्ल हिंगे सहित सभी सभी गेंदाबाजों के अच्छे प्रदर्शन से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम ओवर में सीएसके के हाथों से मैच निकल गया। इस मैच में सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा की 22 गेंद में 59 रनों की आक्रामक पारी और हेनरिक क्लासेन के 39 गेंद पर 59 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद 195 रन का पीछा करते हुए सीएसके 20 ओवरों में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई।

मैच का फैसला अंतिम दो ओवरों में हुआ। इसमें सीएसके को जीत के लिए 30 रन बनाने थे। उसने 19 वें ओवर में 12 रन बनाये। इस प्रकार उसे अंतिम ओवर में 18 रन बनाने थे। ऐसे में प्रफुल्ल ने ने केवल 7 रन देकर अपनी टीम हैदराबाद को जीत दिला दी। हैदराबाद के गेंदबाजों ने बीच के ओवर्स में अच्छी गेंदबाजी कर सीएसके के हाथों से जीत छीन ली। मैच में 195 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की और से मैट शॉर्ट ने 34 व आयुष म्हात्रे ने 30 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की। वहीं बीच के ओवरों में सीएसके के गेंदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी कर हैदराबाद के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया। ईशान मलिंगा और नितीश कुमार रेड्डी ने मध्य क्रम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। मलिंगा ने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट जबकि नितीश कुमार रेड्डी ने 31 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं शिवांग कुमार ने 3 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 1 विकेट लिया। हिंगे के अलावा अंतिम ओवरों में साकिब हुसैन ने भी कसी हुई गेंदबाजी कर सीएसके पर दबाव बढ़ा दिया था। साकिब ने 17वें ओवर में केवल 6 रन देकर ऑलराउंडर शिवम दुबे को आउट कर सीएसके की जीत की उम्मीद तोड़ दी।

रुतुराज ने सनराइजर्स से हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

हैदराबाद (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल में लगातार दूसरी हार पर निराशा जतायी है। सीएसके को सनराइजर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 10 रनों से हार का सामना करना पड़ा है।रुतुराज ने हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई.

रुतुराज ने कहा कि हमारी टीम के गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन किया पर मध्यक्रम के अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं ले पाये। उन्होंने कहा, जिस प्रकार से सनराइजर्स ने बल्लेबाजी की उससे लगा कि वे पावरप्ले में 220 से 230 रन बना सकते हैं पर वह उससे करीब 30 रन बना पाये। इससे साफ है कि गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाई। हम उनको उम्मीद से करीब 30 रन कम पर रोकने में सफल रहे। 200 से कम का स्कोर हम हासिल कर सकते थे। इस मैच में सीएसके की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए संभल नहीं पायी। बीच-बीच में विकेट गिरने से टीम की रन गति पर अंकुश लगा रहा। इस कारण उसे अंतिम ओवरों में जीत के लिए काफी रन बनाने थे। सीएसके की टीम 8 विकेट पर 184 रन ही बन पायी।

सीएसके के कप्तान ने कहा कि पारी के बीच में ही रनगति कम होने से मैच हमारे हाथ से निकल गया। उन्होंने कहा, अंतिम 10 ओवर में 80 रन चाहिए थे। वहां से दो-तीन साझेदारियां बनती तो टीम जीत के करीब पहुंचती पर ऐसा नहीं हुआ। पिछले तीन मैचों से गेंदबाजी यूनिट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आज भी पावरप्ले में सनराइजर्स के अभिषेक ने अच्छी बल्लेबाजी की पर हमारे गेंदबाजों ने उसे खुलकर खेलने नहीं दिया। उन्होंने विशेष रुप से अंकुल कम्बोज की गेंदबाजी को सराहा।

आयुष म्हात्रे को चोट के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतारा जाना गलत - अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को चोट के बाद भी बल्लेबाजी के लिए भेजने पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम प्रबंधन को आड़े हाथों लिया है। अश्विन के अनुसार सीएसके टीम इस प्रकार खिलाड़ियों की फिटनेस से खेल रही है। अश्विन ने ये बात बल्लेबाज आयुष को फिट नहीं होने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में बल्लेबाज के लिए भेजने को लेकर उठायी। अश्विन के अनुसार आयुष को खड़े रहने में परेशानी हो रही थी फिर भी टीम प्रबंधन ने उन्हें खेलने के लिए भेजा। इस प्रकार किसी खिलाड़ी की फिटने को खतरे में डालना बेहद नुकसानदेह है। चोटिल खिलाड़ी को कोच और कप्तान बाहर बुला सकते थे पर ऐसा नहीं किया गया।

इससे अश्विन बेहद नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि म्हात्रे भारी नी स्ट्रैप पहनकर बल्लेबाजी करने उतरे थे। पिछले कुछ मैचों में उन्हें कार्यभार प्रबंधन के तहत इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया था। पावरप्ले के दौरान ही वह विकेटों के बीच दौड़ते समय पर लंगड़ाते दिखे। फिजियो ने मैदान पर आकर उनका इलाज किया, पर उन्हें बल्लेबाजी जारी को कहा गया। .

स्थिति तब और बिगड़ गई जब कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने उन्हें एक रन लेने को कहा। ऐसे में म्हात्रे दौड़ने के समय दर्द में दिखे। वह किस प्रकार रनआउट होने से बचे। अगली ही गेंद पर वह शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गये। आयुष ने 17 गेंद पर 30 रन बनाये।

इसी को लेकर पूर्व स्पिनर ने सीएसके प्रबंधन पर निशाना साधा। साथ ही कहा 卐आयुष म्हात्रे की चोट कैसी है मुझे नहीं पता पर उम्मीद है कि वह जल्द मैदान पर फिट होकर लौटेंगे। जिस प्रकार व मैदान पर लंगड़ाते दिखे उससे मुझे डर है कि वह कुछ समय के लिए बाहर भी हो सकते हैं. जब वह बल्लेबाजी करने आए, तो उनके घुटने पर पट्टी बंधी थ। पिछले 2-3 मैचों से वह इम्पैक्ट सब के तौर पर खेल रहे हैं, लोग पूछ रहे हैं, 'वह इम्पैक्ट प्लेयर क्यों हैं? क्या वह अच्छे फील्डर नहीं हैं?' उनकी चोट चिंता का विषय रही है।

'उन्हें रिटायर्ड हर्ट कर देना चाहिए था'

अश्विन ने मेडिकल टीम के इस युवा बल्लेबाज को खिंचाव होने की बात कहने पर भी सवाल उठाए। 卐यह खिंचाव नहीं हो सकता, क्योंकि उन्होंने फील्डिंग ही नहीं की थी। अगर फील्डिंग न करने के बावजूद क्रैम्प आ गया, तो उनकी हाइड्रेशन देखनी होगी। चलिए मान लेते हैं कि यह चोट थी। फिजियो आकर देख चुके थे, वह बुरी तरह लंगड़ा रहे थे, फिर भी उन्हें एक और गेंद खेलने और विकेटों के बीच दौड़ने के लिए कहा गया जबकि उन्हें रिटायर्ड हर्ट कर दिया जाना चाहिये था।

आईपीएल 2026 : महंगा दांव लगाने के बावजूद फ्लॉप रहे ये विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग हर साल दुनिया भर के क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा मंच साबित होती है, जहाँ वे न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि मोटी कमाई भी करते हैं। मिनी ऑक्शन के दौरान टीमें विदेशी खिलाड़ियों पर बड़ा दांव खेलती हैं, क्योंकि वे मैच का पासा पलटने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, हर बार यह दांव सफल नहीं होता। आईपीएल 2026 में भी कुछ ऐसे विदेशी खिलाड़ी रहे हैं, जिन पर उनकी फ्रैंचाइजी ने करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन वे मैदान पर अपनी कीमत के अनुरूप प्रदर्शन करने में बुरी तरह विफल साबित हुए। आइए देखते हैं आईपीएल 2026 में अब तक के सबसे फ्लॉप विदेशी खिलाड़ियों की सूची।

इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन का नाम है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नीलामी में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये की अविश्वसनीय बोली लगाकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था। यह रकम उनके ऑलराउंड प्रदर्शन, खासकर तेज गेंदबाजी और शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी में उनकी क्षमता को देखते हुए खर्च की गई थी। हालांकि, ग्रीन का प्रभाव केकेआर के लिए लगभग नगण्य रहा है। वे न तो बल्ले से अपेक्षित रन बना पाए और न ही अपनी गेंदबाजी से विकेट निकाल पाए, जिससे टीम को भारी नुकसान हुआ। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद उनसे मैच जिताऊ प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वे पूरी तरह से फ्लॉप रहे हैं, जिससे फ्रैंचाइजी को भारी निराशा हुई है।

दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के स्टार खिलाड़ी निकोलस पूरन हैं। वेस्टइंडीज के इस विस्फोटक बल्लेबाज को लखनऊ ने 21 करोड़ रुपये की बड़ी रकम पर रिटेन किया था। पूरन अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और बड़े शॉट्स लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, खासकर डेथ ओवरों में। लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। बार-बार बैटिंग ऑर्डर में बदलाव और दबाव के चलते पूरन अब तक खेले गए 5 मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना पाए हैं। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे मध्यक्रम में स्थिरता प्रदान करेंगे और तेजी से रन बटोरेंगे, लेकिन वे टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं।

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन भी आईपीएल 2026 में अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे हैं। अपनी पावर-हिटिंग और लेग-स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर लिविंगस्टोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये की मोटी रकम पर खरीदा था। हालांकि, इस सीजन में उनकी हालत यह रही कि उन्हें सिर्फ एक मैच में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने मात्र 14 रन बनाए। एक ऐसे खिलाड़ी पर इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद अगर वह टीम की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पा रहा है या मौका मिलने पर प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, तो यह फ्रैंचाइजी के लिए चिंता का विषय है। गुजरात टाइटंस के उप-कप्तान और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लेग-स्पिनरों में से एक राशिद खान भी इस सीजन में अपने नाम और प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गुजरात ने उन्हें 18 करोड़ रुपये की भारी रकम पर रिटेन किया था, क्योंकि वे गेंद और बल्ले दोनों से मैच जिताने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, इस सीजन में उनके प्रदर्शन पर नजर डालें तो वे चार मैचों में गेंदबाजी में सिर्फ 5 विकेट ही ले पाए हैं और बल्लेबाजी में उनके नाम सिर्फ 24 रन दर्ज हैं। राशिद के मानकों के हिसाब से यह प्रदर्शन काफी औसत है, और उनसे हमेशा उम्मीद की जाती है कि वे लगातार विकेट निकालेंगे और निचले क्रम में महत्वपूर्ण रन बनाएंगे, जिसमें वे इस सीजन में थोड़े पिछड़ते नजर आ रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स भी आईपीएल 2026 में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। स्टब्स को दिल्ली कैपिटल्स ने 10 करोड़ रुपये की बड़ी रकम पर रिटेन किया था, ताकि वे टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकें और अंत के ओवरों में तेजी से रन बना सकें। लेकिन इस सीजन में स्टब्स अब तक 4 मैचों में सिर्फ 109 रन ही बना पाए हैं। एक फिनिशर के तौर पर उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर मैच में प्रभावशाली कैमियो खेलेंगे, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे हैं, जिससे दिल्ली की मध्यक्रम की बल्लेबाजी और मजबूत फिनिश की कमी महसूस की जा रही है। यह सूची दर्शाती है कि आईपीएल कितना अप्रत्याशित है, जहाँ बड़े नामों और महंगी कीमतों के बावजूद प्रदर्शन की गारंटी नहीं होती।

श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगा- रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फॉर्मेट में नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की 35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें किसी को जवाब क्यों देना चाहिए? अपने अंदर की आग को बाहर निकालकर, श्रेयस ने सबको दिखा दिया है कि बेहतरीन होना कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग लगातार सवाल उठाते थे कि वह शॉर्ट बॉल नहीं खेल पाते, लेकिन देखिए उन्होंने जसप्रीत बुमराह को कैसे जवाब दिया, एक शॉर्ट बॉल को फ्रंट प्रेस से मिड-विकेट के ऊपर से छक्का मारकर भेज दिया।

अश्विन ने बताया कि उस समय वह ऑन एयर थे और यह सच में अविश्वसनीय था। उन्होंने कहा कि अय्यर ने चेन्नई के खिलाफ चेपॉक में अपने पहले ही गेम में ऐसा ही शॉट खेला था, जो उनका यह कहने का तरीका है कि तुम चाहते हो कि मैं साबित करूं कि मैं शॉर्ट बॉल खेल सकता हूं? नहीं, मैं तुम्हें कुछ साबित नहीं करूंगा। इसके बजाय, वह खुद को दिखा रहे हैं कि वह कितना काबिल हो सकते हैं और कितना अच्छा करने के लिए मेहनत कर सकते हैं। अश्विन ने कहा कि उनके जैसे क्रिकेटरों को देखकर उन्हें प्रेरणा मिलती है, क्योंकि उन्होंने पूरी जिंदगी खुद से यही कहा है: किसी को जवाब मत दो; बस आगे बढ़ते रहो।

अश्विन ने राष्ट्रीय टी20 टीम में अय्यर की वापसी की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि अगर वह टीम से बाहर रहते हैं और उन्हें लीडरशिप रोल नहीं दिया जाता है, तो नुकसान देश का होगा, खिलाड़ी का नहीं। अश्विन ने कहा कि उनकी रेंज और उनके लीवर्स जबरदस्त हैं; वह शॉट के जरिए गेंद को दूर तक भेजते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि श्रेयस अय्यर को नजरअंदाज करना अपने लिए ही खतरा है। अगर वह टीम में नहीं हैं या लीडरशिप ग्रुप का हिस्सा नहीं हैं, तो नुकसान उनका नहीं, हमारा होगा।

आईपीएल में सबसे ज्यादा जर्सी बदलने वाले खिलाड़ी : एक विस्तृत विश्लेषण

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग, अपनी चकाचौंध, प्रतिस्पर्धा और अप्रत्याशितता के लिए जानी जाती है, जहाँ खिलाड़ी हर साल अपने कौशल और फॉर्म के दम पर टीमों में जगह बनाते हैं। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अपने पूरे करियर में एक ही टीम का प्रतिनिधित्व किया, जैसे विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए और कीरोन पोलार्ड मुंबई इंडियंस के लिए। ये निष्ठा और स्थायित्व के प्रतीक बन गए। हालांकि, आईपीएल में एक दूसरा पहलू भी है, जहाँ खिलाड़ियों को लगातार नई टीमों के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है या उन्हें फ्रैंचाइजी द्वारा रिलीज कर दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वे कई अलग-अलग जर्सी में खेलते हुए नजर आते हैं। यह लेख ऐसे शीर्ष पांच खिलाड़ियों पर प्रकाश डालता है, जिनके नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा टीमों के लिए खेलने का अनोखा रिकॉर्ड दर्ज है। इस सूची में सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एरोन फिंच का है। फिंच की आक्रामक बल्लेबाजी शैली उन्हें हर फ्रैंचाइजी के लिए एक मूल्यवान संपत्ति बनाती थी, लेकिन अजीब बात यह है कि उन्हें किसी भी एक टीम में लंबा समय बिताने का मौका नहीं मिला। अपने आईपीएल करियर में फिंच ने कुल 9 टीमों के लिए मैदान पर कदम रखा, जो एक अद्वितीय रिकॉर्ड है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स (तत्कालीन डेयरडेविल्स), पुणे वॉरियर्स इंडिया, सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों के लिए खेला। हर नीलामी में उन पर दांव लगाया गया, लेकिन टीम की रणनीति, उनके फॉर्म या चोट के कारण उन्हें बार-बार टीम बदलनी पड़ी।

दूसरे स्थान पर भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट का नाम आता है। अपनी विविधता भरी गेंदबाजी और धीमी गेंदों के लिए मशहूर उनादकट भी आईपीएल नीलामी में हमेशा आकर्षण का केंद्र रहे हैं। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे उनादकट अब तक 8 अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी यात्रा कोलकाता नाइट राइडर्स से शुरू हुई और फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स होते हुए सनराइजर्स हैदराबाद तक पहुंची है। उन्हें कई बार मोटी रकम में खरीदा गया, लेकिन वे लगातार अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए, जिसके चलते उन्हें हर सीजन में नई टीम की तलाश करनी पड़ी।

भारतीय टीम के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक और आईपीएल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय मनीष पांडे इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज मनीष पांडे अब तक 7 आईपीएल टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी आईपीएल यात्रा मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से शुरू हुई, जिसके बाद वे पुणे वॉरियर्स इंडिया, कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का हिस्सा बने। पांडे अपनी ठोस बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आईपीएल नीलामी की बदलती गतिशीलता और टीमों की रणनीतियों के चलते उन्हें भी लगातार अपनी जर्सी बदलनी पड़ी।

भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। लंबे कद के इस अनुभवी गेंदबाज ने टेस्ट क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन आईपीएल में उन्हें भी कई टीमों के लिए खेलने का अनुभव रहा है। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा ईशांत अब तक 7 टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी टीमों में कोलकाता नाइट राइडर्स, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, किंग्स इलेवन पंजाब, दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस शामिल हैं। ईशांत की गति और अनुभव हमेशा टीमों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन टी20 प्रारूप में उनकी अनुकूलता ने उन्हें कई बार टीम बदलने के लिए प्रेरित किया।

इस सूची में पांचवां नाम भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर का है, जिन्हें अक्सर लॉर्ड शार्दुल के नाम से जाना जाता है। अपनी तेज गेंदबाजी और निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी के लिए मशहूर शार्दुल भी अब तक 7 आईपीएल टीमों के लिए खेल चुके हैं। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े शार्दुल ने किंग्स इलेवन पंजाब, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस जैसी टीमों के लिए मैदान पर अपना जलवा दिखाया है। शार्दुल की विकेट लेने की क्षमता और मुश्किल परिस्थितियों में रन बनाने की खूबी ने उन्हें हमेशा नीलामी में एक मांग वाला खिलाड़ी बनाया है, बावजूद इसके उन्हें एक टीम में स्थिरता नहीं मिल पाई। इन खिलाड़ियों की लंबी यात्रा आईपीएल की व्यावसायिक और प्रतिस्पर्धी प्रकृति को दर्शाती है। जहां कुछ खिलाड़ी एक टीम के साथ जुड़कर अपना करियर बिताते हैं, वहीं ये खिलाड़ी लगातार नई चुनौतियों और नई टीम परिवेशों का सामना करते रहे हैं, जो उनकी अनुकूलन क्षमता और खेल के प्रति समर्पण को भी दर्शाता है। यह दिखाता है कि आईपीएल में प्रदर्शन, नीलामी और टीम संतुलन किस तरह खिलाड़ियों के करियर को आकार देते हैं।

चुनाव आयोग ने सूची में जोड़े करीब सात लाख नए मतदाता, ममता ने ली राहत की सांस

इससे हर एक सीट पर वोटर की बढ़ेगी संख्या, 23 और 29 अप्रैल को होना है मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 23 और 29 अप्रैल को मतदान से पहले ममता बनर्जी को राहत मिली है। चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में करीब सात लाख नए मतदाताओं को शामिल कर लिया है। इस बढ़ोतरी के साथ राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या अब 6,82,51,008 हो गई है। आयोग ने इन नए मतदाताओं की आयु, लिंग या अन्य विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन सात लाख नए मतदाताओं में से करीब 3.22 लाख पहले चरण के मतदान में भाग लेंगे, जबकि बाकी 3.88 लाख दूसरे चरण में वोट डाल सकेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने हैं। पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 विधानसभा क्षेत्रों में और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को शेष 142 क्षेत्रों में मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 मई को होगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इन नए शामिल मतदाताओं में कितने 18 साल पूरे कर चुके युवा हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। साथ ही, फॉर्म-6 के जरिए प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या और उनमें से कितने आवेदन अस्वीकृत किए गए, इसकी कोई जानकारी नहीं दी है।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुल आंकड़े मानदंडों के अनुरूप जारी किए गए हैं। विस्तृत आंकड़े तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर बाद में साझा किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद मतदाता सूची में और नाम जुड़ सकते हैं, जिससे कुल संख्या में और बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी राज्य में चल रहे एसआईआर के बाद हुई है। एसआईआर अभियान के दौरान मृतक, प्रवासी, डुप्लिकेट और अनट्रेसेबल मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक एसआईआर में कुल 90 लाख से ज्यादा नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिसके बाद कुल मतदाताओं की संख्या पहले 7.66 करोड़ से घटकर करीब 6.8 करोड़ के आसपास पहुंच गई। ऐसे में सात लाख नए नामों का जुड़ना चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

बता दें टीएमसी समेत विपक्षी दलों ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उनका दावा था कि बड़ी संख्या में नाम हटाने से कई योग्य मतदाता वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं। आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और कानून के मुताबिक की गई है। सीएम ममता बनर्जी इस मामले में चुनाव आयोग को ही कठघरे में खड़ा करती हुई दिख रही थीं, लेकिन अब इन सात लाख मतदाताओं ने नाम जुड़ने से उनको राहत मिली है। इससे हर एक सीट पर वोर्टर की संख्या बढ़ेगी।

चोल विरासत टिप्पणी पर विवाद, कमल हासन से सार्वजनिक माफी की मांग तेज

चेन्नई,। चुनावी माहौल के बीच अभिनेता और राजनेता कमल हासन की एक टिप्पणी ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। चेन्नई हार्बर में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने तमिलनाडु के मंत्री सेकर बाबू के मंदिर पुनर्निर्माण कार्यों की तुलना चोल सम्राट राजराजा चोल प्रथम से कर दी थी, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है और सार्वजनिक माफी की मांग की है।

भाजपा का कहना है कि कमल हासन का यह बयान तमिल इतिहास और चोल साम्राज्य की विरासत का अपमान है। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने इसे 'बेहद खेदजनक' बताया और कहा कि राजराजा चोल जैसे महान शासक की उपलब्धियों की तुलना राजनीतिक लाभ के लिए नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि कमल हासन अपने बयान को वापस लें और सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

विवादित बयान में कमल हासन ने कहा था कि मंत्री सेकर बाबू ने राजराजा चोल से भी अधिक 'कुंभभिषेकम' (मंदिर अभिषेक) किए हैं। इसी टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। प्रसाद ने कहा कि राजराजा चोल प्रथम ने न केवल बृहदीश्वर मंदिर जैसे ऐतिहासिक धरोहरों का निर्माण कराया, बल्कि चोल साम्राज्य का विस्तार श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व एशिया तक किया था। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि चोल शासनकाल में प्रशासनिक व्यवस्था और मंदिरों को दिए गए अनुदान ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में एचआर एंड सीई विभाग के अंतर्गत कई मंदिरों में अव्यवस्था है और बुनियादी पूजा कार्यों में भी कठिनाइयां सामने आ रही हैं।

इसके साथ ही भाजपा ने कमल हासन के राजनीतिक रुख पर भी सवाल उठाए और कहा कि उनकी टिप्पणियां डीएमके नेतृत्व के साथ नजदीकी के कारण प्रभावित हो सकती हैं। एएनएस प्रसाद ने उन्हें आत्ममंथन करने और अपने बयान की गंभीरता को समझने की सलाह दी। भाजपा ने यह भी सुझाव दिया है कि कमल हासन को तंजावुर स्थित बृहदीश्वर मंदिर जाकर राजराजा चोल को श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए, ताकि जनभावनाओं को ठेस न पहुंचे। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि माफी नहीं मांगी गई तो विवाद और बढ़ सकता है।

गुरुग्राम में नकली 'मौनजारो' इंजेक्शन की बड़ी खेप पकड़ी गई, सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुटा ड्रग कंट्रोल विभाग

गुरुग्राम। नकली दवाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग कंट्रोल विभाग ने गुरुग्राम में डायबिटीज के इलाज में इस्तेमाल होने वाले मौनजारो इंजेक्शन की करीब 70 लाख रुपये की खेप जब्त की है। इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। ड्रग कंट्रोल ऑफिसर अमनदीप चौहान के अनुसार, विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में बड़ी मात्रा में नकली मौनजारो इंजेक्शन की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने तुरंत छापेमारी की और संदिग्ध स्टॉक को बरामद कर लिया। प्रारंभिक जांच में यह पूरा जखीरा नकली होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मौनजारो इंजेक्शन मूल रूप से डायबिटीज के मरीजों के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है, लेकिन हाल के समय में इसका इस्तेमाल वजन घटाने के लिए भी बढ़ गया है।

मार्च में घरेलू एलपीजी की खपत 13 प्रतिशत घटी

ईरान जंग की वजह से सप्लाई प्रभावित; पेट्रोल-डीजल की डिमांड 8 प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग की वजह से मार्च में देश की रसोई गैस सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है। आधिकारिक डेटा के मुताबिक, पिछले महीने यानी मार्च में घरेलू एलपीजी की खपत में 13 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। सप्लाई में आई इस कमी की मुख्य वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जलमार्ग का बंद होना और खाड़ी देशों से सप्लाई प्रभावित होना है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में रुएलपीजी की खपत 2.1379 मिलियन टन रही। यह पिछले साल इसी अवधि में हुई 2.1729 मिलियन टन खपत के मुकाबले करीब 13 प्रतिशत कम है। भले ही मार्च में खपत कम रही हो, लेकिन पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में एलपीजी की कुल खपत 6 प्रतिशत बढ़कर 33.1212 मिलियन टन रही है। इसका मुख्य कारण सरकार द्वारा लकड़ी और अन्य प्रदूषित ईंधनों की जगह स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है।

जंग के कारण आयात में आई रुकावट

भारत अपनी एलपीजी जरूरत का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। इसका बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह मार्ग प्रभावी रूप से बंद हो गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से होने वाली सप्लाई बाधित होने के बाद सरकार ने घरेलू रसोई की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए होटलों और उद्योगों जैसी कॉमर्शियल संस्थाओं की सप्लाई में कटौती की है।

कॉमर्शियल और घरेलू गैस बिक्री के आंकड़े

आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में घरों को बेचे गए घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बिक्री में 8.11 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 2.1219 मिलियन टन रही। वहीं नॉन-डोमेस्टिक या कॉमर्शियल यूजर्स की बिक्री में लगभग 48 प्रतिशत की कमी आई है। थोक एलपीजी की बिक्री में तो 75.15 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, सरकार का दावा है कि एलपीजी की सप्लाई सामान्य है और घरेलू मांग पूरी की जा रही है, लेकिन डेटा इसके उलट स्थिति दिखा रहा है।

कांग्रेस और उसके सहयोग को लेकर आधी आबादी के मन में भारी आक्रोश

लखनऊ,। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में रविवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि जब पीएम मोदी ने 2014 में देश की सत्ता अपने हाथों में ली थी, तब उन्होंने एक बात स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि देश में चार ही जातियां हैं- नारी, गरीब, युवा और किसान। उन्होंने कहा कि भारत को कमजोर करने की नीयत से जातिवाद के नाम पर खुद के परिवार का भरण-पोषण करके उन्होंने देश को लूटा है। उनके लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक चुनौती थी।

सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व में कोई भी प्रोग्रेसिव कदम उठाया है, कांग्रेस और उसके जितने भी सहयोगी हैं, हमेशा विरोध करते रहे। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के मन में विपक्ष के इस नारी विरोधी आचरण के बारे में भारी आक्रोश है। वह आक्रोश समाजवादी पार्टी, राजद, टीएमसी, डीएमके और उन दलों का है जो इस पाप में भागीदार थे, उनके प्रति महिला का आक्रोश देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ओर से समाज और देश के हित में जो कदम उठाए गए हैं, उनके सामने कैसे बैरियर के रूप में और उन कदमों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए इंडी गठबंधन किस हद तक जाकर षड्यंत्र करता है। उन्होंने कहा कि 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ था, लेकिन जब महिला संगठनों और सामाजिक

संगठनों ने इस बात की मांग की कि यह अधिनियम 2034 के बजाए 2029 में लागू हो, उनकी मांग के मुताबिक पीएम मोदी ने सभी पक्षों से विचार-विमर्श करने के बाद केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम में आवश्यक संशोधन लेकर आई।

योगी ने कहा कि कुछ राज्यों ने इसके बारे में मांग उठाई थी कि ऐसा न हो कि इसके जरिए उनके हक को कम कर दिया जाए। पीएम मोदी ने 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करते वक्त तय किया था कि किसी का हक नहीं छीना जाएगा। 33 फीसदी आरक्षण के लिए अतिरिक्त सीट लोकसभा और विधानसभा में बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे किसी का हक कम नहीं होता, केवल एक ही इच्छा थी कि सदन मिल कर भारत की नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ संशोधन विधेयक पारित कर 2029 में उनका अधिकार दे दें।

सीएम योगी ने कहा कि जब भारत के संविधान का निर्माण हो रहा था तो उस समय भी धर्म के आधार पर आरक्षण देने की मांग उठी थी। सभी पक्षों ने इसका विरोध किया था। बाबासाहेब ने इसको लेकर बहुत तीखी टिप्पणी लिखी थी कि एक बार विभाजन हो गया है, भारत दूसरे विभाजन के लिए तैयार नहीं हो सकता। सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसका विरोध किया था। सभी सदस्यों ने इसका विरोध किया था। आज जब वे मुस्लिम महिलाओं की बात करते हैं, तब वे कहां थे? शाह बानो प्रकरण में कांग्रेस की सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को अधिकार से वंचित करने का प्रयास किया।

यूपी का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे तैयार, 12 जिलों के साथ हरिद्वार, बिहार भी जुड़ेगा

मेरठ। उत्तर प्रदेश के सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन इसी महीने के अंत में हो सकता है.यह यूपी के पूर्वांचल को सीधे पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जोड़ेगा. 594 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे 12 जिलों से गुजरेगा. इसमें उत्तर प्रदेश के मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज जिले जुड़ेंगे. मेरठ के बिजौली गांव एनएच -334 से ये गंगा एक्सप्रेसवे प्रारंभ होगा. फिर प्रयागराज के जुदापुर दांदू गांव एनएच-19 तक जाएगा.हरिद्वार एक्सटेंशन के तहत अमरोहा-बिजनौर होते हुए इसे हरिद्वार उत्तराखंड तक जोड़े जाने का प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल 2026 को उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले (मल्लावां क्षेत्र के सलेमपुर गांव) में गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे. लखनऊ जोन के एडीजी प्रवीण कुमार ने कमिश्नर विजय विश्वास पंत और अन्य अधिकारियों के साथ संभावित उद्घाटन स्थल का दौरा किया और तैयारियां परखीं. बिहार से कनेक्टिविटी के लिए प्रयागराज से इसे आगे बलिया तक ले जाने की योजना है. इसे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे नोएडा एयरपोर्ट के पास से जोड़ने के लिए अलग से लिंक रोड बन रही है। अभी गंगा एक्सप्रेसवे 6 लेन का है, जिसे आगे 8 लेन तक बढ़ाने का प्रावधान रखा गया है. नींद की झपकी से होने वाले हादसों को रोकने के लिए सड़क पर उभरी हुई पट्टियां लगाई गई हैं, जो वाहन गुजरने पर कंपन पैदा करती हैं. शाहजहांपुर जिले में 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी भी बनाई गई है, जहां एयरफोर्स के लड़ाकू विमान इमरजेंसी लैंडिंग कर सकेंगे.इसकी डिजाइन स्पीड 120 किमी की है. हरदोई जिले में इसका सबसे ज्यादा करीब 100 किमी क्षेत्र होगा.सवायजपुर, शाहाबाद और बिलग्राम तहसीलों में में 1133 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के चार बड़े एक्सप्रेसवे से कनेक्ट भी होगा. दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर मेरठ में यह एक्सप्रेसवे सीधे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा. इससे दिल्ली से प्रयागराज की दूरी आसान हो जाएगी. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर उन्नाव और हरदोई के पास एक इंटरचेंज के जरिए जोड़ा जाएगा. फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे 92 किलोमीटर लंबा है उससे भी ये दोनों बड़े एक्सप्रेसवे जोड़े जाएंगे. यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर एयरपोर्ट लिंक के जरिये भी ये कनेक्ट होगा.नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 74 किमी लंबा लिंक एक्सप्रेसवे मंजूर किया गया है।

चुनाव के दौरान पीएम मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन पर विवाद शुरू, चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राज्यसभा सांसद पी. संदोष कुमार ने इस संबोधन के खिलाफ चुनाव आयोग में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। सांसद का आरोप है कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन राजनीतिक प्रकृति का था और यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करता है।

सीपीआई सांसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर मामले की जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन का उपयोग राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधने के लिए किया गया, जो एक सरकारी मंच का दुरुपयोग माना जा सकता है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में 'महिला आरक्षण संशोधन बिल' को पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराते हुए उनकी जमकर आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी सहित कई दलों पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उनकी 'स्वार्थी राजनीति' के कारण देश की नारी शक्ति को नुकसान उठाना पड़ा।

पीएम मोदी के इस संबोधन के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्र के नाम संबोधन को राजनीतिक भाषण में बदल दिया। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस का बार-बार उल्लेख किया, जबकि महिलाओं के मुद्दों पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया गया। उन्होंने इसे लोकतंत्र और संविधान की भावना के खिलाफ बताया।

विपक्ष का कहना है कि चुनावी माहौल और खासकर आचार संहिता लागू होने की स्थिति में इस तरह के संबोधन से राजनीतिक लाभ लिए जा सकते हैं, इसलिए चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

झाड़ग्राम में रैली के बाद सड़क किनारे रुके पीएम मोदी ने झालमुड़ी का लिया स्वाद, वीडिया वायरल

कोलकाता,। झाड़ग्राम में चुनावी रैली करने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक अलग अंदाज ही देखने को मिला। दरअसल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के सिलसिले में झाड़ग्राम पहुंचे पीएम मोदी ने रैली के बाद अचानक अपना काफिला रुकवाकर सड़क किनारे एक झालमुड़ी की दुकान पर पहुंचकर सबको चौंका दिया।

रैली को संबोधित करने के बाद जब प्रधानमंत्री चॉपर की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्होंने एक स्थानीय झालमुड़ी विक्रेता की दुकान देखी और उन्होंने वहीं काफिला रुकवा दिया। उनके रुकते ही वहां आस-पास के लोग जुटने लगे और तभी भीड़ में से 卐जय श्री राम卐 तथा 卐नरेंद्र मोदी जिंदाबाद卐 के नारे भी लगने लगे। पीएम मोदी दुकान पर पहुंचे और विक्रेता से झालमुड़ी बनाने को कहा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दुकानदार विक्रम साह, जो मूल रूप से बिहार के गया जिले के रहने वाले हैं और पिछले 12 वर्षों से वहां दुकान चला रहे हैं, ने बताया कि उन्हें पीएम के आने की कोई पूर्व सूचना नहीं थी। उन्होंने पारंपरिक तरीके से मिर्च, मसाला और अचार मिलाकर झालमुड़ी तैयार की, जिसका स्वाद चखकर प्रधानमंत्री ने उसकी सराहना की।

इस दौरान पीएम मोदी ने वहां मौजूद बच्चों को भी झालमुड़ी खिलाई और खुद भी इस लोकप्रिय बंगाली व्यंजन का आनंद लिया। उन्होंने स्थानीय महिलाओं से बातचीत कर उनका हालचाल भी जाना, जिससे वहां मौजूद लोग काफी उत्साहित नजर आए। पीएम मोदी के इस सहज और अनौपचारिक अंदाज वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

अलोकतांत्रिक तरीके से देश पर परिसीमन थोपना चाहती है सरकार - सुप्रिया श्रीनेत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने केंद्र सरकार को महिला विरोधी कहा और दावा किया कि कांग्रेस वर्तमान लोकसभा सीटों की संख्या के हिसाब से महिलाओं को एक तिहाई सीट आरक्षित करने के समर्थन में है, लेकिन सरकार इसके खिलाफ है और अलोकतांत्रिक तरीके से परिसीमन थोपना चाहती है।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, 29 मिनट में 58 बार कांग्रेस का नाम लेने वाले पीएम मोदी का यह डर मुझे अच्छा लगा। वे जब-जब विभाजन करेंगे, कांग्रेस उन्हें रोकेगी। पीएम मोदी महिला आरक्षण पर रोड़ा क्यों बन रहे हैं और आरक्षण को क्यों रोक रहे हैं? लोकसभा की 543 सीटों में तुरंत 181 सीटों को महिलाओं के लिए रिजर्व करें। कांग्रेस पूरा समर्थन करने के लिए तैयार है। वे महिला आरक्षण पर बात को गोल-गोल क्यों घुमा रहे हैं?

उन्होंने कहा, सरकार खुद महिलाओं को आरक्षण नहीं देना चाहती, ऐसा इसलिए क्योंकि वह पुरुषों की सीट कम करके महिलाओं को नहीं देना चाहते। अगर ऐसा करना चाहते तो उन्होंने ऐसा कर दिया होता।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच नवल सिंह बर्खास्त

नई दिल्ली। भारतीय ओलिंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा और पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल की शिकायत के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच नवल सिंह को भारतीय पैरालंपिक समिति ने तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। मामला तब सामने आया जब सुमित अंतिल ने भारतीय खेल प्राधिकरण को लिखित शिकायत दी। इस शिकायत में उन्होंने कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न, गाली-गलौच और अनुचित व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए। सुमित का कहना था कि कोच कई बार शराब के नशे में खिलाड़ियों को अपमानित करते थे और उनके परिवार तक को निशाना बनाते थे। इस पूरे विवाद में नीरज चोपड़ा भी खुलकर सामने आए। उन्होंने नवल सिंह के बयानों को शर्मनाक बताते हुए कहा कि कोच ने उनके और उनके परिवार के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। नीरज के मुताबिक, यह व्यवहार खेल की मर्यादा और मानवीय शिष्टाचार की सीमाओं से बाहर था।

सिविल मामलों में एफआईआर पर हाईकोर्ट सख्त, डीजीपी को नए निर्देश जारी करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सिविल मामलों में पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि आपसी लेनदेन, जमीन-जायदाद और कॉमर्शियल विवाद जैसे मामलों में, जब तक स्पष्ट आपराधिक तत्व न हो, पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती। न्यायमूर्ति प्रमिल कुमार माथुर की एकलपीठ ने यह आदेश 18 अप्रैल को सुनवाई के दौरान दिए। कोर्ट ने यह टिप्पणी धर्मेंद्र ठक्कर सहित अन्य आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार करते हुए की। मामले में यह सामने आया कि टोंक जिले के निवाई थाना पुलिस ने एक व्यावसायिक विवाद को आपराधिक मामला मानते हुए एफआईआर दर्ज कर ली थी। शिकायत के अनुसार, एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को माल बेचा था, लेकिन करीब 18 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया गया। आरोपी पक्ष का कहना था कि यह पूरी तरह सिविल प्रकृति का मामला है, लेकिन पुलिस ने इसे आपराधिक रंग देकर कार्रवाई शुरू कर दी।

अदालत ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों और डीजीपी के सर्कुलर में पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि सिविल मामलों में एफआईआर दर्ज नहीं की जानी चाहिए। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी चिंताजनक है। कोर्ट ने राजीव कुमार शर्मा (डीजीपी) को निर्देश दिया कि वे इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी करें। साथ ही, यह भी कहा गया कि संबंधित मामले में सर्कुलर का पालन क्यों नहीं हुआ, इसकी जांच की जाए और दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अदालत ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी सिविल मामले में आपराधिक पहलू होने को लेकर संदेह हो, तो एफआईआर दर्ज करने से पहले संबंधित पुलिस अधीक्षक (एसपी) से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है।

इरोड में अमित शाह का विपक्ष पर हमला, बोले... वंशवादी राजनीति लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

चेन्नई। तमिलनाडु के इरोड में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और डीएमके पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान को लेकर दोनों पार्टियों पर महिलाओं के साथ 'विश्वासघात' करने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और विपक्ष की किसी भी 卐साजिश卐 को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण से वंचित करने का काम किया है। चुनावी सभा में शाह ने यह भी कहा कि तमिलनाडु के लिए लोकसभा सीटों में वृद्धि का अवसर था, लेकिन 2026 की जनगणना के आधार पर सीटों के पुनर्निर्धारण की मांग कर कांग्रेस और डीएमके राज्य की सीटें कम करने की साजिश रच रही हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी चुनावों के बाद ई.के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार राज्य में बनेगी।

यहां पर परिवारवाद के मुद्दा उठाते हुए शाह ने सत्तारूढ़ डीएमके को घेरा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का ध्यान शासन से अधिक अपने बेटे उदयनिधि स्टालिन को आगे बढ़ाने पर है। शाह ने कहा कि 卐पहले करुणानिधि, फिर स्टालिन और अब उनका बेटा—ऐसी वंशवादी राजनीति तमिलनाडु ही नहीं लोकतंत्र के लिए भी ठीक नहीं है।卐

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राज्य में कानून-व्यवस्था और कथित भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर भी डीएमके सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यदि राज्य में अन्नाद्रमुक और भाजपा की सरकार बनती है, तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाएगा और कानून-व्यवस्था में सुधार होगा। शाह ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु की 'खोई हुई गरिमा' को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य के विकास को नई दिशा दी जाएगी।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पदमेश न्यूज़
शहर । समाज । गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

एक व्यक्ति से उसके बड़े भाई ने की मारपीट दी-जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लोरा में एक व्यक्ति को उसके बड़े भाई ने कुल्हाड़ी के बेसे से मारपीट कर दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना घरेलू विवाद के चलते हुई। मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में संतलाल पिता अमरलाल उइके के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आरोप में अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवचंद उइके दो भाई है। बड़ा भाई संतलाल उइके है। दोनों भाई की शादी हो चुकी है और दोनों अपने-अपने परिवार के साथ अलग-अलग मकान में रहते हैं और दोनों भाई के बीच घरेलू विवाद चल रहा है। शिवचंद एच सी एल कंपनी मलाजखंड में में काम करता है। 19 अप्रैल को सुबह 11:00 बजे शिवचंद अपने घर में था तभी उसका बड़ा भाई संतलाल घर के सामने खड़ा होकर उसे बोलने लगा कि एच सी एल में नौकरी लग गई है और हमारे तरफ ध्यान नहीं देता यह कहने के साथ ही संतलाल अपने छोटे भाई शिवचंद को गालियां देने लगा, उसे गाली देने से मना किया तभी संतलाल ने कुल्हाड़ी के बेसे से शिवचंद को मारपीर करने लगा। जिसके चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। इसके बाद संतलाल उसे जान से मार डालने की धमकी देते हुए चला गया। संतलाल द्वारा की गई मारपीट में शिवचंद को चोटे आई थी। इसके बाद वह रिपोर्ट करने मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने शिवचंद द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बड़े भाई संतलाल के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया है और विवेचना की जा रही है।

एक महिला को उसके रिश्ते के देवर ने मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चिचटोला में एक महिला को उसके रिश्ते के देवर ने मारपीट कर घायल कर दिया। यह घटना घरेलू विवाद के चलते हुई।खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में राजेश नगपुरे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्याम कला नगपुरे अपने पति दीपक नगपुरे के साथ खेती किसानी के अलावा घरेलू काम करती है। 19 अप्रैल को सुबह श्याम कला अपनी बेटी उर्वशी जो कि विकलांग है उसके साथ घर में थी और पति खेत चला गया था 8:30 बजे करीब जब श्यामकला घर के अंदर घरेलू काम कर रही थी। तभी उसे घर के सामने जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आई। श्याम कला ने बाहर निकल कर देखी तो घर के सामने उसकी काकी सास का लड़का राजेश नगपुरे शराब के नशे में गालियां दे रहा था। श्याम कला ने उसे बोली की गाली क्यों दे रहा है तो उसने बोला कि मेरी मां की शिकायत नल वाले से क्यों की थी यह कहने के साथ ही राजेश नगपुरे श्यामकला को हाथ भुक्को से मारपीट करने लगा श्याम कला के चिल्लाने पर उसका देवर कनस नगपुरे और भोजराम लिल्हारे बीच बचाव करने आए इसके बाद राजेश नगपुरे अगली बार मां की शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी देकर वहा से चला गया। जिसके द्वारा मारपीट करने से श्यामकला के शरीर में छोटे आई थी। पति के खेत से घर आने के बाद वह रिपोर्ट लिखवाने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस ने अपने यहां के अस्पताल में श्यामकला का मुलाहिजा करवाई और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजेश नगपुरेके विरुद्ध अश्लील गालियां मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया है और विवेचना की जा रही है।

तीसरे दिन भी जारी रही आयकर विभाग की कार्यवाही

करीब 80 लोगो को नोटस भेजने की कही जा रही बात

जमीन कारोबार पर आयकर का शिकंजा,बेनामी सौदों की परतें खुलने लगीं : बिल्डर, व्यापारी और दलालों की भूमिका पर उठे सवाल : कार्यवाही पूरी पर मीडिया को नही दी गई जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में जमीन खरीदी-बिक्री और बेनामी संपत्तियों के मामलों में आयकर विभाग की कार्रवाई ने हलचल मचा दी है। भले ही विभाग ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा हो, लेकिन इस कार्रवाई से जुड़े कई नाम अब पर्दे के पीछे से सामने आने लगे हैं।जमीन खरीद-फरोख्त से जुड़े बेनामी संपत्ति के इस मामले में आयकर विभाग टीम की जांच रविवार को तीसरे दिन भी जारी है। स्टेशन रोड स्थित जिला आयकर कार्यालय में जबलपुर और भोपाल से पहुंचे आयकर अधिकारी जमे रहे। बताया गया कि इस जांच में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी भी शामिल हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

रविवार दोपहर तक चली कार्यवाही

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में जमीन लेन-देन में गड़बड़ियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आयकर विभाग ने सख्त कदम उठाए हैं। इसी क्रम में वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम तुमाड़ी में आदिवासी संयुक्त समाज संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष गणेश कुमरे के निवास पर छापामार कार्रवाई की गई है।इस कार्रवाई में भोपाल और जबलपुर से आई संयुक्त टीम पिछले 3 दिनों तक दस्तावेजों की गहन जांच में जुटी रही। हालांकि, विभाग ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि संबंधित व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है और आय के स्रोत क्या हैं।जानकारी के अनुसार, ये जांच रविवार को दोपहर 02 बजे तक चली। हालांकि, रविवार को भी विभागीय अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। जिससे जांच संबंधी जानकारी व अन्य तथ्य अब तक सामने नहीं आ सके हैं। आयकर विभाग के कार्यालय के मेन गेट पर ताला लगा दिया गया है।लेकिन कुमरे के अलावा अन्य लोगो को आयकर से सम्बधित नोटिस जारी करने की बात सामने आई है।

आदिवासियों की जमीन कम दामो में खरीदकर, सामान्य में करते थे ट्रांसफर

हालांकि अभी तक कि गई जांच में कहा कहा कितनी गड़बड़िया पाई गई फिलहाल विभागीय टीम द्वारा खुलासा नही किया गया है लेकिन सूत्रों की मानें तो जिले में आदिवासी जमीनों की खरीद-फरोख्त को लेकर एक संगठित नेटवर्क सक्रिय है। आरोप है कि आदिवासी वर्ग की जमीनों को कम कीमत पर खरीदकर बाद में नामांतरण के जरिए सामान्य वर्ग में ट्रांसफर कर दिया जाता है और फिर उसे ऊंचे दामों में बेचकर भारी मुनाफा कमाया जाता है।

करीब 80 लोगो को नोटिस भेजकर, मांगा हिसाब

हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नही हो सका कि मामला क्या है, और जांच में कहा कहा कितनी जगह गड़बड़िया मिली है।वही यह भी स्पष्ट नही हो सका कि कितने का टैक्स जमा नही किया गया है।लेकिन सूत्रों की मानें, तो मामले में अधिकारियों ने लगभग 80 लोगों को नोटिस देकर जवाब मांगा है। इनमें प्रापर्टी ब्रोकर से लेकर जिले के राजनेताओं के नाम भी शामिल हैं। गौरतलब है कि ये पूरा मामला वारासिवनी निवासी आदिवासी समाज के गणेश नामक व्यक्ति के नाम पर करोड़ों रुपयों की जमीन की खरीफ-फरोख्त से जुड़ा है। इसमें जिले के कई राजनेताओं की संलिप्तता बताई जा रही है।

संगठित नेटवर्क सक्रिय होने की कही जा रही बात

बताया जा रहा है कि इस पूरे खेल में कुछ नेता, बिल्डर, व्यापारी और जमीन दलाल भी अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं, जो कथित रूप से स्थानीय लोगों के नाम पर जमीन खरीदकर बाद में सौदेबाजी करते हैं।

शनिवार रात आयकर कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में जमीन कारोबार से जुड़े लोगों की मौजूदगी भी इस बात की ओर इशारा करती है कि कार्रवाई की आंच अब कई अन्य लोगों तक पहुंच सकती है।हालांकि, आयकर विभाग ने अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले में बड़े खुलासे हो सकते हैं।

बड़ा खुलासा होने की कही जा रही बात

सूत्रों के अनुसार, यह बड़ा और सनसनी मामला है, जिसकी पूरी जांच के बाद सामने लाया जा सकता है। इसमें जिले के प्रापर्टी ब्रोकरों ने भी मोटी रकम लगाई है। करोड़ों की संपत्ति के लेनदेन को संदिग्ध मानते हुए जांच टीम तीन दिनों से बालाघाट में डेरा डाले हुईं थी। रविवार को भी गणेश और उससे जुड़े प्रापर्टी ब्रोकरों के साथ टीम ने आयकर विभाग के बंद कमरे में पूछताछ की। बताया गया कि मामला बेनामी संपत्ति का है, जिसमें आयकर विभाग को गणेश के पास से बहुत ज्यादा संपत्ति होने की जानकारी मिली है। टीम, गणेश और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की जांच के साथ प्रापर्टी ब्रोकरों से भी पूछताछ कर रही है।

अधिकारियों ने बनाई रखी मीडिया से दूरी

इस पूरे मामले को लेकर छापामार कार्यवाही के लिए भोपाल और जबलपुर से आई आयकर विभाग की टीमें ,जमीन की खरीदी बिक्री से सम्बधित दस्तावेज लगातार खंगालते रही।वही गणेश कुमरे के साथियों का रिकार्ड सहित पैसो के लेनदेन को लेकर जांच लगातार करती रही।इस बीच पिछले 2 दिनों से आयकर विभाग कार्यालय में नगर के कई व्यापारियों, व्यक्तियों व चार्टेट अकांटेंट को चक्कर काटते देखा गया।लेकिन इस मामले को लेकर कोई भी कुछ बताने तैयार नही है।वही कार्यवाही के लिए बालाघाट पहुची आयकर विभाग की दोनो टीमो ने भी मीडिया से दूरी बनाए रखी।

गांजा पीने रुपए नहीं देने पर एक व्यक्ति से मोटरसाइकिल में सवार तीन युवकों ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले गोंदिया रोड़ सरेखा रेलवे ओवर ब्रिज के ऊपर एक व्यक्ति ने गांजा पीने पैसे नहीं देने पर मोटरसाइकिल सवार तीन युवक के विरुद्ध मारपीट करने का आरोप लगाया। यह घटना 18 अप्रैल की रात्रि 8:00 बजे करीब हुई। मारपीट में घायल व्यक्ति अजय उर्फ युगल किशोर ब्रम्हे में 39 वर्ष वार्ड नंबर 28 सरस्वती नगर बालाघाट निवासी है।जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय मजदूरी करता है। 18 अप्रैल की रात 8:00 बजे करीब अजय सरेखा चौक से पैदल सरस्वती नगर अपने घर आ रहा था। तभी सरेखा रेलवे ओवर ब्रिज के ऊपर शिव, लक्ष्य सहित तीन युवक मोटरसाइकिल से आए और अजय से गांजा पीने के लिए रुपए की मांग करने लगे। अजय ने उन्हें बोला कि रुपए नहीं है। तब तीनों युवकों ने अजय का जेब चेक किये। जेब में रुपए नहीं मिलने पर तीनों अजय को मारपीट कर फरार हो गये। मारपीट में घायल अजय रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली। जहा से उसे पहले अपना इलाज करवाने के लिए बोले। अजय ने जिला अस्पताल पहुंचकर जहा अपना इलाज करवाया वहीं जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु थाना कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

इंस्टाग्राम पर महिला की फोटो से छेड़छाड़ कर अश्लील पोस्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर महिला की छवि धूमिल करने वाले आरोपी को हट्टा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से महिला की फोटो पोस्ट कर उस पर अश्लील, आपत्तिजनक एवं अपमानजनक शब्द लिखकर उसे बदनाम करने का प्रयास कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी राज तुरकर ग्राम उमरी काटी थाना रावनवाड़ी जिला गोंदिया महाराष्ट्र निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

हट्टा पुलिस के मुताबिक 18 अप्रैल 2026 को पीड़िता के पति ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी राज द्वारा इंस्टाग्राम पर महिला की फोटो पोस्ट कर उसे रिश्तेदारों एवं परिचितों तक पहुंचाया जा रहा था तथा स्टेटस और हाइलाइट्स के माध्यम से अशोभनीय सामग्री प्रसारित की जा रही थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपराध क्रमांक 39/2026 के तहत आईटी एक्ट की धारा 67 एवं बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने थाना प्रभारी उप निरीक्षक अविनाश सिंह राठौड़ के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए आरोपी। राज को महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के ग्राम उमरी काटी से गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से मोबाइल फोन जप्त किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी को 19 अप्रैल को न्यायालय बालाघाट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भेज दिया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी रजेगांव निरीक्षक कौशल सूर्या, थाना प्रभारी हट्टा अविनाश सिह राठौड़ प्रधान आरक्षक द्वारिकानारायण दुबे, प्रधान आरक्षक राजेश पटले, आरक्षक विष्णु प्रताप, आरक्षक राकेश पंचेश्वर एवं महिला आरक्षक कविता खोब्रागढ़े का सराहनीय योगदान रहा।

हट्टा पुलिस की अपील

हट्टा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें। किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या अवैध गतिविधि पाए जाने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट